3 | राजधानी
प्रदर्शनकारी डॉक्टरों पर सख्ती, काटा वेतन

6 | अभिमत
भाजपा की मददगार मोदी-कैप्टन जोड़ी

10 | विदेश
चीन से तीन अरब डॉलर का कर्ज लेने की कोशिश में पाकिस्तान

11 | विविध
अपने भविष्य को करें ऊर्जावान

RNI NO.DELHIN/2012/48369
वर्ष 10 अंक 85
नई दिल्ली, सोमवार, 31 जनवरी, 2022
पृष्ठ 12 मूल्य ₹ 3
नगर संस्करण

नई दिल्ली, लखनऊ, रायपुर और फरीदाबाद से प्रकाशित

पायनियर

www.dailypioneer.com

रफेल नडाल ने 21वां ग्रैंडस्लैम खिताब जीता

स्पोर्ट्स-12

बजट सत्र आज से, उठेगा पेगासस मुद्दा

- जासूसी मामले में ताजा खुलासे को लेकर सरकार से तत्काल स्पष्टीकरण मांगने की रणनीति बना रहा विपक्ष
- कोविड प्रोटोकॉल के तहत सदन संचालन में किए गए कई तरह के बदलाव

दीपक कुमार झा। नई दिल्ली

नई दिल्ली में बैठक करते लोक सभा अध्यक्ष ओम बिरला और उप राष्ट्रपति व राज्य सभा सभापति वेंकैया नायडू

पेगासस जासूसी मामले में ताजा खुलासे के मद्देनजर सोमवार से शुरू हो रहा संसद का बजट सत्र काफी हंगामेदार रहने की संभावना है। जासूसी मामले को लेकर ही मानसून और शीतकालीन पिछले दोनों सत्रों में संसद की कार्यवाही में खासा व्यवधान हुआ था और इस कारण इसमें कटौती भी कर दी गई थी। लोकसभा में कांग्रेस पार्टी के नेता अधीर रंजन चौधरी केंद्रीय सूचना प्रौद्योगिकी मंत्री अश्विनी वैष्णव के खिलाफ विशेषाधिकार प्रस्ताव पेश करेंगे, जिन्होंने मानसून सत्र में अपने बयान से संसद को कथित रूप से गुमराह करते हुए कहा था कि सरकार का पेगासस विवाद से कोई लेना-देना नहीं है। कांग्रेस के साथ ही तृणमूल, शिवसेना, राजद, वाम दल समेत अन्य विपक्षी दल सत्र के पहले ही दिन से दोनों सदनों में पेगासस मामला उठाते हुए सरकार से इस पर तत्काल स्पष्टीकरण की मांग कर सकते हैं।

सदन की बैठक से पहले लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला की अध्यक्षता में सर्वदलीय बैठक होगी, वहीं उपराष्ट्रपति एम वेंकैया नायडू ने भी पार्टी नेताओं के साथ आभासी बैठक करने वाले हैं। बिड़ला और नायडू ने रविवार को मुलाकात कर संसद के शीर्ष अधिकारियों के साथ तैयारियों की समीक्षा की। दोनों पीठासीन अधिकारियों ने आशा व्यक्त की है कि सभी राजनीतिक दल रचनात्मक बहस में शामिल होंगे और बजट सत्र उत्पादक रहेगा। बिड़ला ने सोमवार दोपहर बिजनेस एडवाइजरी कमेटी की बैठक भी बुलाई है। कोविड महामारी की नई लहर के कारण लोकसभा और राज्यसभा दोनों कुल 27 सत्रों में प्रति सत्र एक घंटे कम चलेगी। सत्र के पहले भाग में राष्ट्रपति के अभिभाषण पर धन्यवाद प्रस्ताव और आम बजट पर चर्चा मुख्य कार्य हैं। सत्र के पहले दिन सोमवार को राष्ट्रपति रामनाथ कोविंद दोनों सदनों के सदस्यों को संबोधित करेंगे और दूसरे दिन वित्त मंत्री निर्मला सीतारमन द्वारा लोकसभा में 2022-23 का केंद्रीय बजट पेश किया जाएगा। सामाजिक दूरी के नियमों का पालन सुनिश्चित करने के लिए लोकसभा और राज्यसभा दिन के अलग-अलग समय पर पांच-पांच घंटे की बैठक करेंगे। केंद्रीय बजट पेश करने के लिए लोकसभा की बैठक 1 फरवरी को सुबह 11 बजे होगी, और 2 फरवरी से 11 फरवरी तक सत्र के पहले चरण की समाप्ति तक शाम 4 बजे से 9 बजे तक बैठक होगी। राज्यसभा की बैठक सुबह 9 बजे से दोपहर 3 बजे तक होगी। लोकसभा बुलेटिन में कहा गया है कि संसद के निचले सदन की बैठकों के दौरान, लोकसभा और राज्यसभा के कक्षों और उनकी दीर्घाओं का उपयोग सदस्यों के बैठने के लिए किया जाएगा। बजट सत्र के पहले भाग में 31 जनवरी से 11 फरवरी के बीच 10 बैठकें होंगी, जबकि दूसरे भाग में 14 मार्च से 8 अप्रैल के बीच 19 बैठकें होनी हैं। राज्य सभा में सार्वजनिक महत्व के मुद्दों को उठाने के लिए शून्यकाल को प्रतिदिन 30 मिनट तक घटाकर 13 घंटे 30 मिनट कर दिया गया है। पहले यह एक घंटे का होता था। सोमवार से शुरू होने वाला बजट सत्र जनवरी 2020 में कोविड-19 महामारी के प्रकोप के बाद से आयोजित होने वाला छठा सत्र है।

राज्यसभा में 27 बैठकों के दौरान कागजात और रिपोर्ट रखने के अलावा सार्वजनिक महत्व के मुद्दों को उठाने के लिए कुल 13 घंटे 30 मिनट के साथ शून्यकाल प्रति दिन 30 मिनट का होगा। प्रश्नकाल का समय 27 घंटे का होगा। सत्र के दौरान छह दिनों में गैर-सरकारी सदस्यों के कार्य के लिए कुल 15 घंटे का समय निर्धारित है। सत्र के दूसरे भाग के पहले सप्ताह के दौरान, शुक्रवार को अवकाश होने के कारण गैर-सरकारी सदस्यों के विधेयकों को गुरुवार को लिया जाएगा। यह ध्यानाकर्षण नोटिस के तहत तत्काल सार्वजनिक चिंता के मुद्दों पर चर्चा करने और अल्पकालिक चर्चा के रूप में सरकार द्वारा प्रस्तावित विधेयकों पर विचार करने और पारित करने के लिए केवल 79 घंटे 30 मिनट का समय बचा है।

किसान संगठन देश में आज मनाएंगे विश्वासघात दिवस

- एसकेएम ने केंद्र सरकार पर लगाया आंदोलन खत्म कराते वक्त किए गए वादे पूरे नहीं करने का आरोप

पायनियर समाचार सेवा। नई दिल्ली

केंद्र सरकार पर किसानों की लंबित मांगों को पूरा नहीं करने का आरोप लगाते हुए किसान संगठन 31 जनवरी को देशभर में विश्वासघात दिवस मनाएंगे। मोदी सरकार ने तीन कृषि कानूनों के खिलाफ आंदोलन वापस लेने के समय इन मांगों को लिखित रूप में स्वीकार किया था। इसके बाद 40 से अधिक किसान संगठनों का नेतृत्व करने वाले संयुक्त किसान मोर्चा (एसकेएम) ने औपचारिक रूप से आंदोलन वापस ले लिया था।

केंद्र सरकार द्वारा किसानों की मांग पूरा नहीं करने पर एसकेएम ने कहा कि वह मिशन उत्तर प्रदेश (यूपी) के साथ आगे बढ़ेगा और लोगों से भारतीय जनता पार्टी (बीजेपी) को वोट नहीं देने की अपील करेगा। सरकार पिछले साल 9 दिसंबर को किए गए वादों पर अमल करने में विफल रही है। केंद्रीय ट्रेड यूनियनों और स्वतंत्र क्षेत्रीय संघों का संयुक्त मंच किसानों के समर्थन में 31 जनवरी को विश्वासघात दिवस के रूप में मनाएगा। भारतीय किसान संघ (बीकेयू) के नेता राकेश टिकैत ने रविवार को कृषि मुद्दों पर देश भर में विश्वासघात दिवस मनाने की घोषणा की। एसकेएम के घटक दल के नेता टिकैत ने एक ट्वीट में कहा कि हमारी मांग है कि केंद्र को एमएसपी पर अपना किया वादा पूरा करना चाहिए और किसानों के खिलाफ दर्ज सभी मामलों को भी रद्द करना चाहिए।

साल भर विरोध के बाद 9 दिसंबर को सरकार द्वारा दिए गए एक पत्र के आधार पर आंदोलन को निलंबित कर दिया गया था, लेकिन उन वादों को पूरा नहीं किया गया है। प्रभावशाली उत्तर भारतीय किसान संघ के राष्ट्रीय प्रवक्ता ने दावा किया कि 9 दिसंबर को सरकार द्वारा किए गए वादों के पत्र के आधार पर दिल्ली की सीमाओं पर एक साल से अधिक समय से चल रहे किसानों के विरोध को वापस ले लिया गया था, लेकिन वे अधूरे रह गए। दूसरी ओर, एसकेएम ने कहा कि किसान यूपी जाएंगे और लोगों से आगामी विधानसभा चुनावों में भाजपा को वोट न देने का आग्रह करेंगे क्योंकि वे पिछले साल किसानों से किए गए अपने वादों को पूरा करने में विफल रहे हैं। एसकेएम ने कहा कि 31 जनवरी को देश भर में जिला और ब्लॉक स्तर पर बड़े विरोध प्रदर्शन आयोजित किए जाएंगे। संगठन को उम्मीद है कि यह कार्यक्रम कम से कम 500 जिलों में आयोजित किया जाएगा। बीते 9 दिसंबर को किसानों के विरोध के एक साल और 14 दिनों के बाद एसकेएम, नरेंद्र मोदी सरकार द्वारा प्रदर्शनकारियों की सभी लंबित मांगों पर सहमति के बाद प्रदर्शनकारियों ने दिसंबर में दिल्ली की सीमाओं को खाली कर दिया था।

इससे पहले प्रधान मंत्री नरेंद्र मोदी ने नवंबर 2021 में घोषणा की थी कि विवादास्पद कृषि कानूनों को वापस ले लिया जाएगा। भाजपा के नेतृत्व वाले केंद्र द्वारा पेश किए गए तीन विवादास्पद कृषि कानूनों को वापस लेने की मुख्य मांगों को लेकर नवंबर 2020 में किसानों के सामूहिक एसकेएम के बैनर तले दिल्ली की सीमाओं पर विरोध प्रदर्शन शुरू हो गया था। एक साल से अधिक समय से सिंघू, टिकरी और गाजीपुर के प्रमुख सीमा बिंदुओं पर कब्जा करने वाले किसानों ने फसलों के न्यूनतम समर्थन मूल्य (एमएसपी) के लिए कानूनी गारंटी की भी मांग की थी।

चुनाव प्रचार के लिए और ढील मिलने की संभावना

पायनियर समाचार सेवा। नई दिल्ली

- चुनाव आयोग प्रचार पर प्रतिबंधों की समीक्षा के लिए आज करेगा बैठक

चुनाव आयोग राजनीतिक दलों और उम्मीदवारों को प्रचार की कुछ छूट दे सकता है। पांच राज्यों उत्तर प्रदेश, उत्तराखंड, गोवा, मणिपुर और पंजाब में विधानसभा चुनावों में शारीरिक राजनीतिक रैलियों, रोड शो, बाइक और साइकिल रैलियों पर प्रतिबंध की समीक्षा के लिए सोमवार को आयोग की बैठक होगी। इस महीने की शुरुआत में चुनाव आयोग ने देश में कोविड-19 के प्रसार को नियंत्रित करने के लिए चुनावी रैलियों पर प्रतिबंध लगा दिया था।

सूत्रों ने कहा कि राजनीतिक रैलियों, रोड शो, साइकिल और बाइक रैलियों पर प्रतिबंध में छूट राज्यों में मौजूदा कोविड के हालात पर निर्भर करेगा। सूत्रों ने कहा कि आयोग निर्णय लेने से पहले केंद्रीय स्वास्थ्य सचिव, राज्यों के स्वास्थ्य सचिवों, मुख्य सचिवों और पांच राज्यों के मुख्य चुनाव अधिकारियों सहित सभी हितधारकों के साथ चर्चा करेगा। चुनाव आयोग ने बीते 22 जनवरी की बैठक में पांच चुनावी राज्यों उत्तर प्रदेश, गोवा, मणिपुर, पंजाब और उत्तराखंड में शारीरिक राजनीतिक रैलियों, रोड शो, पद-यात्रा, साइकिल और बाइक रैलियों और जुलूसों पर प्रतिबंध 31 जनवरी तक बढ़ा दिया था, लेकिन सार्वजनिक बैठकों में संवाद के लिए ढील दी गई।

इससे पहले 15 जनवरी को प्रतिबंध जारी रखने का फैसला लिया गया था। पोल पैनल ने डोर-टू-डोर प्रचार के लिए पांच-व्यक्ति की सीमा को भी बढ़ाकर 10 कर दिया था और वीडियो वैन की अनुमति दी कोरोनावायरस प्रतिबंधों के साथ निर्दिष्ट खुले स्थानों पर प्रचार के लिए। स्वास्थ्य मंत्रालय के अनुसार, एक दिन (शेष पेज 9)

जैश के शीर्ष कमांडर समेत पांच आतंकी ढेर

भाषा। श्रीनगर

मुठभेड़ स्थल पर मोर्चा संभाले सुरक्षा बलों के जवान

जम्मू-कश्मीर में सुरक्षा बलों ने बड़ी कामयाबी के तहत पुलवामा और बडगाम जिलों में देर रात हुई दो अलग-अलग मुठभेड़ों में आतंकी संगठन जैश-ए-मोहम्मद (जेईएम) के एक शीर्ष स्वयंभू कमांडर समेत पांच आतंकवादियों को ढेर कर दिया। अधिकारियों ने रविवार को यह जानकारी दी। जेईएम कमांडर जाहिद वानी 2017 से सक्रिय था तथा वह कई हत्याओं और युवाओं को आतंकवादी संगठन में भर्ती करने में शामिल था।

पुलवामा में संयुक्त संवाददाता सम्मेलन में पुलिस महानिरीक्षक (आईजीपी) कश्मीर, विजय कुमार और सेना के विक्टर फोर्स के जनरल ऑफिसर कमांडिंग-इन-चीफ (जीओसी) मेजर जनरल प्रशांत श्रीवास्तव ने कहा कि आतंकवादियों की मौजूदगी के बारे में सूचना मिलने के बाद मुठभेड़ शनिवार को कश्मीर घाटी के पुलवामा और बडगाम जिलों में हुई। दक्षिण कश्मीर में पुलवामा के नाइरा इलाके में मुठभेड़ में जेईएम के चार आतंकवादी मारे गए, जबकि एक आतंकवादी मध्य कश्मीर में बडगाम जिले के चरार-ए-शरीफ इलाके में मारा गया, जिसकी पहचान चिल ब्रास खानसाहब निवासी बिलाल अहमद खान के रूप में हुई। कुमार ने संवाददाताओं से कहा, जाहिद वानी जैश का शीर्ष कमांडर था। उसका भाई बान प्लाजा हमले (जम्मू में) में शामिल था और जेल में है। वानी 2017 से सक्रिय था और कई हत्याओं, युवाओं की भर्ती करने में शामिल था। समीर डार की हत्या के बाद वह जैश-ए-मोहम्मद का जिला कमांडर बना। दरअसल, वह पूरी घाटी का जैश प्रमुख था। यह एक अच्छा अभियान था और मैं सुरक्षा बलों को बधाई देना चाहता हूं। आईजीपी ने कहा कि इस महीने अब तक 11 मुठभेड़ हुई है, जिसमें आठ पाकिस्तानी समेत 21 आतंकवादी मारे गए हैं। सबसे चुनौतीपूर्ण परिस्थितियों में ऑपरेशन को अंजाम देने के लिए सुरक्षा बलों की पूरी टीम की सराहना करते हुए जीओसी श्रीवास्तव ने कहा कि पुलवामा ऑपरेशन एक अलग अभियान नहीं था, बल्कि खुफिया-आधारित अभियानों की श्रृंखला का एक हिस्सा था, जो पिछले कुछ महीनों में सेना की 15 कोर के अधिकार क्षेत्र में अंजाम दिया गया है। उन्होंने कहा कि वानी 2017 के बाद से हुए विभिन्न आईईडी हमलों के मास्टरमाइंड में (शेष पेज 9)

राजस्थान में दलित युवक से मारपीट और जबरदस्ती पेशाब पिलायी

भाषा। जयपुर

राजस्थान के चूरू जिले में पुरानी रंजिश के कारण 25 वर्षीय दलित युवक का अपहरण कर उसके साथ मारपीट करने और उसे जबरदस्ती पेशाब पिलाने का मामला सामने आया है। पुलिस ने यह जानकारी देते हुए बताया कि इस संबंध में दो आरोपियों को गिरफ्तार किया गया है। रतनगढ़ थाना क्षेत्र के रूखसर गांव निवासी पीड़ित राकेश मेघवाल ने 27 जनवरी को आरोपियों के खिलाफ मामला दर्ज कराया था। पुलिस ने पीड़ित की शिकायत के आधार पर आरोपियों के खिलाफ भारतीय दंड संहता की संबंधित धाराओं और अनुसूचित जाति एवं अनुसूचित जनजाति (अत्याचार निवारण) अधिनियम की धाराओं के तहत मामला दर्ज किया। पुलिस ने बताया कि पीड़ित ने आरोप लगाया कि उमेश जाट ने जाट समुदाय के सात अन्य लोगों राजेश, राकेश, ताराचंद, बीरबल, अक्षय, बिदादीचंद और दिनेश के साथ 26 जनवरी की रात 11 बजे उसे (शेष पेज 9)

फेसबुक पोस्ट को लेकर हत्या मामले में मौलाना गिरफ्तार

एटीएस की गिरफ्त में मौलाना कमरगनी उस्मानी (दाएं)और हासिम सामा (बाएं)

भाषा। अहमदाबाद

- गुजरात के धंधुका में किशन बोलिया की बाइक सवार व्यक्तियों ने गोली मारकर कर दी थी हत्या

फेसबुक पर कथित आपत्तिजनक पोस्ट को लेकर गुजरात के धंधुका शहर में एक शख्स की हत्या के मामले में राज्य के आतंकवाद रोधी दस्ते (एटीएस) ने एक मौलाना को दिल्ली से गिरफ्तार किया है। एक अधिकारी ने यह जानकारी दी। फेसबुक पोस्ट के कारण किशन बोलिया की 25 जनवरी को बाइक सवार व्यक्तियों ने गोली मारकर हत्या कर दी थी। बोलिया ने छह जनवरी को सोशल मीडिया मंच पर एक पोस्ट साझा किया था, जिसके बाद मुस्लिम समुदाय के कुछ लोगों ने उसके खिलाफ धार्मिक भावनाएं आहत करने (शेष पेज 9)

बाजार

सेंसेक्स	57,200	
निफ्टी	17,101	
सोना	47,777	/10g
चांदी	61,652	/kg

क्विक न्यूज

मौनी अमावस्या पर प्रयागराज में एक करोड़ श्रद्धालु कर सकते हैं स्नानः मुख्य सचिव

प्रयागराज। उत्तर प्रदेश के मुख्य सचिव दुर्गा शंकर मिश्र ने प्रयागराज में चल रहे माघ मेले का भ्रमण करने के बाद रविवार को कहा कि सोमवार को तृतीय स्नान पर्व मौनी अमावस्या पर एक करोड़ श्रद्धालुओं के यहां गंगा और संगम में स्नान करने की उम्मीद है। प्रयागराज मेला प्राधिकरण के आईसीसीसी सभागार में संवाददाताओं से बातचीत में उन्होंने कहा, मौनी अमावस्या, माघ मेला का बहुत ही महत्वपूर्ण पर्व होता है। देशभर से लोग माघ मेला में गंगा स्नान करने आते है। कल इस पर्व में एक करोड़ लोगो के स्नान करने की संभावना है। उन्होंने कहा, कल के स्नान के लिए स्नानार्थियो, कल्पवासियो, देशभर से आए साधु महात्माओं के लिए क्या व्यवस्था की गई है, इसकी समीक्षा के लिए मैं यहां आया हूं।

हिंदू महासभा ने मनाया शौर्य दिवस, गोडसे का किया गुणगान

भाषा। मेरठ, ग्वालियर

राष्ट्रपिता महात्मा गांधी की पुण्यतिथि पर शनिवार को जहां पूरा देश ने उन्हें श्रद्धांजली अर्पित की, वहीं उत्तर प्रदेश के मेरठ शहर के शारदा रोड स्थित अखिल भारत हिंदू महासभा के कार्यालय में न सिर्फ गांधी के राष्ट्रपिता होने पर सवाल उठाया गया। इन लोगों ने गांधी के हत्यारे नाथूराम गोडसे का गुणगान करते हुए 30 जनवरी का दिन शौर्य दिवस के रूप में मनाया। महासभा ने शांति के दूत राष्ट्रपिता महात्मा गांधी के योगदान को दरकिनार कर दिया।

गौरतलब है कि 30 जनवरी 1948 को नाथूराम गोडसे ने महात्मा गांधी की गोली मारकार हत्या कर दी थी। हिन्दू महासभा के प्रदेश प्रवक्ता अभिषेक अग्रवाल ने बताया कि इस मौके पर कुछ लोंगो को नाना आप्टे नाथूराम गोडसे भारत रत्न दिया गया है। इसमें प्रमुख रूप से छत्तीसगढ़ निवासी माता महाकाली के परम भक्त महाराज कालीचरण, बेंगलुरु निवासी उत्तर भारत के प्रमुख हिंदूवादी नेता शशिकांत शर्मा, लेडी गोडसे के नाम से पूरे विश्व में प्रसिद्ध डॉ. पूजा शकुन पांडे, हिंदू डिफेंस के राष्ट्रीय संयोजक दिल्ली निवासी निशांत जिंदल, हिंदू सेना के राष्ट्रीय अध्यक्ष और दिल्ली निवासी विष्णु गुप्ता, सावरकर टाइम्स के संपादक नई दिल्ली निवासी रामनाथ लूथरा सहित सात लोगों को इस सम्मान से सम्मानित किया गया।

अशोक शर्मा के अनुसार पूरे भारतवर्ष में 108 लोगों को यह नाथूराम गोडसे नाना आप्टे भारत रत्न दिया जाएगा। प्रमुख रूप से भारत के गृह मंत्री अमित शाह, भारत की वित्त मंत्री सीतारमण, फिल्म अभिनेत्री कंगना रनौत सहित अन्य लोग इस सम्मान से सम्मानित किए जाएंगे। वहीं हिंदू (शेष पेज 9)

लोकतंत्र का गैस चैंबर बना पश्चिम बंगाल : धनखड़

सौगर सेनगुप्ता। कोलकाता

राजभवन और नबन्ना यानी राज्य सचिवालय के बीच जुबानी जंग जारी है। बंगाल के राज्यपाल जगदीप धनखड़ ने एक बार फिर मुख्यमंत्री ममता बनर्जी के शासन पर तगड़ा हमला बोलते हुए कहा कि राज्य लोकतंत्र का गैस चैंबर बन गया है। महात्मा गांधी की पुण्यतिथि पर उन्हें पुष्पांजलि अर्पित कर श्रद्धांजलि देने के बाद राज्यपाल ने कहा कि बंगाल में मानवाधिकारों का बड़े पैमाने पर उल्लंघन हो रहा है। राज्यपाल धनखड़ ने यहां तक कहा कि वह इस पवित्र भूमि को खून से लथपथ होते नहीं देख सकते। अब लोग कहने लगे हैं कि यह राज्य लोकतंत्र के गैस चैंबर में बदल रहा है। यह मानवाधिकारों को कुचलने की प्रयोगशाला बन गया है। राज्यपाल ने कहा कि यहां कानून का शासन नहीं, बल्कि शासक का कानून है। उन्होंने कहा कि वह गलत के खिलाफ अपनी आवाज उठाना जारी रखेंगे। उन्हें अपना कर्तव्य निभाते हुए कई बार अपमानित होना पड़ा है।

देश के 75% से अधिक वयस्कों को लगे दोनों टीके

- खास उपलब्धि पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने दी देशवासियों को बधाई

पायनियर समाचार सेवा। नई दिल्ली

भारत ने एक बार फिर दिखा दिया है कि वह कोरोना महामारी के खिलाफ मजबूती से जंग लड़ रहा है। एक और मील का पत्थर पार करते हुए रविवार तक 75 प्रतिशत से अधिक लोगों कोरोना की दोनों खुराक लगा दी गई हैं। इस खास उपलब्धि के लिए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने ट्वीट कर सभी नागरिकों को बधाई दी। प्रधानमंत्री मोदी ने कहा कि 75 प्रतिशत लोगों का टीकाकरण हो चुका है। वह गर्व महसूस कर रहे हैं कि देश में वैक्सीनेशन अभियान बेहद सफल रहा।

इसके बाद केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्री मनसुख मांडविया ने इस उपलब्धि को ऐतिहासिक बताया। स्वास्थ्य मंत्री ने कहा कि हमारा मंत्र सबका साथ सबका विकास रहा है। रविवार को भारत में 75 प्रतिशत व्यस्क आबादी को टीका लगाया जा चुका है। महामारी के खिलाफ जंग में टीकाकरण एक सफल औजार बना है। उन्होंने यह भी कहा कि टीकाकरण के बाद भी महामारी से निपटने के लिए कोविड नियमों का पालन करना जरूरी है। मंत्रालय द्वारा जारी सूचना के अनुसार पिछले चौबीस घंटे में 62 लाख लोगों को कोरोना की खुराक दी गई। इसके साथ ही कुल 165.7 करोड़ कोरोना की खुराक दी जा चुकी है। हालांकि पिछले चौबीस घंटे में कोरोना के मामलों में मामूली गिरावट आई है। देश में कुल 2,34,281 मामले सामने आए और 893 लोगों की मौत हुई। वहीं देश में पॉजिटिव रेट में कुछ इजाफा हुआ और संक्रमण दर 14.5 फीसद पहुंच गया। इसके साथ ही सक्रिय मामलों में कुछ गिरवाट देखने को मिली। कोरोना से भारत में महामारी से (शेष पेज 9)

देश में कोरोना के 2.34 लाख से अधिक मामले, 893 की मौत

नई दिल्ली(भाषा)। भारत में एक दिन में 2,34,281 लोगों के कोरोना वायरस से संक्रमित पाए जाने के बाद अब तक संक्रमित हुए लोगों की संख्या 4.10 करोड़ से अधिक हो गई। केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्रालय द्वारा रविवार को अद्यतन किए गए आंकड़ों में यह जानकारी दी गई है। सुबह आठ बजे अद्यतन किए गए आकंड़ों के मुताबिक 24 घंटे के दौरान 893 संक्रमितों की मौत के बाद मृतकों की कुल संख्या 4,94,091 हो गई। मंत्रालय ने कहा कि देश में उपचाराधीन रोगियों की संख्या में 1,19,396 की कमी आई है और अब इनकी तादाद 18,84,937 हो गई है, जो संक्रमितों की कुल संख्या का 4.59 प्रतिशत है। संक्रमण से उबरने की दर 93.89 प्रतिशत है। मंत्रालय के अनुसार देश में दैनिक संक्रमण दर 14.50 प्रतिशत जबकि साप्ताहिक संक्रमण दर 16.40 प्रतिशत रही। आंकड़ों के अनुसार संक्रमण से उबरने वाले लोगों की कुल संख्या 3,87,13,494 हो गई है जबकि कोविड-19 मृत्यु दर 1.20 प्रतिशत है। मंत्रालय के अनुसार भारत में अब तक संक्रमित मिले लोगों की कुल संख्या 4,10,92,522 हो गई है। इस बीच, भारत में अब तक कोविड-19 रोधी टीके की 165.70 करोड़ से अधिक खुराक दी जा चुकी हैं।

जिले के 35 प्रत्याशियों ने नहीं दिया चुनाव खर्च का ब्यौरा

आयोग को जवाब नहीं दिया तो पैदल ही करना होगा प्रचार

● गौतमबुद्धनगर की तीन सीटों से 39 उम्मीदवार हैं मैदान में

पायनियर समाचार सेवा। नोएडा

यूपी विधानसभा चुनाव के लिए विधायक का चुनाव लड़ रहे सभी उम्मीदवारों को अपना चुनाव खर्च का ब्यौरा देना होगा। गौतमबुद्ध नगर की तीनों विधानसभा सीटों पर 39 प्रत्याशी विधानसभा चुनाव लड़ रहे हैं। जिसमें से अभी तक केवल 4 प्रत्याशियों ने ही अपने चुनाव का खर्च ब्यौरा दिया है। चुनाव आयोग ने बाकी के 35 उम्मीदवारों के खिलाफ नोटिस जारी किया है और अगले 2 दिनों के भीतर चुनाव के खर्च का ब्यौरा मांगा हैए लेकिन अगर 2 दिनों के भीतर 35 उम्मीदवारों ने जानकारी नहीं दी तो उनको प्रचार-प्रसार करने के लिए गाड़ी नहीं मिलेगी। जिसके बाद इन 35 उम्मीदवारों को पैदल ही पूरे इलाके में घूमना होगा।

गौतमबुद्धनगर के जिला निर्वाचन अधिकारी सुहास एलवाई ने बताया कि नोएडा, दादरी और जेवर विधानसभा से कुल 39 प्रत्याशी मैदान में खड़े हैं। भारत निर्वाचन आयोग के आदेश के तहत इन सभी को अपने खर्च का ब्यौरा देना होगा। जो 28 जनवरी, 2 फरवरी और 6 फरवरी का दिन तय किया गया है। शुक्रवार 28 जनवरी को केवल 4 उम्मीदवारों ने अपने चुनाव खर्च का ब्यौरा दिया है, बाकी 35 उम्मीदवारों ने कोई भी जानकारी नहीं दी है। अब इन 35 उम्मीदवारों को निर्वाचन आयोग द्वारा नोटिस जारी किया गया है और 2 दिनों के भीतर पूरी जानकारी मांगी है। अगर इन 35 उम्मीदवारों ने 2 दिनों के भीतर जानकारी नहीं दी तो इनको गाड़ी में घूमने की अनुमति नहीं दी जाएगी। इसके बाद सभी उम्मीदवार पैदल ही अपना प्रचार-प्रसार करेंगे। गौतमबुद्ध नगर निर्वाचन आयोग ने बताया कि अभी तक केवल दादरी विधानसभा सीट से कांग्रेस उम्मीदवार दीपक भाटी चोटीवाला, बसपा उम्मीदवार मनवीर भाटी, भाजपा उम्मीदवार तेजपाल नागर और नोएडा विधानसभा सीट से कांग्रेस उम्मीदवार पंखुड़ी पाठक ने ही चुनाव खर्च का ब्यौरा दिया है, बाकी 35 उम्मीदवारों ने कोई भी जानकारी नहीं दी है, इसके बाद इन 35 उम्मीदवारों को नोटिस जारी करते हुए 2 दिनों के भीतर जवाब मांगा है। अगर जवाब नहीं दिया तो इन उम्मीदवारों को गाड़ी में बैठकर प्रचार-प्रसार करने की अनुमति नहीं दी जाएगी। इसके अलावा इनके खिलाफ आईपीसी धारा 171 के तहत कार्रवाई होगी।

चुनाव आयोग को ब्यौरा देने वाले प्रत्याशी

1. दादरी से कांग्रेस उम्मीदवार दीपक भाटी चोटीवाला
2. दादरी बसपा उम्मीदवार मनवीर भाटी
3. दादरी भाजपा उम्मीदवार तेजपाल नागर
4. नोएडा कांग्रेस उम्मीदवार पंखुड़ी पाठक

चुनाव प्रचार के दौरान उम्मीदवारों पर उड़ाए नोट

आचार संहिता की उड़ रहीं धज्जियां, सोशल मीडिया पर वीडियो वायरल

पायनियर समाचार सेवा। नोएडा

नोएडा और जेवर विधानसभा सीट पर खुलेआम कोविड.19 प्रोटोकॉल, आचार संहिता के नियमों की धज्जियां उड़ाई जा रही हैं। नोएडा में सपा प्रत्याशी सुनील चौधरी के प्रचार-प्रसार में लोगों ने उनके ऊपर छत से नोट बरसाए तो जेवर सपा-रालोद गठबंधन प्रत्याशी अवतार सिंह भड़ाना के ऊपर भी नोट उड़ाए गए हैं। इसका वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है। इस मामले में अवतार सिंह भड़ाना के खिलाफ नोटिस जारी हुआ है, लेकिन अभी तक नोएडा विधानसभा प्रत्याशी सुनील चौधरी के खिलाफ नोटिस जारी नहीं हुआ है।

गौतमबुद्ध नगर की तीनों विधानसभा सीट नोएडा, दादरी और जेवर में आगामी 10 फ रवरी को मतदान है। विधानसभा चुनाव को लेकर वैसे तो चुनाव आयोग ने गाइडलाइन जारी की है। असल में जमीनी स्तर पर देखा जाए तो कोई भी व्यक्ति चुनाव आयोग की गाइडलाइन का पालन नहीं कर रहा है। खुलेआम कोविड-19 प्रोटोकॉल और आचार संहिता के नियमों की धज्जियां उड़ाई जा रही हैं। बीते दिनों नोएडा विधानसभा से सपा उम्मीदवार सुनील चौधरी जनता के बीच वोट मांगने गए तो छत से लोगों ने सुनील चौधरी के ऊपर नोट बरसाए। जिसके बाद सुनील चौधरी ने हाथ जोड़कर अपने ऊपर नोट बरसाने वाले लोगों का धन्यवाद दिया।

दूसरी ओर अवतार सिंह भड़ाना ने चुनाव प्रचार-प्रसार करते समय कोविड.19 प्रोटोकॉल और आचार संहिता के नियमों की धज्जियां उड़ाई हैं। हजारों लोगों के साथ अवतार सिंह भड़ाना जनता से वोट मांगने पहुंच रहे हैं। इस दौरान लोगों ने अवतार सिंह भड़ाना के ऊपर भी नोट उड़ाए।

सोमवार को 'विश्वासघात दिवस' मनाएंगे किसान : राकेश टिकैत

नोएडा। केंद्र पर किसानों से किए गए वादों को पूरा नहीं करने का आरोप लगाते हुए भाकियू के नेता राकेश टिकैत ने कहा कि सोमवार को कृषि मुद्दों पर देश भर में ''विश्वासघात दिवस'' मनाया जाएगा।

टिकैत ने रविवार को दावा किया कि नौ दिसंबर को सरकार द्वारा किए गए वादों के एक पत्र के आधार पर दिल्ली की सीमाओं पर एक साल से अधिक समय से चल रहे विरोध प्रदर्शन को वापस ले लिया गया था, लेकिन वादे अधूरे रह गए। टिकैत ने एक ट्वीट में कहा, सरकार द्वारा किसानों से वादाखिलाफी के खिलाफ 31 जनवरी को देशव्यापी विश्वासघात दिवस मनाया जाएगा।

डिलीवरी ब्वॉय बनकर 50 हजार के वाउचर भुनाए, केस दर्ज

पायनियर समाचार सेवा। गाजियाबाद

डिलीवरी ब्वॉय बनकर ऑर्डर पिकअप करने के बहाने ओटीपी लेकर साइबर ठग ने इंदिरापुरम के नीति खंड निवासी अवशेष शर्मा के फ्लिपकार्ट पे लेटर अकाउंट से 50 हजार रुपये की खरीदारी कर ली। फ्लिपकार्ट ने युवक के पास 6 हजार प्रतिमाह की किस्त बनाकर बिल भेज दिया। पीड़ित ने इसकी शिकायत साइबर सेल में की है।

अवशेष शर्मा ने बताया कि वह एक निजी कंपनी में नौकरी करते हैं। उनका फ्लिपकार्ट वेबसाइट पर पे लेटर अकाउंट बना हुआ है। जिसकी 50 हजार रुपये की लिमिट है। उनके पास फ्लिपकार्ट के डिलीवरी ब्वॉय ने कॉल करके कहा कि आपने जो ऑर्डर कैंसिल किया है उसका पिकअप लेना है। अवशेष ने कॉलर से कोई ऑर्डर नहीं करने और ना ही कैंसिल करने की बात कहकर फोन काट दिया।

साइबर ठग ने अवशेष को फिर से फोन करके गलती से ऑर्डर पिकअप की रिक्वेस्ट होने की बात कहकर उसे कैंसिल करने के लिए ओटीपी मांग लिया। साइबर ठग ने ओटीपी लेकर पीड़ित के फ्लिपकार्ट पे लेटर खाते से 10-10 हजार के 5 वाउचर से खरीदारी कर ली।

गाड़ियों में नकदी मिलने का सिलसिला जारी

नोएडा में दो स्कॉर्पियो से बरामद हुई 3.82 लाख रुपए की नगदी

पायनियर समाचार सेवा। नोएडा

नोएडा और ग्रेटर नोएडा में गाड़ियों के भीतर कैश मिलने का सिलसिला जारी है। बीती रात वाहनों की चेकिंग के दौरान दो स्कॉर्पियो गाड़ी में 3.82 लाख रुपए की नकदी बरामद हुई है। यह दोनों स्कॉर्पियो गाड़ी की जांच अलग-अलग की गई। अभी तक नोएडा और ग्रेटर नोएडा में अलग-अलग गाड़ियों में से 1.29 करोड़ रुपए से अधिक की राशि बरामद हुई है। पिछले 10 दिनों के भीतर 6 गाड़ियों में 1.29 करोड़ से अधिक की राशि मिल चुकी हैं।

ग्रेटर नोएडा के डीसीपी अमित कुमार ने बताया कि बीती रात को पुलिस वाहनों की जांच कर रही थी। ग्रेटर नोएडा के बीटा-2 थाना क्षेत्र अंतर्गत परी चौक के पास पुलिस और स्थानीय निगरानी समिति ने रात करीब 1:30 बजे एक स्कॉर्पियो गाड़ी को चेकिंग के लिए रोका। चेकिंग के दौरान पुलिस ने गाड़ी में से 2.94 लाख से बरामद किए हैं। इस गाड़ी को प्रमोद चौहान चला रहा था।

● पिछले 10 दिनों में 1.29 करोड़ की मिली राशि

डीसीपी ने बताया कि जब वाहन चालक से इन रकम के बारे में पूछा गया तो वह कुछ जवाब नहीं दे पाया। जिसके बाद पुलिस ने 2.94 लाख रुपए को सीज कर दिया है।

इसके अलावा बीती रात के समय ग्रेटर नोएडा में एक अन्य स्कॉर्पियो गाड़ी में 88 हजार रुपए बरामद हुए। स्कॉर्पियो को सौरव पवार निवासी मध्य प्रदेश चला रहा था। जब पुलिस ने चालक से इस बारे में पूछताछ की तो वह कोई लेखा-जोखा पेश नहीं कर पाया।

संक्षिप्त समाचार

पूर्व डीएम को डॉक्टरेट की मानद उपाधि

नोएडा। सेवानिवृत्त आईएएस अधिकारी और भारतीय संस्कृति समन्वित पद्धति पर आधारित भारतीय शिक्षा बोर्ड के कार्यकारी अध्यक्ष एनपी सिंह को अमेरिकन यूनिवर्सिटी फॉर ग्लोबल पीस ने डॉक्टरेट की मानद उपाधि से सम्मानित किया है। इसके लिए यूनिवर्सिटी ने रविवार को नोएडा के पंचशील कॉलेज में एक समारोह आयोजित किया। यूनिवर्सिटी के प्रतिनिधि ने बताया कि एनपी सिंह को उनके सामाजिक क्षेत्र में निरन्तर सृजनात्मक कार्यों के लिए यह सम्मान दिया गया है। गौतमबुद्धनगर में बतौर जिलाधिकारी रहते एनपी सिंह ने खनन माफिया पर कड़ी कार्रवाई की थी। जिस पर 5 मार्च 2017 को न्यूयॉर्क टाइम्स अखबार के इंटरनेशनल एडिशन में विस्तृत रिपोर्ट प्रकाशित हुई। इस रिपोर्ट को आधार बनाकर यूनिवर्सिटी ने एनपी सिंह के सामाजिक और प्रशासनिक जीवन का अध्ययन किया।

नोएडा के 2 खिलाड़ी दुबई में दिखाएंगे दमखम

नोएडा। शहर के 2 खिलाड़ी दुबई में पुजारा फुजारा ओपन कप अंतरराष्ट्रीय प्रतियोगिता में अपना दमखम दिखाएंगे। यह खिलाड़ी 58 से 68 किलोग्राम का प्रतिनिधित्व करेंगे। रविवार को कुणाल नागर और योगेश कुमार द खादर वैली स्पोर्ट्स अकेडमी और नव ऊर्जा युवा संस्था के संयुक्त कार्यक्रम में खिलाड़ियों की हौसला अफजाई की गई। इस खेल समारोह में देश के हर कोने से खिलाड़ी हिस्सा लेने दुबई पहुंच रहे हैं। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि एम एस विजिलेंट के संस्थापक नरिंदर सिंह नेगी और विशिष्ट अतिथि समाजसेविका निशा राय उपस्थित रहीं। रीना गुप्ता ने कार्यक्रम का संचालन किया और दीपक मिश्रा ने अतिथियों का स्वागत किया। मुख्य अतिथि नरिंदर सिंह नेगी ने कहा कि सही प्रशिक्षण के बिना खेल में ऊंचाई पर पहुंच पाना आसान नहीं है। खेल प्रतिभाओं को उभारने में ऐसे आयोजनों की महत्वपूर्ण भूमिका होती है। इस दौरान विकास चाइल्ड केयर फाउंडेशन की तरफसे खिलाड़ियों को टी शर्ट और बैग्स का वितरित किया।

फर्जी आधार कार्ड बनाने वाले गिरोह का भंडाफोड़

गाजियाबाद। आंबेडकर रोड यमनोत्री बिल्डिंग से फ र्जी आधार कार्ड बनाने वाला गिरोह का पुलिस ने भंडाफोड़ किया है। गिरोह के सदस्य जिन लोगों का पता नहीं होता था उनके आवेदन फार्म में फर्जी पता डालते थे। प्रमाण के लिए वे पार्षद और प्रधानाचार्य की फर्जी मुहर का इस्तेमाल करते थे। यूआईडीएआई के सॉफ्टवेयर को गाजियाबाद में असम से एनी डेस्क रिमोट एप के जरिये चलाया जा रहा था। इसकी जानकारी गिरोह के सदस्यों से पूछताछ और उनके पास से बरामद डाटा से मिली है। गिरोह के सदस्य असम की यूआईडीएआई की सुपरवाइजर और ऑपरेटर की आईडी को रिमोट एप व सॉफ्टवेयर के जरिये गाजियाबाद में इस्तेमाल करते थे और इसे लॉगिन करने के लिए उसके रबर के बने अंगूठा निशान और रेटिना के हाई डेफिनेशन फोटो का इस्तेमाल करते थे।

प्रत्याशी के प्रचार को साहिबाबाद आए ओवैसी

लोगों से कहा- हमारे पंडित जी को मिले सभी बिरादरी का वोट

पायनियर समाचार सेवा। गाजियाबाद

रविवार को साहिबाबाद पहुंचे एआइएमआइएम पार्टी प्रमुख असदुद्दीन ओवैसी ने कहा कि हमारे पंडित जी प्रत्याशी हैं। हमारा प्रयास है कि इनकों सभी का समर्थन मिले। हर तबके और सभी बिरादीन के लोग पंडित जी को विधायक बनाएं। हमारा मुकाबला सबसे है। ओवैसी ने डोर-टू-डोर जाकर लोगों से पार्टी प्रत्याशी के लिए लोगों से वोट मांगे।

बता दें कि पश्चिमी उत्तर प्रदेश में असदुद्दीन ओवैसी की पार्टी ने साहिबाबाद सीट से जिस हिंदू प्रत्याशी को उतारा है। उनके यहां पहुंचने से पहले ही कोरोना प्रोटोकाल की जमकर धज्जियां उड़ाई गई। लोगों की काफी भीड़ उमड़ आई, जिसके चलते ओवैसी ने कुछ ही देर में प्रेस वार्ता खत्म कर दी। उन्होंने कहा की जनता पंडित जी को वोट देकर जरूर जिताएगी। उन्होंने कहा कि जो भी पार्टी इलेक्शन लड़ती है, उनसे मुकाबला होता है। हमने यहां पर पंडित मनमोहन जी को प्रत्याशी के रूप में उतारा है। उनको पूरा समर्थन मिल रहा है। हमारा मुकाबला सबसे है। उन्होंने यूपी बीजेपी पर निशाना साधा और कहा कि मंत्री टेनी पर अब तक कोई कार्रवाई नहीं हुई है। वह तो क्रिमिनल हैं। ओवैसी ने भी कहा कि मौजूदा 30 प्रतिशत विधायक पर केस दर्ज हैं। उन्होंने कहा कि उत्तर प्रदेश के में कानून व्यवस्था ठीक नहीं है। 45 फीसदी समाजवादी के मुस्लिम उम्मीदवारों का टिकट काट दिया गया है। अल्पसंख्यक किसी का कैदी नहीं है। वह सोच समझकर वोट देगा। प्रचार करने के बाद ओवैसी लोनी के लिए रवाना हो गए।

साधुओं का सम्मान हिंदू धर्म का फर्ज : देसाई

नोएडा। भारतीय संस्कृति की रक्षा करने वाले साधु संतो के खिलाफ हो रही साजिशों को रोकने के संबंध में एक प्रेसवार्ता का आयोजन किया गया। इस प्रेसवार्ता में भारतीय सनातन संस्कृति व हिंदुत्व के मुद्दे पर प्रखर बोलने वाले हिन्दू राष्ट्र सेना के संस्थापक एवं राष्ट्रीय अध्यक्ष धनंजय देसाई ने कहा कि संनातन धर्म में साधुओं का सम्मान किए बगैर हिंदुत्व नहीं हो सकता।

प्रेसवार्ता में देसाई ने कहा कि हिंदू संतों पर लगातार हमले हो रहे हैं। आशाराम बापू के ऊपर लांछन लगाया जा रहा है। उन्होंने कहा की मीडिया के जरिये वो अपनी बात जान मानस तक पहुंचा रहे हैं। उन्होंने आगे कहा संत परंपरा की धरोहर की रक्षा करना यह हमारे कुलाचार में आता है। सनातन धर्म मेरे कुल की मर्यादा में है। उस सनातन धर्म के साधुओं का सम्मान हिंदू धर्म का फर्ज है।

ग्रेटर नोएडा से गायब व्यापारी का मेरठ में मिला शव, 2 धरे

पायनियर समाचार सेवा। नोएडा

● सीसीटीवी फुटेज से हुआ घटना का खुलासा

ग्रेटर नोएडा एक सनसनीखेज मामला सामने आया है। बीते 19 दिसंबर को गायब हुए हार्डवेयर व्यापारी की हत्या हो गई। हार्डवेयर व्यापारी की हत्या करने वाला कोई और नहीं बल्कि उसका साथी होमगार्ड है। पुलिस ने इस मामले में होमगार्ड और एक अन्य को गिरफ्तार कर लिया है। इस पूरे मामले का खुलासा सीसीटीवी फुटेज के आधार पर हुआ है। बताया जा रहा है कि इनका कुछ लेनदेन का विवाद था, जिसके चक्कर में हार्डवेयर व्यापारी की हत्या की गई।

बादलपुर थाना प्रभारी दिनेश कुमार ने बताया कि बीते 19 दिसंबर 2021 को शाहिना ने रिपोर्ट दर्ज करवाई थी कि उनके पति असलम अचानक लापता हो गए हैं। इस मामले में पुलिस ने गुमशुदगी की रिपोर्ट दर्ज कर जांच शुरू की। जांच के दौरान यह बात प्रकाश में आई की असलम को उसी के परिचित विनेश और राजेश काम दिलाने के बहाने अपने साथ मेरठ ले गए थे। दिनेश कुमार ने बताया कि पुलिस द्वारा विनेश से पूछताछ करने पर उसके द्वारा असलम को लिफ्ट देकर लाल कुआं के पास छोड़ने की बात बताई गई। पुलिस द्वारा इस मामले में गहनता से जांच की गई। जिसमें आरोपी विनेश की भूमिका संदिग्ध मिलने पर पुलिस ने जांच तेज की और सीसीटीवी फुटेज खंगालना शुरू कर दिया।

डेयरी के सामने से चंद मिनटों में कार चोरी

गाजियाबाद। शहीदनगर रामस्वरूप कॉलोनी निवासी आबिद ने बताया कि उनकी पसोंडा में डेयरी है। वह शनिवार सुबह को अपनी डेयरी पर गए थे और उन्होंने अपनी कार को डेयरी के सामने ही खड़ा किया था। चोरों ने सुबह छह बजे के आसपास उनकी कार को चोरी कर लिया। पीड़ित ने कार चोरी की घटना की जानकारी पुलिस को दी। सूचना पर पहुंची पुलिस ने कार व चोरों को आसपास तलाश किया, लेकिन कार का कुछ भी अता पता नहीं चल सका। पीड़ित ने थाने में शिकायत दर्ज कराकर कार्रवाई की मांग की।

जनपदवासियों को मिलेगी जाम से मुक्ति

नोएडा और ग्रेनो के बीच जल्द शुरू होगा दूसरा सबसे बड़ा एलिवेटेड रोड

पायनियर समाचार सेवा। नोएडा

शहर के भारी यातायात से निजात पाने के लिए नोएडा प्राधिकरण दूसरा सबसे बड़ा एलिवेटेड रोड का निर्माण कर रहा है। बता दें भंगेल एलिवेटेड रोड का कार्य अंतिम चरण में है। इस मार्ग पर अब खंभों के ऊपर छत की ढलाई प्रारंभ हो गई है। इसके तैयार हो जाने के बाद लाखों वाहन चालकों को फायदा होगा। उन्हें बरौला और भंगेल के जाम से निजात मिलेगी। 4.5 किलोमीटर का यह मार्ग नोएडा प्राधिकरण 468 करोड़ रुपए की लागत से तैयार कर रहा है।

नोएडा प्राधिकरण के प्रधान महाप्रबंधक राजीव त्यागी ने कहा कि एलिवेटेड रोड का निर्माण कार्य तेजी से जारी है। यह कार्य प्राधिकरण ने जून 2020 में शुरू करवाया था। एलिवेटेड रोड 143 पिलर पर टीका होगा। पिलर की बुनियाद का काम लगभग 97.31 प्रतिशत पूरा हो गया है। निर्माण कार्य में अब गार्डर पर छत की तरह इस स्लैब डालकर सड़क की सतह तैयार की जा रही है। करीब 270 मीटर में स्लैब डाल दी गई है। यह प्रोजेक्ट पूरा हो जाने के बाद अगापुर से लेकर भंगेल, सलारपुर और बरौला के सामने तक जो जाम लगता है, उससे लोगों को राहत मिलेगी।

4.5 किलोमीटर लंबे इस एलिवेटेड रोड को 2 साल में बनाने की समयसीमा रखी गई थी। इसमें कुल 468 करोड रुपए का खर्च आएगा। निर्माण कार्य सेतु निगम को सौंपा गया है। इस परियोजना पर 7 जून 2020 को नोएडा अथॉरिटी ने काम शुरू करवाया था। हालांकि इसी दौरान कोरोना महामारी की वजह से काम प्रभावित हुआ।

नोएडा के भंगेल के पास निर्माणधीन एलीवेटेड रोड।

गौतमबुद्धनगर वासियों को बड़ी राहत

एक क्लिक में बिजली संबंधित 8 समस्याओं का होगा समाधान

पायनियर समाचार सेवा। नोएडा

फाइल फोटो

अब गौतमबुद्ध नगर में रहने वाले लाखों लोगों को घर बैठे ही बिजली की समस्याओं का समाधान मिल जाएगा। इसको लेकर बिजली विभाग ने खास तैयारी की है। मुख्य 8 समस्याएं अब घर बैठे ही हल हो जाएंगी। इसको लेकर उत्तर प्रदेश पावर कॉर्पोरेशन लिमिटेड वेबसाइट के माध्यम से लोगों की समस्याओं का समाधान करवाएगी। यह जानकारी मुख्य अभियंता विद्युत निगम वीएन सिंह ने दी है।

गौतमबुद्ध नगर में इस समय करीब सवा तीन लाख से अधिक बिजली उपभोक्ता हैं। इनमें से सैकड़ों बिजली उपभोक्ता अपनी विभिन्न समस्याओं को लेकर बिजली दफ्तर के चक्कर काटते रहते हैं, लेकिन उनकी समस्याओं का फिर भी सही समय पर समाधान नहीं हो पाता है। यह परेशानी पिछले कुछ समय से काफी ज्यादा बढ़ गई है। इसको देखते हुए उत्तर प्रदेश पावर कॉर्पोरेशन लिमिटेड ने एक नई शुरुआत की है। जिसके माध्यम से गौतमबुद्धनगर में रहने वाले लाखों निवासी अब घर बैठे ही अपनी आठ समस्याओं का समाधान करवा सकते हैं।

मुख्य अभियंता वीएन सिंह ने बताया कि किसी भी उपभोक्ताओं को अपनी समस्याओं का समाधान करवाने के लिए यूपीपीसीएल की वेबसाइट पर जाना होगा। उसके बाद कोई भी उपभोक्ता अपनी किसी भी समस्या को लेकर नया पेज खोल सकता है। उन्होंने बताया कि इसमें अर्बन और रूलर सर्विस रिक्वेस्ट पर जाना होगा। यहां पर अर्बन क्षेत्र के उपभोक्ता को अर्बन और रूलर क्षेत्र के उपभोक्ता को रूलर के विकल्प पर क्लीक करना होगा। इसके बाद नाम ऑफ सर्विस नाम से नया पेज खुलकर आ जाएगा। इसके बाद उपभोक्ता को अपनी समस्या के अनुसार संबंधित विकल्प का चयन कर सकेंगे और शिकायत दर्ज करनी होगी। इसके बाद आपकी समस्या जेई और एसडीओ के पास पहुंच जाएगी। अधिकारियों को समस्या को सप्ताह भर में समाधान करना होगा।

● अधिकारी सप्ताह भर में करेंगे शिकायतों का निपटारा

थाने के सामने सर्राफ से लूटे 30 लाख के गहने, बदमाश फरार

पायनियर समाचार सेवा। गाजियाबाद

● तमंचा सटाकर घटना को दिया अंजाम

वसुंधरा सेक्टर-8 में इंदिरापुरम थाने के सामने दिल्ली के एक ज्वेलर्स से बाइक सवार बदमाशों ने दिनदहाड़े 30 लाख रुपये के सोने के गहने लूट लिए। बदमाशों ने ज्वेलर्स के पेट से तमंचा सटाकर गोली मारने की धमकी दी। स्कूटी में रखा बैग निकलवाकर फरार हो गए। बैग में सात हजार रुपये कैश भी थे।

आरोप है कि पुलिस घटना की जांच-पड़ताल करने के बजाए काफी देर तक पीड़ित से ही सवाल-जवाब करती रही। फिलहाल पुलिस रिपोर्ट दर्ज कर वारदात के खुलासे के प्रयास में जुट गई है। सराफ सुधीर वर्मा शाहदरा में रहते हैं। उनकी बलवीर नगर चौक पर शिव ज्वेलर्स के नाम से दुकान है। वह सोने-चांदी के गहने बनाकर एनसीआर की दुकानों पर सप्लाई करते हैं।

पीड़ित ने बताया कि वह वसुंधरा सेक्टर-15 में एक सुनार के पास स्कूटी पर गहने देने आए थे। उसके न मिलने पर वह लौटते समय इंदिरापुरम कोतवाली के सामने से गुजर रहे थे जब यह वारदात हुई।

सीएमवाईके प्रिंटेक लिमिटेड के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक नरेन्द्र कुमार द्वारा नं. 6, गुलाब भवन के पीछे, बहादुर शाह ज़फर मार्ग, नई दिल्ली-110002, दूरभाष: 011-40110455 से प्रकाशित तथा बीएफएल इन्फोटेक लिमिटेड सी-9 सेक्टर-3, नोएडा-201301 (उ.प्र.) से मुद्रित। कार्यकारी संपादक: नवीन उपाध्याय, स्थानीय सम्पादक: प्रदीप तिवारी। पाठकों को सुझाव दिया जाता है कि इस अखबार के किसी भी विज्ञापन पर प्रतिक्रिया करने से पहले पूरी तरह उसके बारे में दिए गए दावों, शर्तों और तथ्यों की जांच कर लें। पायनियर ग्रुप के मुद्रक, प्रकाशक, सम्पादक या उसका कोई भी कर्मचारी विज्ञापनदाता द्वारा उनके किसी उत्पाद तथा सेवा हेतु किए गए किसी दावे की सच्चाई का आश्वासन या उत्तरदायित्व नहीं लेता है। ऐसे विज्ञापनों के बाद किसी आर्थिक क्षति के लिए वे जिम्मेदार भी नहीं हैं। पत्रवार्ता ऑफिस- एफ-31, सेक्टर 6, नोएडा, गौतमबुद्धनगर-201301, उत्तर प्रदेश, दूरभाष- 120-4879800-4879900।

पायनियर
नई दिल्ली, सोमवार, 31 जनवरी, 2022

प्रदर्शनकारी डॉक्टरों पर सख्ती, काटा वेतन

प्रदर्शन में शामिल जीटीबी समेत चार अस्पतालों के डॉक्टरों पर हुई कार्रवाई से उठा विवाद

नीट-पीजी काउंसिलिंग

- डॉक्टरों ने केजरीवाल को पत्र लिखकर जताई नाराजगी

फाइल फोटो

पायनियर समाचार सेवा। नई दिल्ली

राजधानी दिल्ली के चार बड़े सरकारी अस्पतालों में पिछले दिनों नीट-पीजी काउंसलिंग में देरी के खिलाफ विरोध प्रदर्शन करने वाले डॉक्टरों के वेतन में कटौती किए जाने का मामला सामने आया है। डॉक्टरों ने इस कदम को वादा खिलाफी बताते हुए मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल को पत्र लिखकर नाराजगी जताई है।

जानकारी के अनुसार, विभिन्न अस्पतालों में रेजिडेंट डॉक्टरों द्वारा नीट-पीजी काउंसलिंग में देरी के खिलाफ विरोध प्रदर्शन बंद करने के लगभग एक महीने बाद दिल्ली सरकार के गुरु तेग बहादुर (जीटीबी) अस्पताल, इंस्टीट्यूट ऑफ ह्यूमन बिहेवियर एंड अलाइड साइंसेज (आईएचबीएएस), कलावती और लेडी हर्डिंग के डॉक्टरों ने कहा कि विरोध प्रदर्शन में हिस्सा लेने वाले कई डॉक्टरों के वेतन में कटौती की गई है। डॉक्टरों ने कहा कि उस वक्त सरकार उनके खिलाफ कोई अनुशासनात्मक कार्रवाई या वेतन कटौती नहीं करने का भरोसा दिया था। यूनिवर्सिटी कॉलेज ऑफ मेडिकल साइंसेज (यूसीएमएस) और उससे जुड़े जीटीबी अस्पताल के रेजिडेंट डॉक्टर्स एसोसिएशन (आरडीए) ने कहा कि पिछले साल नवंबर और दिसंबर में किए गए विरोध प्रदर्शन में शामिल हुए डॉक्टरों का वेतन इसी महीने काट लिया गया।

कुछ डॉक्टरों को विरोध की अवधि के लिए अनुपस्थित भी दिखाया गया है। हम पूरे देश भर में स्वास्थ्य सेवा कार्यबल को बढ़ाने के लिए खड़े थे। बिना किसी आर्थिक और शैक्षणिक नुकसान के विभिन्न अधिकारियों के कई आश्वासनों के बावजूद, जीटीबी अस्पताल ने वेतन में कटौती की है। दंडात्मक कार्रवाई नहीं करने के संबंध में विभिन्न अधिकारियों के कई आश्वासनों के बावजूद आईएचबीएएस के रेजिडेंट डॉक्टर्स के वेतन में कटौती की गई है। जीटीबी अस्पताल के आरडीए प्रतिनिधियों ने कहा कि उन्होंने मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल और स्वास्थ्य मंत्री सत्येंद्र जैन को मामले में हस्तक्षेप करने के लिए पत्र लिखा है ताकि काटे गए वेतन को वापस किया जा सके और उपस्थिति बहाल की जा सके।

यूसीएमएस और जीटीबी अस्पताल आरडीए के अध्यक्ष डॉ. आदित्य एस ने बताया कि उन्होंने इस मामले को सीएम और अस्पताल प्रशासन के समक्ष उठाया है। मामला अभी सुलझना बाकी है। डॉ. आदित्य ने कहा कि इस वेतन कटौती से लगभग 35 सीनियर रेजिडेंट डॉक्टर्स और 50 से अधिक जूनियर रेजिडेंट डॉक्टर्स प्रभावित हुए हैं। डॉक्टरों के विरोध प्रदर्शन का नेतृत्व करने वाले फेडरेशन ऑफ रेजिडेंट डॉक्टर्स एसोसिएशन (इंडिया) के साथ एक बैठक में केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्री मनसुख मंडाविया ने 28 जनवरी को डॉक्टरों को आश्वासन दिया था कि विरोध प्रदर्शन में भाग लेने वाले डॉक्टरों के खिलाफ कोई दंडात्मक कार्रवाई नहीं की जाएगी।

इसके साथ ही काउंसलिंग में तेजी लाई जाएगी, जिसके आधार पर एसोसिएशन ने 31 दिसंबर को अपना विरोध प्रदर्शन बंद करने का फैसला किया था।

फोर्डा ने वेतन कटौती के संबंध में कहा कि वह नीट-पीजी काउंसलिंग में तेजी लाने के लिए विरोध प्रदर्शन में भाग लेने के लिए जीटीबी अस्पताल और आईएचबीएएस द्वारा रेजिडेंट डॉक्टरों की वेतन कटौती की कड़ी निंदा करते हैं। स्वास्थ्य मंत्री सत्येंद्र जैन से इस मामले में तत्काल हस्तक्षेप करने का अनुरोध करते हैं।

ऑनलाइन कक्षाओं में अश्लील संदेश पोस्ट करने पर होगी कड़ी कार्रवाई

नई दिल्ली। दिल्ली विश्वविद्यालय (डीयू) ने ऑनलाइन कक्षाओं के दौरान अश्लील संदेश या टिप्पणी करने वाले विद्यार्थियों के खिलाफ कड़ी अनुशासनात्मक कार्रवाई करने की चेतावनी दी है।

विश्वविद्यालय के प्रॉक्टर दफ्तर से जारी परामर्श में कहा गया है कि ऐसी घटनाओं को लेकर विद्यार्थी का दाखिला तक रद्द किया जा सकता है।

परामर्श के अनुसार कि मुश्किल वक्त है और महामारी को ध्यान में रखते हुए ऑनलाइन कक्षाएं संचालित की जा रही हैं।

सभी विद्यार्थियों को गरिमा बनाए रखने का निर्देश दिया जाता है। परामर्श में कहा गया है कि छात्र अश्लील संदेश भेजने या टिप्पणी करने जैसी दिल्ली विश्वविद्यालय के नियमों के विरुद्ध ऐसी किसी गतिविधि में शामिल न हों।

परामर्श के मुताबिक, अगर कोई छात्र इस तरह की गैर कानूनी गतिविधि में संलिप्त पाया जाता है तो उसके खिलाफ उचित अनुशासनात्मक कार्रवाई की जाएगी।

स्वच्छता मामले में छवि सुधारने की कोशिशों में जुटा ईडीएमसी

- स्वच्छता सर्वेक्षण में तीन स्टार रेटिंग के लिए निगम ने कसी कमर

पायनियर समाचार सेवा। नई दिल्ली

स्वच्छ सर्वेक्षण 2022 के मद्देनजर पूर्वी दिल्ली नगर निगम ने कवायद तेज कर दी है। आगामी स्वच्छ सर्वेक्षण 2022 के लिए पूर्वी दिल्ली नगर निगम ने पहले ही ओडीएफ++ प्रमाणीकरण के लिए आवेदन कर दिया है और अब जीएफसी 3 स्टार रेटिंग के लिए भी आवेदन करेगा।

प्रमुख अभियंता ने कहा कि इसके लिए पूर्वी दिल्ली नगर निगम ने ठोस अपशिष्ट प्रबंधन में विभिन्न कदम उठा रहा है जैसे कचरे का स्रोत पृथक्करण सुनिश्चित करना, कचरे का डोर टू डोर संग्रह, विकेन्द्रीकृत खाद, फिक्स्ड कॉम्पेक्टर ट्रांसफर स्टेशन ,निर्माण और विध्वंस कचरे का संग्रह और निपटान, एसएलएफ गाजीपुर में लीगेसी कचरे का जैव-उपचार करना शामिल है।

पूर्वी निगम क्षेत्र में लगभग लगभग 350 सार्वजनिक शौचालय परिसर तथा सामुदायिक शौचालय परिसर हैं जिनके रखरखाव के लिए, फील्ड इंजीनियरिंग अनुरक्षण प्रभागों को आवश्यक धनराशि आवंटित की गई है और उनकी सफाई और अन्य मानक सुविधाएं सुनिश्चित की जा रही हैं। प्रमुख अभियंता ने बताया कि स्वच्छ सर्वेक्षण 2022 के तहत पूर्वी दिल्ली नगर निगम ने सभी ठोस अपशिष्ट सुविधाएं के लिए 350 शौचालय ब्लॉक, जैव-मिथेनाइजेशन संयंत्र, सी एंड डी अपशिष्ट प्रसंस्करण स्थल, एमआरएफ, एफसीटीएस आदि के बेहतर के लिए जियो-टैग की सुविधा शुरू की गई है।

पूर्वी दिल्ली नगर निगम को पहले ही ओडीएफ प्लस प्रमाणित किया जा चुका है। वित्तीय संकटों का सामना करने के बावजूद पूर्वी दिल्ली नगर निगम क्षेत्र को साफ करने, बेहतर ठोस कूड़ा प्रबंधन के साथ नागरिकों के लिए बेहतर सेवा देने के लिए विभिन्न कार्य कर रहा है।

भाजपा नेता के एनजीओ को बेची जमीन: आप

पायनियर समाचार सेवा। नई दिल्ली

आम आदमी पार्टी ने एमसीडी पर अपनी जमीने बेचने का आरोप लगाया है। ये जमीनें एनजीओ को बेची जा रही है जिनके मालिक खुद भाजपा नेता है या फिर करीबी रिश्तेदार।

दुर्गेश पाठक ने कहा कि भाजपा ने अशोक विहार के केशवपुरम जोन में एमसीडी की ज़मीन एक एनजीओ को बेच दी, जिसका मालिक भाजपा पार्षद मंजू खंडेलवाल का पति है। दस्तावेजों में खुद भाजपा पार्षद ने इस बात की पुष्टि की है। ऐसा संभव नहीं कि एमसीडी के असिस्टेंट कमिश्नर ने इतना बड़ा फैसला लिया और बीजेपी की पार्षद के पति को ही यह ज़मीन दे दी, इसकी जानकारी बीजेपी के अध्यक्ष को न हो। दुर्गेश पाठक ने इसे एक आपराधिक गतिविधि बताते हुए भाजपा के खिलाफ कार्रवाई की मांग की है। आम आदमी पार्टी के वरिष्ठ नेता और एमसीडी प्रभारी दुर्गेश पाठक ने रविवार को एक डिजिटल प्रेस वार्ता को संबोधित किया। पाठक ने कहा कि पिछले 6-7 महीनों में भाजपा शासित एमसीडी चांदनी चौक की गांधी मैदान पार्किंग, पीतमपुरा की शिवा मार्केट पार्किंग, सदर बाज़ार की कुतुब रोड पार्किंग, नॉवल्टी सिनेमा, आज़ादपुर स्थित नानीवाला बाग, मोती नगर शॉपिंग कॉमप्लेक्स, डिलाइट सिनेमा के पास 22 दुकानें, संजय गांधी ट्रांसपोर्ट नगर के 132 प्लॉट्स, करोल बाग में 5 पार्किंग और शॉपिंग कॉमप्लेक्स, शालीमार बाग का स्कूल, एक कोचिंग सेंटर, एक हेल्थ सेंटर, आरबीटीबी अस्पताल आदि को बेचने का प्रस्ताव लेकर आई। सोचिए दिल्ली सरकार कहती है कि दिल्ली में स्कूलों की कमी है तो हमें जमीन दीजिए जिससे हम और स्कूल खोल पाएं लेकिन भाजपा उल्टा स्कूलों को बेचने का काम कर रही है।

'दिल्ली का बेटा' मुसीबत के समय दिखाई नहीं दे रहा : कांग्रेस

नई दिल्ली। मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल के चुनावी राज्यों में भ्रमण को लेकर प्रदेश कांग्रेस ने निशाना साधा है।

पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष चौधरी अनिल कुमार ने हैरान जताते हुए कहा कि केजरीवाल अपने आप को दिल्ली का बेटा कहते है और उनके के होते हुए जनवरी के पहले 28 दिनों में ठंड के कारण 172 बेघर लोगों की मौत कैसे हो गई। उन्होंने कहा कि सच्चाई यह है कि दिल्ली सरकार ने अभी तक सडकों पर रहने वाले गरीब लोगों को कड़ाके की ठंड से बचाने के लिए कोई इंतजाम नहीं किया क्योंकि मुख्यमंत्री को दिल्ली वालों की चिन्ता है ही नहीं बल्कि वे खुद और उनके अन्य मंत्री चुनाव वालें राज्यों में अपनी राजनीति चमका रहे है। उनके गैर जिम्मेदाराना रवैया के कारण गरीब लोग चौहतरफा मुसीबत की मार झेल रहे है फिर चाहे वह ठंड हो या कोविड-19 महामारी, प्रदूषण इन सब खराब परिस्थितियों में गरीब हमेशा अकेला ही रहा है।

अनिल ने कहा कि दिल्ली में रोजाना सैंकड़ों लोग फ्लाईओवर के नीचे सोते है बारिश की स्थिति में वहां पानी भर जाता है ऐसे में उनकी सुरक्षा के लिए भी केजरीवाल ने पुख्ता इंतेजाम नहीं किए और गरीब बेघर लोगों के ठंड से बचाव के लिए भी कुछ नहीं किया।

बूथ स्तर पर भाजपा का चलेगा घर-घर अभियान

पायनियर समाचार सेवा। नई दिल्ली

- बैजयंत पांडा ने कहा- प्रेरणा देता है मन की बात कार्यक्रम

पूर्व पीएम अटल बिहारी वाजपेयी के पुण्यतिथि पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा शुरू किए गए माइक्रो डोनेशन कार्यक्रम और केंद्र सरकार की कल्याणकारी योजनाओं को बूथ स्तर पर घर घर जाकर पहुंचाएंगे।

यह आह्वान करते हुए प्रदेश अध्यक्ष आदेश गुप्ता ने कहा कि निगम के कार्यों को भी हम जनता के बीच ले जाएंगे। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के मन की बात कार्यक्रम सुनने के दौरान भाजपा राष्ट्रीय उपाध्यक्ष एवं दिल्ली प्रदेश प्रभारी बैजयंत जय पांडा ने कहा कि मन की बात कार्यक्रम से देश के कोने कोने होने वाले विकास कार्यों के बारे में विस्तार करने वालों को प्रेरणा देता है। पांडव नगर में 85वां मन की बात कार्यक्रम के मौके पर पांडा ने कहा कि प्रधानमंत्री ने उन विभूतियों के बारे में भी बताया जिनके बारे में देश के बहुत कम लोग जानते हैं और उन्हें पद्म विभूषण पुरस्कार दिया गया है। कार्यक्रम से पहले केशवपुरम में राष्ट्रीय महामंत्री दिलीप सैकिया और पांडव नगर में बैजयंत जय पांडा एवं आदेश गुप्ता ने महात्मा गांधी के पुण्यतिथि पर उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित की। पांडा ने 'मन की बात' को अराजनीतिक मंच बताते हुए कहा कि कोरोना की नई लहर से भारत बहुत सफलता के साथ लड़ रहा है आदेश गुप्ता ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के मन की बात एक ऐसा कार्यक्रम है जो युवाओं महिलाओं एवं समाज के सभी वर्गों के लिए प्रेरणा का स्रोत है।

कोरोना ढलान पर, एक दिन में आए 3674 नए मामले

- बीमारी से 30 और लोगों की मौत हुई

पायनियर समाचार सेवा। नई दिल्ली

राष्ट्रीय राजधानी में कोविड-19 ढलान पर है। पिछले चौबीस घंटे में 3674 नए मामले सामने आए हैं। इस दौरान संक्रमण दर घटकर 6.37 प्रतिशत पर आ गई है।

चिंताजनक बात यह है कि बीमारी से 30 और लोगों की मौत हुई है। स्वास्थ्य विभाग के आंकड़े के अनुसार शनिवार को संक्रमण दर 7.41 प्रतिशत थी और कोविड-19 के 4483 मामले आए थे। वहीं, बीमारी से 28 लोगों की मौत हुई थी। नए मामलों के आने से राजधानी में संक्रमितों की सं या बढ़कर 18,27,489 हो गई है और मृतक का आंकड़ा 25,827 हो गया है। एक दिन पहले 57,686 नमूनों की कोविड-19 संबंधी जांच हुई थी। शुक्रवार को संक्रमण दर 8.60 प्रतिशत थी और 25 मरीजों की मृत्यु हुई थी, वहीं 4044 मामले आए थे।

बृहस्पतिवार को संक्रमण दर 9.56 प्रतिशत थी और 34 मरीजों ने संक्रमण से दम तोड़ा था जबकि कोविड-19 के 4291 मामले आए थे। 13 जनवरी को कोविड-19 के सर्वाधिक 28,867 मामले आए थे, जिसके बाद दैनिक मामलों में कमी आई है। 14 जनवरी को संक्रमण दर 30.6 प्रतिशत दर्ज की गई थी, जो महामारी की मौजूदा लहर के दौरान सबसे अधिक थी। दैनिक मामलों को 10,000 के आंकड़े से नीचे आने में 10 दिन लगे।

बुल्ली बाई ऐप : नीरज बिश्नोई की जमानत याचिका खारिज

पायनियर समाचार सेवा। नई दिल्ली

दिल्ली की एक अदालत ने कथित तौर पर बुल्ली बाई ऐप बनाने वाले नीरज बिश्नोई की जमानत याचिका यह कहते हुए खारिज कर दी कि उसका अपराध न सिर्फ नारीत्व के खिलाफ था,बल्कि साम्प्रदायिक सौहार्द बिगाड़ने के लिये भी था।

अतिरिक्त सत्र न्यायाधीश धर्मेंद्र राणा ने 29 जनवरी को आरोपी को राहत देने से इनकार करते हुए कहा कि उसके खिलाफ आरोप गंभीर प्रकृति के हैं और जांच शुरूआती चरण में हैं। कई मुस्लिम महिलाओं की तस्वीरें ब्रगैर अनुमति के हासिल करने और छेड़छाड़ कर उन्हें बुल्ली बाई मोबाइल एप्लीकेशन पर नीलामी के लिए डालने के सिलसिले में देश के पुलिस थानों में कई शिकायतें दर्ज कराई कराई गई थीं।

एक साल से भी कम समय में इस तरह की हरकत दूसरी बार की गई। यह ऐप, 'सुल्ली डील्स' का एक प्रतिरूप प्रतीत हुआ, जिसने पिछले साल इसी तरह का एक विवाद उत्पन्न कर दिया था। न्यायाधीश ने आरोपी और अभियोजन की दलीलें सुनने के बाद जमानत याचिका खारिज करने का आदेश जारी किया।

संक्षिप्त समाचार

शहीद दिवस के अवसर पर पीएफडब्ल्यूएस अध्यक्ष अनु अस्थाना ने अन्य वरिष्ठ सदस्यों के साथ राष्ट्रीय पुलिस स्मारक चाणक्यपुरी में शहीद पुलिसकर्मियों को श्रद्धांजलि दी।

आंगनवाड़ी कर्मियों की हड़ताल आज

नई दिल्ली। दिल्ली की आंगनवाड़ीकर्मी आज से हड़ताल पर जा रही हैं। दिल्ली स्टेट आंगनवाड़ी वर्कर्स एण?ड हेल?पर्स यूनियन ने सोमवार से हड़ताल के साथ ही मुख्यमंत्री आवास के बाहर धरना देने का भी एलान किया है। दिल्ली स्टेट आंगनवाड़ी वर्कर्स एंड हेल्पर्स यूनियन की मीडिया प्रभारी वृषाली ने कहा कि दिल्ली की आंगनवाड़ीकर्मी पिछले लम्बे समय से अपनी संवैधानिक और लोकतान्त्रिक मांगों को लेकर आंदोलनरत हैं, लेकिन उनकी मांगों पर सरकार ने ध्यान नहीं दिया।

सभी चिकित्सापैथी के लिए अलग-अलग बजट की मांग

नई दिल्ली। ऑल इंडिया यूनानी तिब्बी कांग्रेस दिल्ली प्रदेश की एक बैठक रविवार को सुई वाला स्थित प्रदेश अध्यक्ष डॉ संजय धींगरा के कार्यालय में संपन्न हुई। इस बैठक की अध्यक्षता डॉ विजय कुमार ढींगरा ने की। बैठक में पुरानी दिल्ली इलाके को लेकर दिल्ली सरकार के स्वास्थ्य मंत्रालय के उदासीन रवैया पर चर्चा की गई। इस मौके पर सीसीआरयूएम के पूर्व उप निदेशक डॉ जकीउद्दीन ने बताया कि स्थानीय नेता मोहल्ला क्लीनिक खोलने में पूरी तरह से असफल रहे हैं। वहीं, इस दौरान सरकार से यह मांग की गई कि आयुष की सभी चिकित्सा पैथी के लिए अलग-अलग बजट की योजना बनाई जाए। बैठक में हकीम अताउर्रहमान अजमली, हकीम नौशाद, हकीम मुर्तजा देहलवी, डॉक्टर अब्दुल कादिर, हकीम जस्सी बाजवा आदि मौजूद थे।

व्यापारी संवाद अभियान के जरिए सर्वेक्षण करेगा कैट

पायनियर समाचार सेवा। नई दिल्ली

बहुप्रतीक्षित ई-कॉमर्स नीति और राष्ट्रीय खुदरा नीति को लागू करने में सरकार द्वारा देरी पर कन्फेडरेशन ऑफ़ ऑल इंडिया ट्रेडर्ज़ (कैट) व्यापारी संवाद अभियान शुरू करेगा।

कैट के राष्ट्रीय महामंत्री प्रवीन खंडेलवाल ने कहा कि जीएसटी कराधान प्रणाली में बढ़ती जटिलताओं और देश के व्यापारियों के व्यापार पर हो रहे चौतरफ़ा विभिन्न हमलों को रोकने के लिए 1 फरवरी से 28 फरवरी तक एक महीने का मेगा राष्ट्रीय अभियान व्यापारी संवाद चलेगा।

कैट के अनुसार भारत में खुदरा व्यापार लगभग 130 लाख करोड़ रुपये का वार्षिक कारोबार कर रहा है लेकिन यह विडंबना है कि यह क्षेत्र जो भारत की अर्थव्यवस्था की रीढ़ माना जाता है जबकि केंद्र और राज्यों दोनों

- व्यापारियों को वोट बैंक में परिवर्तन करना अभियान का एजेंडा एक फरवरी से

में कोई आंतरिक मंत्रालय नहीं है और न ही कोई नीति है और इसलिए कैट ने अब व्यापारिक समुदाय की ताकत को मजबूत करने का फैसला किया है जिसे वोट बैंक में परिवर्तित किया जाएगा। खंडेलवाल ने कहा कि जब देश में सब कुछ वोट बैंक की राजनीति से तय होता है तो व्यापारी क्यों पीछे रहें।

'निगमों के अंतिम क्वार्टर का फंड जारी करे सरकार'

पायनियर समाचार सेवा। नई दिल्ली

भाजपा ने दिल्ली सरकार को पत्र लिखकर चालू वित्त वर्ष 2021-22 के अंतिम क्वार्टर के लिए नगर निगमों को देय फंड जारी करने की मांग की है।

दिल्ली भाजपा प्रवक्ता प्रवीण शंकर कपूर ने कहा है की यह दुर्भाग्यपूर्ण है की एक सत्ताधारी आम आदमी पार्टी रोज़ाना नगर निगमों पर काम ना करने एवं भ्रष्टाचार के झूठे आरोप लगाती है तो वहीं दिल्ली सरकार नगर निगमों को आर्थिक रूप से पंगु बनाने के लियें उनके फंड में कटौती करती है और उन्हे फंड समय पर जारी भी नही करती। भाजपा प्रवक्ता ने इस संदर्भ मे मुख्य मंत्री अरविंद केजरीवाल को पत्र लिखकर उनका ध्यान आकर्षित किया है। व्यवस्था अनुसार दिल्ली सरकार को अंतिम क्वार्टर का निगम फंड 2 जनवरी 2022 को जारी करना चाहिए था पर लगभग एक माह बाद भी जारी नही किया जाना निंदनीय है।

इसी तरह दिल्ली सरकार ने वर्ष 2021-22 के लिये अवंटित बजट मे भी कटौती की है, अकेले उत्तरी नगर निगम के रुपये 387 करोड़ काट दिये गये है जो पूरी तरह अमान्य है।

दिल्ली भाजपा प्रवक्ता ने मांग की है की दिज्ल्ली सरकार अविलंब नगर निगमों का अंतिम क्वार्टर का फंड जारी करे और उसकी साथ वार्षिक बजट मे की कटौती का फंड भी बहाल कर दिया जाए।

आजादी का अमृत महोत्सव

निगम भवनों, उद्यानों, मेट्रो के खंभों को सजाया

- निगम ने अपने चारों क्षेत्रों में सौंदर्यीकरण अभियान चलाया

पायनियर समाचार सेवा। नई दिल्ली

आजादी के अमृत महोत्सव के लिए राष्ट्रीय राजधानी के निगम भवनों, उद्यानों, मेट्रो के खंभों, फ्लाई ओवरों को रंग बिरंगी रोशनी और देश भक्ति, पर्यावरण जागरूकता व स्वच्छता का संदेश देते नजर आएंगे।

साथ ही दूर से ही देश की आन-बान और शान का प्रतीक तिरंगा दूर से ही नजर आएगा। आजादी के 75 वें साल पर नगर निगम भवनों को विषयगत भित्ति चित्रों, मेट्रो के खंभों को भारत के विविध नृत्यों की तस्वीरों तथा शहीदों के स्मारकों को बहुत ही खूबसूरती से सजाया गया है।

राजधानी दिल्ली में उत्तरी, दक्षिणी एवं पूर्वी दिल्ली नगर निगमों ने आजादी के अमृत महोत्सव समारोह के तहत कई गतिविधियां शुरू की हैं।

इस मौके पर स्कूल भवनों से लेकर अस्पतालों तक को और उद्यानों से लेकर गोलचक्करों को विभिन्न विषयगत भित्ति चित्रों से सजाया गया है। एक वरिष्ठ अधिकारी ने बताया कि प्रगतिशील भारत के 75 सालों की याद एवं आजादी के अमृत महोत्सव के तौर पर दक्षिणी निगम ने निगम के भवनों, मेट्रो के खंभों, स्कूलों, उद्यानों एवं गोलचक्करों को भित्ति चित्रों एवं अन्य कलाकृतियों से खूबसूरत बनाया है। उन्होंने कहा कि नगर निकाय एजेंसी शहर को साफ सुथरा बनाने के अभियान के माध्यम से शहर को और सुंदर एवं स्वच्छ बना रहा है। निगम ने अपने चारों क्षेत्रों में सौंदर्यीकरण अभियान चलाया है ।

दक्षिण क्षेत्र ने भी आरकेपुरम में निगम के कर विभाग के छह मंजिले भवन की दीवारों पर राष्ट्रीय पक्षी मोर की तस्वीर उकेरी है। हाल में उद्घाटन किये गये भारत दर्शन उद्यान में बिजली के खंभों, टायरों एवं अन्य कबाड़ों से ट्री ऑफ यूनिटी बनाया गया है। इसके अलावा बनकर तैयार होने वाले शहीद उद्यान में पुराने कारों के हिस्सों से रथ तैयार किया गया है।

नजफगढ़ जोन में द्वारका के करगिल चौक को सजाया गया है। नई कलाकृतियां बनायी गई हैं। समीप के एक उद्यान की दीवार को तीन रंगों से सजाया गया है। मेट्रो ने भी गणतंत्र दिवस पर विशेष तरह से सजायी गयी एक विशेष ट्रेन शुरू की है। आठ डिब्बों वाली इस ट्रेन के बाहरी हिस्से को भारत के वैभवशाली इतिहास, संस्कृति एवं इन 75 सालों की उपलब्धियों को दर्शाते हुए कोलाज एवं नारों से सजाया गया है। पूर्वी दिल्ली में नगर निगम ने स्वामी दयानंद अस्पताल की दीवारों पर सरदार वल्लभ भाई पटेल, नेताजी सुभाषचंद्र बोस, रानी लक्ष्मीबाई, भगत सिंह की तस्वीरें बनवायी हैं।

वर्चुअल कवि सम्मेलन में बही जश्न-ए-आजादी के सुरों की धारा

पायनियर समाचार सेवा। नई दिल्ली

कोविड-19 महामारी का असर गणतंत्री दिवस के उपलक्ष्य पर ऐतिहासिक लाल किला पर होने वाले राष्ट्रीय कवि सम्मेलन पर भी पड़ा है। इस बार कवि सम्मेलन का आयोजन वरिष्ठ कवि एवं गीतकार विष्णु सक्सेना की अध्यक्षता में वर्चुअल किया गया। राजीव राज के संचालन में देश भर के कवियों ने देशभक्ति से परिपूर्ण अपनी-अपनी रचनाओं के माध्यम से शहीदों को याद किया। अनित्य नारायण मिश्र, अमन अक्षर, डॉ. कीर्ति काले, भुवनेश सिंघल, राजीव राज व शहनाज हिन्दुस्तानी ने भी काव्य-पाठ किया। कवि-सम्मेलन की प्रस्तावना में हिंदी अकादमी के सचिव डॉ. जीतराम भट्ट ने कहा कि आजादी मिलते ही लाल किला पर राष्ट्रीय कवि-सम्मेलन आयोजित होता रहा है। स्वतंत्रता की 75 वीं वर्षगांठ के इस अमृत महोत्सव वर्ष में गणतंत्र दिवस के अवसर पर आयोजित किए जाने वाले इस ऐतिहासिक राष्ट्रीय कवि-सम्मेलन का आयोजन विगत वर्षों में लाल किले पर किया जाता रहा है। चूंकि इस कवि-सम्मेलन का अपना महत्त्व है जिसके लिए सभी दर्शकों, श्रोताओं द्वारा इसके बारे में पूछा जाता रहा। इसकी महत्ता को बनाए रखने के लिए कोरोना काल में इस वैश्विक महामारी के सुरक्षा कारणों के मद्देनजर इस वर्ष राष्ट्रीय कवि-सम्मेलन का आयोजन वर्चुअल किया गया। सम्मेलन के शुरू में परफोर्मिंग आर्ट्स के निदेशक जितेन्द्र सिंह ने अकादमी गीत और देश भक्ति गीत पेश किया। अन्य कवियों में अनित्य नारायण मिश्र ने राष्ट्र सेवा में जीवन लगाना हमें, आज से कल को बेहतर बनाना हमें।

अब गुरुग्राम में भी अनाथ बच्चों को गोद ले सकेंगे लोग

संजय कुमार मेहरा। गुरुग्राम

गुरुग्राम में दत्तक ग्रहण एजेंसी खोलने के लिए जिला प्रशासन द्वारा सरकार को भेजे गए प्रस्ताव को स्वीकृति मिल गई है। इस एजेंसी के खुलने के बाद अब गुरुग्राम जिलावासियों को बच्चा गोद लेने के लिए किसी अन्य शहर में जाने की आवश्यकता नहीं पड़ेगी। सोमवार को हरियाणा राज्य बाल कल्याण परिषद की उपाध्यक्ष पारिशा शर्मा सेक्टर-4 स्थित ओल्ड ऐज होम में गुरुग्राम जिला की इस पहली दत्तक ग्रहण एजेंसी का विधिवत रूप से शुभारंभ करेंगी।

लावारिस हालत में मिलने वाले बच्चों के स्वजन का पता न चलने पर व उनको गोद देने की प्रक्रिया अमल में लाई जाती है। जिससे कि बच्चों का लालन-पालन हो सके और नि:संतान दंपतियों को भी संतान सुख की प्राप्ति हो सके।

इसके लिए एक लंबी कानूनी प्रक्रिया से गुजरना पड़ता है, जिसमें दत्तक ग्रहण एजेंसी का भी महत्वपूर्ण रोल होता है। उन्होंने कहा कि जिला में उपरोक्त एजेंसी के खुलने से जिलावासियों को अब अनाथ बच्चों को गोद लेने में काफी सहूलियत होगी। जिला के कोई भी दंपत्ति इस दत्तक ग्रहण एजेंसी से निर्धारित नियमों का पालन करते हुए बच्चों को गोद ले सकेंगे।

ये कागजात होने पर ही होगी प्रक्रिया शुरू

बच्चे को गोद लेने के इच्छुक परिवार की मौजूदा तस्वीर, बच्चे को गोद लेने वाले का पेन कार्ड, जन्म प्रमाण पत्र या कोई ऐसा दस्तावेज जिससे उसकी जन्मतिथि प्रमाणित हो, निवास प्रमाण-पत्र, आधार कार्ड, मतदाता परिचय पत्र, पासपोर्ट, बिजली या टेलीफोन का नवीनतम बिल, उस साल के आय कर की प्रामाणिक कापी, सरकारी चिकित्साधिकारी का हस्ताक्षरित प्रमाण पत्र दिखा सकते हैं। जिससे इस बात की पुष्टि हो सके कि गोद लेने वाले बच्चे के अभिभावक को कोई गंभीर बीमारी नहीं है। गोद लेने के इच्छुक दंपती को अपने-अपने मेडिकल प्रमाण पत्र जमा कराने होंगे। इसके अतिरिक्त शादी का प्रमाण पत्र यदि शादीशुदा हैं तो। व्यक्ति तलाकशुदा है तो उसका प्रमाण पत्र, गोद लेने के पक्ष में इच्छुक व्यक्ति से जुड़े दो लोगों के बयान आवश्यक हैं।

सेंट्रल एडॉप्शन रिसोर्स अथॉरिटी है गठित

जिला उपायुक्त डा. यश गर्ग के मुताबिक केंद्र सरकार ने बच्चा गोद लेने के लिए सेंट्रल एडाप्शन रिसोर्स अथॉरिटी (कारा) गठित की हुई है। संस्था महिला एवं बाल विकास मंत्रालय के अंतर्गत काम करती है। बच्चा गोद लेने के लिए कारा की वेबसाइट पर ऑनलाइन आवेदन करना होता है। कारा मुख्य रूप से बेसहारा छोड़ दिए गए बच्चों को गोद देने का काम करती है।

गोद लेने के लिए रखी हैं कुछ शर्तें

गोद लेने वाले दंपत्ति के लिए भी कुछ शर्तें रखी गई हैं। दम्पत्ति का शारीरिक, मानसिक, भावनात्मक एवं आर्थिक दृष्टि से सक्षम होना जरूरी है। उनको किसी तरह की गंभीर बीमारी नहीं होनी चाहिए। जिला बाल कल्याण अधिकारी वीरेंद्र यादव ने गोद लेने की

सोमवार को सेक्टर-4 ओल्ड ऐज होम में खोली जाएगी जिला की पहली विशिष्ट दत्तक एजेंसी

हरियाणा राज्य बाल कल्याण परिषद की उपाध्यक्ष करेंगी उद्घाटन

शर्तों के बारे में बताया कि अगर संभावित अभिभावक शादीशुदा हैं तो उन दोनों की आपसी सहमति होनी जरूरी है। एक सिंगल महिला किसी भी लिंग के बच्चे को गोद ले सकती है, वहीं एक सिंगल पुरुष सिर्फ लड़के को ही गोद ले सकता है।

सीएम ने देर रात तक की नगर निगम व जीएमडीए में छापेमारी

गुरुग्राम में सफाई कर्मचारियों की ड्यूटी की ली जानकारी

गुरुग्राम में सीसीटीवी के माध्यम से संदिग्ध लोगों पर भी नजर रखने को कहा

पायनियर समाचार सेवा। गुरुग्राम

गुरुग्राम के जीएमडीए कार्यालय में छापेमारी के दौरान सीईओ सुधीर राजपाल से बात करते सीएम मनोहर लाल।

ऐसा पहली बार हुआ कि मुख्यमंत्री मनोहर लाल किसी शहर में देर रात तक सरकारी कार्यालयों का औचक निरीक्षण करने पहुंचे। गुरुग्राम में रात्रि विश्राम के दौरान मुख्यमंत्री ने नगर निगम गुरुग्राम व गुरुग्राम महानगर विकास प्राधिकरण (जीएमडीए) के कार्यालय में पहुंचे। मौके पर मौजूद कर्मचारियों ने उन्हें विस्तार से जानकारी ली।

पहले तो मुख्यमंत्री मनोहर लाल नगर निगम के सेक्टर-39 स्थित कार्यालय में पहुंचे। वहां काफी देर तक वे निरीक्षण करते रहे। मुख्यमंत्री ने रात में शहर में सफाई करने वाली गाड़ियों के बारे में जानकारी ली। साथ ही कर्मचारियों के बारे में भी पूछताछ की। ड्यूटी रोस्टर भी देखा और अधिकारियों से फोन पर बात की। मुख्यमंत्री द्वारा देर रात की गई इस छापेमारी के दौरान नगर निगम, जीएमडीए के साथ ही अन्य विभागों के अधिकारियों, कर्मचारियों में हड़कंप मच गया। नगर निगम में मुख्यमंत्री मनोहर लाल ने कंट्रोल रूम में उपस्थित कर्मचारी से पूछा कि इस समय ड्यूटी पर कितने कर्मचारी होने चाहिए। कितनी सफाई मशीन लगी हुई हैं, उनकी मॉनिटरिंग कैसे की जा रही है। इसके जवाब में नगर निगम के कर्मचारी ने बताया कि गुरुग्राम शहर में साफ-सफाई के लिए 13 गाड़ियां चल रही हैं और रात 10 बजे सफाई का काम शुरू होता है। यहां से मुख्यमंत्री ने मोबाइल पर नगर निगम गुरुग्राम के आयुक्त से भी बात की और साफ-सफाई व ड्यूटी रॉस्टर के बारे में सवाल किए।नगर निगम गुरुग्राम सेक्टर-39 में छापा मारने के बाद मुख्यमंत्री मनोहरलाल सेक्टर-44 स्थित जीएमडीए कार्यालय पहुंचे। जहां पर इंटेग्रेटेड कमांड एंड कंट्रोल सेंटर बना हुआ है। उस सेंटर से गुरुग्राम की विभिन्न सड़कों पर लगे सीसीटीवी कैमरे जुड़े हुए हैं। उन कैमरों से सड़कों की रात में मशीनों से हो रही साफ-सफाई को देखा जा सकता है। मुख्यमंत्री ने जीएमडीए के कार्यालय में उपस्थित कर्मचारी से वाहनों की चोरी को लेकर सवाल किया और पूछा कि आज कितने वाहन चोरी होने की सूचनाएं पहुंची और कितने वालों के बारे में पता लगाया गया है। कर्मचारी ने विस्तार से मुख्यमंत्री मनोहर लाल को कार्यप्रणाली के बारे में जानकारी दी। साथ ही वाहनों की चोरी के बारे में बताया कि शनिवार को 32 चोरी की गाड़ियां ट्रेस की गई हैं। मुख्यमंत्री ने यहां पूरी जानकारी लेने के बाद बातचीत की।

सीसीटीवी से संदिगध लोगों पर भी रखें नजर

मुख्यमंत्री मनोहर लाल ने जीएमडीए के इंटीग्रेटेड कमांड एंड कंट्रोल सेंटर का निरीक्षण करने के दौरान फेस रिकगनिशन (संदिगध लोगों पर नजर) का भी सुझाव दिया। करनाल में यह सर्विस पहले ही शुरू कर चुके हैं। इसके साथ ही जीएमडीए द्वारा चलाई जा रही सिटी बसों पर भी नजर रखने की बात मुख्यमंत्री मनोहर लाल ने कही।

गीता और रामायण के समान ही हमारा संविधान पवित्र: स्वामी धर्मदेव

भारत में चुनी सरकार का और ऊपर करतार का चल रहा है कानून

पायनियर समाचार सेवा।गुरुग्राम

आश्रम हरि मंदिर में महामंडलेश्वर स्वामी धर्मदेव को गीता व रामायण सौंपते लोग।

गीता और रामायण के समान ही हमारा संविधान अनमोल धरोहर है। पांच दिन पहले पूरे देश में गर्व के साथ गणतंत्र दिवस मनाया गया। हमें यह भी याद रखना चाहिए कि 26 जनवरी 1950 को भी संविधान लागू किया गया था। डॉक्टर भीमराव अंबेडकर द्वारा लिखे गए संविधान में सभी भारतीयों को बिना किसी भेदभाव के मौलिक अधिकार की जानकारी देते हुए सभी अधिकार प्रदान किए गए हैं। यह बात एक माह की कठोर कल्पवास साधना पर बैठे धमाचार्य, धर्म ग्रंथों और वेदों के मर्मज्ञ महामंडलेश्वर धर्मदेव महाराज ने गांधी पुण्यतिथि के मौके पर कही।

इससे पहले आश्रम हरि मंदिर परिसर में महामंडलेश्वर धर्मदेव के साधना स्थल पर पहुंच क्षेत्र के विख्यात बाल रोग विशेषज्ञ डॉक्टर नरेंद्र यादव और वरिष्ठ पत्रकार फतह सिंह उजाला के द्वारा महामंडलेश्वर धर्मदेव महाराज को भारतीय संविधान की पुस्तकें भेंट की गई। महामंडलेश्वर धर्मदेव महाराज ने भारतीय संविधान और परम पिता परमेश्वर के विधान की तुलना करते हुए कहा कि प्रत्येक इंसान का कर्तव्य है की इन दोनों का ईमानदारी के साथ में पालन करते हुए अमल भी किया जाना जरूरी है। जिस प्रकार से हम गीता और रामायण में दी गई शिक्षा और उपदेशों को जीवन में आत्मसात करते हैं, ठीक उसी प्रकार से ही भारतीय संविधान को भी प्रत्येक भारतीय को अपने जीवन में आत्मसात करना चाहिए। इस मौके पर वरिष्ठ पत्रकार फतह सिंह उजाला ने कहा कि भारतीय जनता पार्टी की सरकार के कार्यकाल में जिस प्रकार से बिना किसी भेदभाव के राष्ट्रहित को सर्वोपरि रखते हुए कार्य किए जा रहे हैं। इन्हीं सब बातों को ध्यान में रखते हुए केंद्र सरकार को ऐसी नीति भी अवश्य बनानी चाहिए कि देशभर के स्कूलों में संविधान की पुस्तकें अवश्य उपलब्ध करवाई जाए।

संक्षिप्त समाचार

स्वास्थ्य शिविर में तीन सौ लोगों ने कराई जांच

सोहना के गांव जखोपुर में लगे स्वास्थ्य शिविर में जांच कराते हुए नागरिक।

सोहना। नगर परिषद वार्ड-9 के गांव जखोपुर में समासेवी महिला ने पुत्र के जन्मदिन पर निशुल्क स्वास्थ्य शिविर लगाया। शिविर में करीब 300 लोगों ने अपने स्वास्थ्य की जांच कराई। रविवार को शहर के वार्ड-9 के गांव जखोपुर में लगे स्वास्थ्य शिविर में करीब तीन सौ लोगों की शारीरिक जांच की गई। शिविर का आयोजन समाजसेवी ऊषा शरण ने किया। उन्होंने बताया कि उनके द्वारा यह छठवां शिविर लगाया है। लेकिन बेटे कार्तिक के जन्मदिन पर इसका आयोजन किया गया है। जरूरतमंदों को शिविर में दवाइयां फ्री दी गई। ऊषा शरण ने बताया कि समाज सेवा के तरीके अनेक होते है। लेकिन वर्तमान समय में अच्छा खानपान न होने के कारण बीमारियों ने लोगों को अपनी चपेट में ले लिया है।

अवैध हथियार समेत बदमाश गिरफ्तार

सोहना। अपराध शाखा पांच पुलिस ने बदमाश को अवैध हथियार समेत गिरफ्तार किया है। गिरफ्तार आरोपी के खिलाफ सिटी थाना में मामला दर्ज कराया गया है। जिला नूंह थाना तावडू के गांव चिल्ला निवासी फरमान उर्फ मल्लू को शहर के तिकोना पार्क के पास गिरफ्तार किया है। तलाशी के दौरान पुलिस को जेब से अवैध हथियार मिला है।

अरावली पहाड़ी बना अवैध शराब का अड्डा, शराब बरामद

सोहना। भोंडसी थाना पुलिस ने रायसीना से लगती अरावली पहाड़ी के फार्म हाउस में चलाए जा रहे अवैध शराब के ठेका पर छापामारी की। मौके से पुलिस ने शराब की पेटियां बरामद की हैं। तलाशी के दौरान 20 पेटियों में भरी 480 बीयर की बोतल और नौ पेटियों से 108 बोतल शराब की पायी गई हैं। शनिवार को भोंडसी थाना पुलिस को गश्त के दौरान सूचना मिली कि अरावली के अंसल क्षेत्र के ए33 फार्म में अवैध रूप से शराब का ठेका चल रहा है। जिसे इन्द्रापुरम गाजियाबाद निवासी विशेष पुत्र सुभाष चला रहा है। विशेष अंसल में रहने वाले चौकीदार , मजदूर , दुकानदार और आसपास के ग्रामीणों को बेचता है। पुलिस ने फार्म हाउस में छापामारी करते हुए बीयर की 20 पेटी और अलग-अलग श्रेणी की नौ पेटी अवैध शराब की पकड़ी हैं। आरोपी को गिरफ्तार करने के साथ उसके खिलाफ अवैध शराब बेचने का मामला दर्ज किया है।

महात्मा गांधी की पुण्यतिथि पर दी श्रद्धांजलि

महात्मा गांधी की पुण्यतिथि पर माल्यार्पण करते हुए।

होडल। भारत विकास परिषद के तत्वाधान में रविवार को राष्ट्रपिता महात्मा गांधी की 74वीं पुण्यतिथि के अवसर पर कार्यक्रम का आयोजित किया गया। जिसमें परिषद के सदस्यों ने गढिया बाजार स्थित महात्मा गांधी की प्रतिमा पर माल्यार्पण कर उन्हें श्रद्धांजलि दी। अध्यक्षता परिषद के प्रांतीय संयोजक डॉ. जेके मित्तल ने की। राष्ट्रपिता महात्मा गांधी की पुण्यतिथि के मौके पर डॉ. जेके मित्तल ने कहा कि महात्मा गांधी अहिंसा के पूजारी थे। उन्होंने कहा कि हमें उनके बताए गए कदमों पर चलकर अहिंसा का मार्ग अपनाना चाहिए। गांधी के शान्ति, सत्य, अहिंसा का पालन करने वाले रवैए के कारण ही लोग उन्हें महात्मा से संबोधित करने लगे थे। उन्होंने कहा कि महात्मा गांधी 1916 में दक्षिण अफ्रीका से भारत लौटे और फिर हमारे देश की आजादी के लिए अपने कदम उठाना शुरू किया। इस मौके पर डॉ. राजेश जैन, नवीन मंगला, कमल खन्ना, रिषी बंसल, मुरारी लाल गोला, चंद्रप्रकाश जैन, श्याम सुन्दर मंगला के अलावा परिषद के अन्य सदस्य मौजूद थे।

डेरा सेवादारों ने 151 बच्चों को दिए फ्रूट्स

भिवानी। मानवता की भलाई के लिए विख्यात डेरा सच्चा सौदा अभी तक 137 मानवता भलाई के कार्य करता आ रहा था, अब इसमें गरीब, बीमार बच्चों के लिए फ्रूट किट बांटने का 138वां कार्य भी जुड़ गया है। रविवार को यहां 151 बच्चों को फ्रूट किट वितरित किए गए। डेरा सच्चा सौदा की शाह सतनाम जी ग्रीन एस वेलफेयर फोर्स विंग के भिवानी ब्लॉक की ओर से राजीव गांधी पार्क कृष्णा कॉलोनी में यह कार्यक्रम आयोजित किया गया। सुबह से ही संगत पहुंचनी शुरू हो गई थी। संत गुरमीत राम रहीम सिंह जी इंसा द्वारा दिखाए गए मानवता भलाई के मार्ग पर चलते हुए संगत ने यहां गुरु यश गाया। इसके साथ ही आमंत्रित किए गए गरीब, अनाथ बच्चों को फ्रूट किएट वितरण का कार्य किया गया। यहां फ्रूट किट वितरण के दौरान डेरा सच्चा सौदा के जिम्मेवार घनश्याम इंसा, 15 मेंबर राजू मिस्त्री, राजकुमार उर्फ राजू, ललित 15 मेंबर, राजकुमार फौजी, सुभाष गुजरानी, प्रदीप 15 मेंबर, सुधीर 15 मेंबर, बिमला-45 मेंबर, संतोष, शांता, पुष्पा, सुमन, रिया, लक्ष्मी, पिंकी, उषा समेत काफी संख्या में संगत यहां मौजूद रही।

अमरूद, आंवला और अनार का बाग लगाने पर दी जा रही है अनुदान राशि

गुरुग्राम। सरकार द्वारा किसानों की आय को दोगुना करने व बागवानी खेती के प्रति प्रोत्साहित करने के लिए बागवानी विभाग के माध्यम से अनेक योजनाएं क्रियान्वित की जा रही है। इन योजनाओं के अंतर्गत किसानों को अनुदान राशि प्रदान की जा रही है। किसान पारंपरिक खेती के स्थान पर बागवानी खेती अपनाकर अपनी आमदनी को बढ़ा सकते हैं।

जिला बागवानी अधिकारी पिंकी यादव ने इस विषय में बताया कि सरकार द्वारा किसानों को नए बाग लगाने पर अनुदान राशि प्रदान की जाती है। अमरूद, आवंला व अनार के नए बाग लगाने पर प्रति हेक्टेयर पर 50 प्रतिशत तक अनुदान दिया जा रहा है। अमरूद के बाग लगाने पर 11 हजार 502 रुपए अनुदान राशि दी जाती है, जबकि अनार के बाग लगाने पर 15 हजार 900 रुपये व आंवला के बाग पर 15 हजार राशि अनुदान के रूप में प्रदान की जाती है। अनुदान योजना के तहत एक किसान 10 एकड़ तक बाग लगा सकता है। पिंकी ने बताया कि योजना का लाभ लेने के इच्छुक किसान जमीन के कागजात जैसे कि जमाबंदी व सिजरा आदि के साथ अपनी बैंक कॉपी व आधार कार्ड के साथ जिला बागवानी कार्यालय में संपर्क कर सकते है।

जो किसान बाग लगा चुके हैं वो भी अनुदान के पात्र

पिंकी ने बताया कि जिन किसानों ने एकीकृत बागवानी विकास मिशन के नियमों अनुसार वित्तिय वर्ष 2021 में उपरोक्त फसल के बाग लगाए है। वो भी अनुदान राशि के लिए अपना आवेदन कर सकते है। उन्होंने कहा कि उपरोक्त किसान नेशनल हॉर्टिकल्चर बोर्ड द्वारा सत्यापित नर्सरी के बिल जहां से उन्होंने पौधा खरीदा व उसके साथ साथ नर्सरी की नेमाटोड्स रिपोर्ट भी साथ लेकर आये।

स्वीपिंग मशीन की रिपोर्ट लेकर सीएम दरबार पहुंचे अधिकारी

गुरुग्राम। शनिवार की देर रात मुख्यमंत्री मनोहर लाल द्वारा औचक निरीक्षण के बाद रविवार सुबह नगर निगम के अधिकारी मैकेनाईज्ड स्वीपिंग की रिपोर्ट लेकर सीएम दरबार में पहुंचे। सीएम ने रात में ही निरीक्षण के दौरान रिपोर्ट सुबह प्रस्तुत करने के आदेश दिए थे।

रविवार सुबह नगर निगम गुरुग्राम के अधिकारीगण सफाई व्यवस्था पर रिपोर्ट लेकर मुख्यमंत्री मनोहर लाल के समक्ष गुरुग्राम के लोक निर्माण विश्राम गृह में पहुंचे। विश्राम गृह में सीएम को लैपटॉप पर दिखाया गया किस प्रकार मेकेनाइजड स्वीपिंग सिस्टम काम करता है। इन अधिकारियों ने शनिवार रात की भी सफाई व्यवस्था की रिपोर्ट पेश की। बता दें कि सीएम ने शनिवार देर रात गुरुग्राम नगर निगम क्षेत्र में मशीनों से मेकैनाईजड स्वीपिंग से सफाई व्यवस्था का निरीक्षण किया था।

दो दिवसीय ऑनलाइन प्रशिक्षण कार्यक्रम

पायनियर समाचार सेवा। होडल

शिक्षा विभाग के निर्देश अनुसार बचाव एवं सुरक्षा विषय पर दो दिवसीय ऑनलाइन प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। प्रशिक्षण कार्यक्रम के उद्घाटन सत्र में मुख्य रूप से खंड शिक्षा अधिकारी यशपाल गर्ग ने शिक्षकों को विभिन्न विषयों पर आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। कार्यक्रम के नोडल अधिकारी ललित कुमार वशिष्ठ भी उपस्थित रहे। संचालन जिला संदर्भ दाता समूह के सदस्य महेश गौड़ एबीआरसी द्वारा किया गया। कार्यक्रम में मुख्य प्रशिक्षक के रूप में रेडक्रॉस सोसाइटी पलवल से महेश मलिक, साइबर अपराध सेल से विनोद भाटी, सरकारी अस्पताल से डॉ. अंजली शर्मा, पुलिस विभाग से संत कुमार, शिक्षा विभाग से हुकम चंद गौतम, मोतीराम, विजेंद्र सिंह, देशराज सिंह, भूदेव सिंह, बहादुर सिंह, आदि ने अपने विचार रखे।

प्रशिक्षण कार्यक्रम में सीआरसी बंचारी एवं सोन्दहद के सभी अध्यापकों ने भाग लिया। कार्यक्रम में बोलते हुए खंड शिक्षा अधिकारी यशपाल गर्ग ने कहा कि सभी अध्यापकों को प्राथमिक चिकित्सा, साइबर अपराध, कोविड-19, सड़क सुरक्षा आदि विषयों पर पूर्ण जानकारी होनी चाहिए, यह सभी के लिए अति आवश्यक है। प्रशिक्षण में नोडल अधिकारी ललित

ऑनलाइन प्रशिक्षण शिविर में हिस्सा लेते अध्यापक।

कुमार ने कहा सभी अध्यापक 9: 30 से 3:30 तक इस प्रशिक्षण कार्यक्रम में आवश्यक रूप से जुड़े रहे। यह विभागीय आदेश हैं, जिनका हम सभी को पालना करनी चाहिए। उन्होंने कहा जो अध्यापक प्रशिक्षण में नियमित रूप से भाग नहीं लेंगे उनके नाम उच्चाधिकारियों को प्रेषित कर दिए जाएंगे। प्रशिक्षण कार्यक्रम में मुख्य रूप से प्राथमिक चिकित्सा, साइबर अपराध, कोविड-19, सड़क सुरक्षा, नशा मुक्ति आदि विषयों पर विस्तार से चर्चा की गई।

पुलिस ने किया नशीला पदार्थ बरामद, तीन शातिरों को किया गिरफ्तार

कैलाश मंगला। होडल

नशीले पदार्थ के साथ पकड़े गए आरोपी सीआइए की गिरफ्त में।

होडल सीआइए पुलिस ने नेशनल हाइवे डबचिक मोड़ पर घेराबंदी कर एक गाड़ी से भारी मात्रा में गांजा बरामद किया है। पुलिस ने गांजे के साथ तीन युवकों को भी हिरासत में लिया है। पुलिस ने पकड़े गए आरोपियों के खिलाफ मामला दर्ज कर उन्हें अदालत में पेश करके रिमांड पर ले लिया है। पुलिस पकड़े गए आरोपियों से पूछताछ करने में जुटी है।

होडल सीआइए प्रभारी जंगशेर ने जानकारी में बताया कि उन्हें सूचना मिली कि कोसीकलां की ओर से युवक एक कार में गांजा लेकर होडल की ओर जा रहे हैं। सूचना मिलते ही पुलिस ने डबचिक मोड़ के निकट नाकाबंदी कर वाहनों की चेकिंग करना शुरू कर दी। नाके पर जैसे ही एक कार पहुंच तो पुलिस ने उसे चेकिंग के लिए रोक लिया। गाड़ी की तलाशी ली तो पुलिस ने उसमें से गांजे के पैकेट बरामद किए। पुलिस ने गाड़ी में सवार तीनों युवकों को हिरासत में ले लिया। पुलिस द्वारा पूछताछ में पकड़े गए युवकों ने अपने नाम बेरया मोहल्ला गांव सिगांर निवासी लियाकत, आरा कॉलोनी पुन्हाना मेवात निवासी युसफ गांव झारोखडी निवासी मुफिद बताया। पुलिस को युवकों के पास से 52 किलो 360 ग्राम गांजा बरामद किया है। ड्यूटी मजिस्ट्रेट नायब तहसीलदार दिनेश कुमार की देखरेख में बरामद किए गए नशीले पदार्थ को सील कर दिया है।

पुलिस ने तीनों युवकों के खिलाफ मामला दर्ज कर उन्हें गिरफ्तार कर लिया है।

पुलिस ने गाड़ी को भी जब्त कर लिया है। सीआइए प्रभारी ने बताया कि पकड़े गए तीनों आरोपियों को अदालत में पेश करके रिमांड पर ले लिया है।

अग्रवाल वैश्य समाज की युवा इकाई की हुई घोषणा

पायनियर समाचार सेवा।गुरुग्राम

गुरुग्राम के ऋषभ जैन को बनाया गया है प्रवक्ता

अग्रवाल वैश्य समाज के प्रदेश अध्यक्ष अशोक बुवानीवाला ने संगठन की युवा इकाई की घोषणा करते हुए नवदीप बंसल डबवाली को पुन: प्रदेश अध्यक्ष नियुक्त किया है।

समाज के प्रदेश प्रवक्ता सुमित हिमांशु हिंदुस्तानी ने बताया कि नवगठित इस 10 सदस्यीय युवा इकाई में नवदीप बंसल के साथ हिमांशु गोयल जठलाना, यमुनानगर को वरिष्ठ उपाध्यक्ष, अधिवक्ता नीतिश अग्रवाल रेवाड़ी को उपाध्यक्ष, वेदप्रकाश गर्ग कैथल व रवि गर्ग बधवानिया चरखी दादरी को महासचिव बनाया गया है। इसी क्रम में हिमांशु गोयल कैथल व विनय जैन नारनौल को सचिव नियुक्त किया गया है। शुभम अग्रवाल जफरपुर अम्बाला व राहुल गुप्ता रोहतक को संगठन सचिव तथा अधिवक्ता ऋषभ जैन गुरुग्राम को प्रवक्ता की जिम्मेदारी दी गई है। प्रवक्ता सुमित हिंदुस्तानी ने बताया कि शेष कार्यकारिणी का गठन भी शीघ्र ही किया जाएगा। उन्होंने कहा कि अग्रवाल वैश्य समाज युवाओं के समग्र विकास के लिए निरन्तर प्रयासरत है क्योंकि जब भी बदलाव आता है तो युवा ही लेकर आते हैं। सुमित हिन्दुस्तानी ने कहा कि वतज़्मान परिदृश्य में किसी भी समाज का विकास उसकी राजनीति भागीदारी पर निर्भर कर रहा है। समाज के युवाओं के राजनीति में आने से ही उपेक्षित वैश्य समाज को सही नेतृत्व मिलेगा। अपनी नियुक्ति पर युवा प्रदेश अध्यक्ष नवदीप बंसल ने अपनी कार्यकारिणी की ओर से समाज के प्रदेश अध्यक्ष अशोक बुवानीवाला व अन्य पदाधिकारियों का आभार व्यक्त किया है। उन्होंने कहा कि जो भरोसा व विश्वास उन पर जताया गया है, उस पर खरा उतरते हुए जल्द ही संगठन की विधानसभा एवं लोकसभा इकाईयों का गठन किया जाएगा। नवदीप बंसल ने कहा कि फरवरी के अंतिम सप्ताह में नवनियुक्त सभी पदाधिकारियों का पुष्कर, राजस्थान में एक प्रशिक्षण शिविर भी आयोजित किया जाएगा।

लेंसकार्ट ने गणतंत्र दिवस पर 73 स्टोर लॉन्च किए, देश में सबसे बड़ा रिटेल विस्तार

लेंसकार्ट की इस साल पूरे भारत में 400 और स्टोर स्थापित करने की योजना, फरवरी 2022 में खुलेगा 1000वां आउटलेट

पायनियर समाचार सेवा। नई दिल्ली

भारत के सबसे तेजी से बढ़ते ओमनी-चैनल आई-वियर ब्रांड लेंसकार्ट ने 73वें गणतंत्र दिवस के अवसर पर देश के 46 शहरों और 19 राज्यों में कुल 73 स्टोर्स लॉन्च किए। लेंसकार्ट का लक्ष्य वित्त वर्ष 2022 में कुल 400 स्टोर स्थापित करना है। लॉन्च किए गए 73 स्टोर्स में तमिलनाडु में 17 स्टोर्स, कर्नाटक में 10 और तेलंगाना एवं केरल में 6-6 स्टोर्स शामिल थे। इसके साथ ही कंपनी ने अगले महीने फरवरी में अपना 1000वां स्टोर स्थापित करने की काउंटडाउन शुरू कर दी है।

गणतंत्र दिवस पर शुरु किये गए 73 स्टोर्स लॉन्च में बिहार, असम, पश्चिम बंगाल, हिमाचल प्रदेश, जम्मू और कश्मीर, गुजरात, छत्तीसगढ़ और पंजाब जैसे राज्य भी शामिल हैं। लेंसकार्ट विजन केयर में सबसे बड़े रिटेल नेटवर्क के साथ भारत में सबसे बड़ा आईवियर ब्रांड है और गणतंत्र दिवस के लॉन्च के साथ इसका उद्देश्य देश में नेटवर्क का और विस्तार करना और उसे मजबूत करना है।

इस अवसर पर लेंसकार्ट के सह-संस्थापक अमित चौधरी ने कहा कि हमें 73वें गणतंत्र दिवस पर एक ही दिन में देश में 73 स्टोर लॉन्च करने की बड़ी खुशी है। लेंसकार्ट में हमारा विजन लोगों के दुनिया को देखने और अनुभव करने के तरीके को बदलना है और इन नए आउटलेट्स के खुलने से अधिक से अधिक लोग लेंसकार्ट के ऑफर तक पहुंच सकते हैं। हमारा लक्ष्य 2027 तक वैश्विक स्तर पर 1 अरब लोगों के विजन को सक्षम बनाना है और यह उस दिशा में एक सकारात्मक कदम है।

लेंसकार्ट के रिटेल विस्तार के मुख्य अधिकारी सुनील मेनन ने कहा कि लेंसकार्ट अपने खुदरा स्टोरों का तेजी से विस्तार कर रहा है और हम इसे आने वाले 2-3 वर्षों में भी जारी रखेंगे। इससे हमारे ब्रांड को मजबूती मिलेगी। इसके अलावा, हम सभी स्टोरों पर अपने ओमनीचैनल को मजबूत कर रहे हैं ताकि हम अपने ग्राहकों को अधिक कुशल और बेहतर खरीदारी अनुभव प्रदान करना जारी रख सकें।

उन्होंने आगे कहा कि भारत का खुदरा उद्योग दुनिया के बाकी हिस्सों की तुलना में अलग तरह से काम करता है। यहां के टियर 2 और टियर 3 शहरों में रहने वाले लोग अपने टियर 1 समकक्षों की तरह ऑनलाइन ई-कॉमर्स का उपयोग करने के अलावा एक रिटेल स्टोर का अनुभव प्राप्त करना पसंद करते हैं। हम लेंसकार्ट के फ्रैंचाइजी नेटवर्क विस्तार के माध्यम से इन टियर 2 और टियर 3 मार्केट में अपनी सेवा प्रदान करने के इच्छुक हैं क्योंकि हमारे लिए लोगों की आंखों की जांच सेवाओं तक पहुंचना सबसे ज्यादा मायने रखती है।

लेंसकार्ट वर्तमान में अपने ओमनी-चैनल शॉपिंग अनुभव के माध्यम से सालाना 7 मिलियन से अधिक ग्राहकों को सेवा प्रदान करता है, जिसमें ऑनलाइन स्टोर, मोबाइल ऐप और 900 से अधिक ओमनी-चैनल स्टोरफ्रंट शामिल हैं।

नेता उड़ा रहे कोरोना नियमों की धज्जियां

रविवार को जिले में हुए कई कार्यक्रमों में उड़ी कोरोना नियमों की धज्जियां

कविता। फरीदाबाद

एक राजनैतिक पार्टी के कार्यक्रम बिना मास्क के नेता और कार्यकर्ता

वैसे तो जिले में कोरोना के मरीजों की संख्या लगातार घट रही है, लेकिन रोजाना एक से दो मौतें भी जिले में हो रही हैं। इसी कड़ी में अब कोरोना के एक नए स्ट्रेन की घोषणा कर दी गई है। लेकिन चुनावों को देखते हुए विभिन्न पार्टियों के नेताओं ने जनसम्पर्क अभियान चलाते हुए अपनी-अपनी पार्टियों में लोगों को शामिल करना शुरू कर दिया है। जिसे देखते हुए रोजाना सभाएं की जा रही है। वहीं लोगों के घरों में पहुंचकर वह अपनी पार्टी में सदस्यों की संख्या बढ़ा रहे है, लेकिन इस जनसम्पर्क के दौरान वह कोरोना नियमों की जमकर धज्जियां उड़ा रहे हैं।

ऐसे में आम जनता को इस महामारी से आज भी छुटकारा नहीं मिल पा रहा है। रविवार को भी जिले में विभिन्न पार्टियों द्वारा कई कार्यक्रम आयोजित किए गए। जिसमें पूरे दिन कोरोना के नियमों की धज्जियां उड़ते हुए साफ देखा गया। यहीं स्थिति शहर के बाजारों और सार्वजनिक स्थानों की है।

जानकारी के मुताबिक जहां एक तरफ उत्तर प्रदेश में चुनाव होने वाले है,वहीं दूसरी तरफ जिले में भी नगर निगम के चुनावो की चर्चाएं शुरू हो गई है। महीने दो महीने में निगम के चुनाव होने की बात कही जा रही है। जिसे देखते हुए शहर में मौजूद विभिन्न पार्टियों के नेताओं ने लगातार जनसंपर्क अभियान शुरू कर दिया हैं।

रविवार को इस कड़ी में विभिन्न स्थानों पर कार्यक्रम आयोजित किए गए। जिसमें काफी संख्या में स्थानीय लोग पहुंचे। लोगों ने न तो मास्क पहना और न ही सोशल डिस्टेंसिंग का पालन किया। साथ ही मुजेसर में हुए एक कार्यक्रम में मंत्री जी के पहुंचने पर कोरोना नियमों की जमकर धज्जियां उड़ाई गई।

मंत्रीजी ने खुद भी नहीं पहना था मास्क

मुजेसर गांव में हुए एक निर्माण कार्य के दौरान जमकर कोरोना नियमों की धज्जियां उड़ाई गई। यहां मंत्रीजी ने मास्क स्वयं गर्दन पर लगाया हुआ था। वहां मौजूद लोगों से भी मास्क लगाकर आने की अपील तक नहीं की। लोगों का हुजूम जहां मंत्री पहुंचे वहां इकट्ठा होता रहा और लोग एक दूसरे से बिना सोशल डिस्टेंसिंग के खड़े दिखाई पड़े। उद्घाटन के दौरान किसी ने भी मास्क नहीं लगा रखा था। अब सवाल यह उठता है कि जब मंत्री जी खुद कोरोना के प्रति जागरूक नहीं हैं तो वो दूसरों को कोरोना से बचने की सलाह कैसे दे सकते हैं।

गांजा पत्ती सहित एक आरोपी गिरफ्तार

फरीदाबाद। अपराध पर अंकुश लगाने व अपराधिक गतिविधियों में शामिल आरोपियों की धरपकड़ के संबंध में पुलिस कमिश्नर विकास कुमार अरोड़ा द्वारा दिए गए निर्देश पर क्राइम ब्रांच सेक्टर-17 की टीम ने कार्रवाई करते हुए आरोपी राहुल को गांजा पत्ती सहित काबू किया है। गिरफ्तार आरोपी राहुल बल्लभगढ़ के गांव नंगला जोगियान का रहने वाला है।

पुलिस प्रवक्ता सूबे सिंह ने जानकारी देते हुए बताया कि आरोपी राहुल को गुप्त सूत्रों से प्राप्त सूचना के आधार पर थाना सेक्टर-58 क्षेत्र से 824 ग्राम गांजा सहित गिरफ्तार किया है। आरोपी के खिलाफ थाना सेक्टर-58 में मुकदमा दर्ज कर कार्रवाई की गई है। पूछताछ पर आरोपी ने बताया कि वह एक रामवीर नाम के व्यक्ति के गांजा पत्ती लेता है।

संक्षिप्त समाचार

गांव शाहाबाद में करोड़ों रुपये के होंगे विकास कार्य: नागर

गांव शाहाबाद में स्थानीय लोगों की समस्याएं सुनने पहुंचे विधायक राजेश नागर।

फरीदाबाद। तिगांव से भाजपा विधायक राजेश नागर ने रविवार को गांव शाहाबाद में लोगों की समस्याएं सुनीं और मौके पर ही उनका निदान करने का प्रयास किया। इस अवसर पर विधायक ने बताया कि आपके गांव के विकास के लिए बजट आ गया है, जल्द ही इनपर काम शुरू हो जाएगा। विधायक ने बताया कि गांव में 6 एकड़ भूमि पर करीब पांच करोड़ की लागत से स्टेडियम बनेगा, वहीं चार करोड़ की लागत से सिटी डेवलपमेंट सेंटर भी बनाया जाएगा। इसके अलावा गांव शाहाबाद से भैंसरावली रोड निर्माण कार्य पर एक करोड़ 27 लाख रुपए और 40 लाख की लागत से हाई मास्क और सोलर लाइटों के कार्य भी होंगे। इस अवसर पर स्थानीय लोगों ने शाहाबाद से ताजूपुर रोड बनाने की भी मांग की, जिस पर विधायक ने मौके पर ही अधिकारियों को फोन कर इस कार्य को तुरंत शुरू करने की बात कही।

तेरापंथ महिला मंडल ने आयोजित किया कार्यक्रम

सेक्टर-10 तेरापंथ भवन में आयोजित अमृत सिंचन कार्यक्रम में मौजूद तेरापंथ महिला मंडल की सदस्या।

फरीदाबाद। तेरा पंथ महिला मंडल ने डीएलएफ सेक्टर-10 स्थित तेरापंथ भवन में साध्वी प्रमुखाजी के मनोनयन अवसर पर उनकी अभिवंदना में अमृत सिंचन कार्यक्रम आयोजित किया। जिसमें उनके जीवन की विरल घटनाओं को कथानक के माध्यम से दर्शाया गया। महिला मंडल की अध्यक्षा सुमंगला बोरड ने अपने अध्यक्षीय वक्तव्य में कहा कि साध्वी प्रमुखा महाश्रमणी कनक प्रभा को सन 1972 में उनकी असाधारण क्षमताओं को देखते हुए प्रमुखा पद पर सुशोभित किया गया था। उनके विलक्षण नेतृत्व को 50 साल हो गए हैं। उन्होंने अपने यह स्वर्णिम 50 साल में समाज के विकास में विशेष योगदान दिया। पूरे देश में पदयात्रा कर प्रवचनों के माध्यम से सत्य, अहिंसा, नैतिकता की गंगा बहाई है। महिला समाज के विकास व संगठन में विशेष भूमिका निभाई। श्रद्धाभाव से उनके गुणों को स्मरण करते हुए महिलामंडल ने सरस्वती स्वरूपा साध्वीप्रमुखाजी की अभिवंदना की। इस अवसर पर कमला लुनिया, अंजु बैद, सुनीता नाहटा, चंदा दुगड़, ललिता बैद, सरिता भंसाली, खुशबु सेठिया, कन्यामंडल से भूमिका सहित काफी संख्या में महिलाओं और कन्याओं ने उपस्थित होकर साध्वीप्रमुखाजी का मनोनयन दिवस भक्तिपूर्वक मनाया।

गरीब के हक की लड़ाई लड़ेगी तृणमूल कांग्रेस

फरीदाबाद। तृणमूल कांग्रेस का संगठन हरियाणा सहित फरीदाबाद में निरंतर बढ़ता जा रहा है। इसी कड़ी में रविवार को गांव सीही स्थित रविदास भवन में लोक जनशक्ति पार्टी के जिलाध्यक्ष भगत सिंह, रोहताश, राहुल, धर्मसिंह व अर्जुन सिंह ने अपनी टीम के साथ तृणमूल कांग्रेस में शामिल होने की घोषणा की। इस मौके पर टीएमसी के वरिष्ठ नेता एवं पूर्व लोकसभा प्रत्याशी पंडित राजेंद्र शर्मा ने टीएमसी में शामिल हुए सभी लोगों को पार्टी का पटका पहनाया और उन्हें विश्वास दिलाया कि उन्हें यहां पूरा मान सम्मान दिया जाएगा। इस मौके पर उपस्थितजनों को संबोधित करते हुए पंडित राजेंद्र शर्मा ने कहा कि भाजपा, कांग्रेस, इनेलो व जजपा सभी एक सिक्के के दो पहलू है, इन सभी ने अपने स्वार्थ की राजनीति की है और सत्ता प्राप्ति के बाद किसान, मजदूर, कमेरा वर्ग, पिछड़े और दलितों का शोषण किया है। पंडित राजेंद्र शर्मा ने पार्टी में शामिल सभी लोगों से कहा कि वह टीएमसी को मजबूत करने के लिए अधिक से अधिक लोगों को पार्टी से जोड़ें और इसे मजबूत करने की कवायद में जुट जाएं। इस अवसर पर महावीर तंवर, गजेंद्र सिंह, सरदार निरंजन सिंह, मोहिनी सिंह, धर्मपाल, बीआर शर्मा, बसंत करदम सहित अनेकों गणमान्य लोग मौजूद रहे।

रक्तदान सबसे बड़ा पुण्य का कार्य: विकास

सेक्टर-70 स्थित आगमन सोसायटी में आयोजित शिविर में रक्तदान करते समाजसेवी।

फरीदाबाद। जिला रेडक्रॉस सोसायटी एवं जय सेवा फाउंडेशन, रामा कृष्णा फाउंडेशन के संयुक्त तत्वावधान में आगमन सोसायटी सेक्टर 70 में रक्त दान शिविर का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में बतौर मुख्य अतिथि रेडक्रॉस सचिव विकास कुमार, विशिष्ट अतिथि के रूप में ब्लड कोऑर्डिनेटर विमल खंडेलवाल ने पहुंचकर रक्तदाताओं का उत्साह वर्धन किया। कार्यक्रम की अध्यक्षता आरआरएस प्रांत प्रमुख गंगा शंकर मिश्र के द्वारा की गई। उन्होंने बताया कि हर मनुष्य का दायित्व बनता है एक दूसरे का सहयोग करना। लोगों को रक्तदान के प्रति जागरूक करें। हम सभी लोगों को मिलकर मानव धर्म एवं अपना सामाजिक दायित्व अवश्य निभाना चाहिए। कार्यक्रम में उपस्थित प्राची, ज्योति, अजय, राहुल, रविंद्र खंडेलवाल, प्रफुल्ल शर्मा, मुकेश वर्मा एवं समाज के अन्य प्रबुद्ध लोग उपस्थित थे।

कार्यकर्ता को बूथ मजबूत करने के लिए किया प्रेरित

फरीदाबाद। मन की बात कार्यक्रम पृथला विधानसभा क्षेत्र के पोलिंग बूथ नम्बर-66 पर किसान मोर्चा के महामंत्री सोहन पाल छौकर के बूथ पर सम्पन्न हुई। इस कार्यक्रम में मुख्य रूप से संगठन महामंत्री रविन्द्र राजू, केन्द्रीय तम्बाकू बोर्ड के चेयरमैन रघुनाथ बाबू, पोलिंग बूथ अध्यक्ष जगबीर सैनी, बीएलए-2 नरेश कुमार सहित बूथ के कार्यकर्ता उपस्थित थे। उपस्थित कार्यकर्ताओं को सम्बोधित करते हुए संगठन महामंत्री रविन्द्र राजू ने कहा कि प्रत्येक कार्यकर्ता को अपने बूथ को मजबूत करने पर जोर देना चाहिए। कुछ दिन पहले ही हमने गणतंत्र दिवस भी मनाया। राजपथ पर हमने देश के शौर्य और सामर्थ्य की जो झांकी देखी, उसने सबको गर्व और उत्साह से भर दिया है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कहा कि देश में अभी पद्म सम्मान की भी घोषणा हुई। पुरस्कार पाने वालों में कई ऐसे नाम भी हैं, जिनके बारे में बहुत कम लोग जानते हैं। ये हमारे देश के अनसंग हीरो हैं, जिन्होंने साधारण परिस्थितियों में असाधारण काम किए आप जरूर इनके बारे में जानने की कोशिश करिए।

बल्लभगढ़ में लाखों के विकास कार्यों का हुआ शुभारम्भ

फरीदाबाद/बल्लभगढ़। कैबिनेट मंत्री मूलचंद शर्मा ने रविवार को भीकम कालोनी में आरएमसी रोड़ और मुजेसर आर एमसी नालों के कार्य शुभारंभ करीब आधा करोड़ रुपये धनराशि के विकास कार्यों सौगात दी है। परिवहन मंत्री पंडित मूलचंद शर्मा ने भीकम कालोनी में लगभग 10 लाख रुपये की धनराशि से बनने वाली आरएमसी रोड़ गलियों और मुजेसर के ओद्यौगिक क्षेत्र में 46 लाख रुपये की धनराशि से बनने वाले आरएमसी नालों के कार्यों का शुभारंभ/ शिलान्यास किया है। वहीं बल्लभगढ़ के मोहना रोड पर उदासीन आश्रम में मियां वाली संस्था द्वारा गरीब लोगों को कम्बल वितरण कार्यक्रम में बतौर मुख्य अतिथि के रूप में शिरकत की। प्रदेश के परिवहन,खनन विभाग के कैबिनेट मंत्री पंडित मूलचंद शर्मा ने कहा कि प्रदेश सरकार में विकास कार्यों के लिए धन की कोई कमी नहीं है। उन्होंने कहा कि बल्लभगढ़ की विभिन्न कालोनियों, औद्योगिक क्षेत्र व सेक्टरों में आईएमटी की तर्ज पर जमकर विकास कार्य चल रहे हैं। प्रदेश के मुख्यमंत्री मनोहर लाल ने बल्लभगढ़ विधानसभा क्षेत्र में विकास कार्यों के लिए खजाने के द्वार खोल रखें है।

राजपथ पर उतरी हरियाणा की झांकी के लिए करें वोटिंग

पायनियर समाचार सेवा। फरीदाबाद

गणतंत्र दिवस पर दिल्ली के राजपथ पर उतारी गई हरियाणा की मनोरम झांकी।

गणतंत्र दिवस के अवसर पर 'हरियाणा-खेलों में नंबर-वन' की थीम पर आधारित हरियाणा की झांकी ने ओलंपिक की यादें एक बार फिर ताजा कर दीं। इस झांकी ने हरियाणा वासियों सहित देश की जनता में जोश भर दिया। जब झांकी की पहली झलक देशवासियों ने देखी तो लगा मानो उनके सामने कोई अंतरराष्ट्रीय खेल प्रतियोगिता हो रही है, जिसमें भारतीय खिलाडियों ने जीत का परचम लहराकर तिरंगे को फहराया हो। साथ ही दुनिया के पटल पर भारत का मान बढ़ाया हो।

जिला सूचना एवं जनसंपर्क अधिकारी राकेश गौतम ने बताया कि झांकी की सबसे खासियत यह थी कि इसमें योगेश्वर दत्त, बजरंग पूनिया, कुमारी रानी रामपाल और सुमित अंतिल सहित कई अंतरराष्ट्रीय स्तर के खिलाड़ियों की मौजूदगी रही। इन खिलाड़ियों ने ओलंपिक से लेकर एशियन और राष्ट्रमंडल खेलों में पदक जीतकर देश का मान बढ़ाया है। झांकी के माध्यम से देश के सभी राज्यों व अन्य राष्ट्रों को न केवल हरियाणा की खेल प्रतिभाओं से नई प्रेरणा मिली बल्कि वे इस छोटे से राज्य की बड़ी उपलब्धियों के भी साक्षी बने। राजपथ पर आकर्षण का केंद्र रही हरियाणा की यह झांकी अब (बेस्ट टैबल्यू) प्रतियोगिता में दूसरे राज्यों की झांकियों को कड़ी टक्कर दे रही हैं। उन्होंने आमजन से बढ़ चढ़ कर हरियाणा की झांकी के लिए वोट करने की अपील की है।

हरियाणा की झांकी के लिए करें वोट : हरियाणा की इस झांकी के लिए वोटिंग जारी है। हरियाणा की झांकी को वोट करने के लिए सबसे पहले https://mygov.in/group-poll/vote-your-favorite-tableau-republic-day-2022/ या https://t.co/nCapqFOBvP पर जाएं। मोबाइल नंबर के जरिए ओटीपी से साइन इन करें। इसके बाद Tableau के पोल पर जाएं। इसमें State Tableau के विकल्प पर जाकर तीन नंबर पर हरियाणा के लिए वोट करें। जिला सूचना एवं जनसंपर्क अधिकारी राकेश गौतम ने बताया कि 'विजय रथ' रूपी इस झांकी को महानिदेशक डा. अमित कुमार अग्रवाल के मार्गदर्शन में सूचना, जनसंपर्क एवं भाषा विभाग ने अथक मेहनत से तैयार किया था।

दो हिस्सों में बनी हरियाणा की झांकी के अगले हिस्से में घोड़े व भारतीय सभ्यता एवं संस्कृति के प्रतीक शंख थे। घोड़ों से जुता रथ महाभारत युद्ध के विजय रथ का प्रतीक है। यहां रखा शंख भगवान श्रीकृष्ण के शंख का प्रतीक है। झांकी के दूसरे हिस्से को चार भागों में बांटा गया था। इसके पहले भाग में ओलंपिक की तर्ज पर बने अखाड़े में दो पहलवान कुश्ती का प्रदर्शन कर रहे थे। इसके पीछे के दो हिस्सों में अंतरराष्ट्रीय स्तर के हरियाणा के 10 ख्याति प्राप्त खिलाड़ी खड़े थे। झांकी के अंतिम हिस्से पर भाला फेंकने की मुद्रा में ओलंपियन नीरज चोपड़ा की आदमकद प्रतिकृति थी तो झांकी के दोनों ओर हाई रिलीफ में हरियाणा के चुनिंदा खेलों जैसे बॉक्सिंग, वेट लिफ्टिंग, शूटिंग, डिस्कस थ्रो व हॉकी के खिलाड़ियों की गतिविधियों को उकेरा गया था।

भाजपा छोड़ हितेश ने थामा आप का दामन

भाजपा छोड कर आम आदमी पार्टी में शामिल होने के दौरान हितेश पाल्टा।

पायनियर समाचार सेवा। फरीदाबाद

पंजाब में बनने जा रही है आम आदमी पार्टी की सरकार: भड़ाना

भाजपा छोड़ हितेश पाल्टा ने रविवार को आम आदमी पार्टी का दामन थामा। आप पार्टी जिलाध्यक्ष धर्मबीर भड़ाना ने हितेश पालता को टोपी एवं पटका पहनकर पार्टी की सदस्यता ग्रहण कराई।

हितेश पाल्टा भाजपा किसान मोर्चा में पदाधिकारी रहे हैं। भाजपा सरकार की नीतियों एवं अनदेखी के चलते उन्होंने रविवार को आम आदमी पार्टी का दामन थामा। इस मौके पर प्रेसवार्ता को संबोधित करते हुए हितेश पाल्टा ने कहा कि आज वो भारतीय जनता पार्टी को त्यागकर आम आदमी पार्टी में शामिल हो रहे हैं। भाजपा द्वारा किसान भाईयों के विपक्ष में बनी नीतियों ने भी मुझे ये कदम उठाने पर मजबूर कर दिया है। आप पार्टी के शिक्षा व स्वास्थ्य के कार्यों से मैं काफी प्रभावित हूं। इस मौके पर जिलाध्यक्ष धरमबीर भड़ाना ने कहा कि दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल एवं राज्यसभा सांसद डॉक्टर सुशील गुप्ता की नीतियों से आज हर कोई प्रभावित है। भाजपा सरकार से आज हर किसी का मोहभंग हो चुका है, पूरे देश में भारतीय जनता पार्टी पराजय की तरफ जा रही है। इस मौके पर विनोद भाटी, जिला संगठन मंत्री भीम यादव, जिला सचिव विनय यादव, साउथ जोन प्रवक्ता राहुल बैंसला, युथ जिला अध्यक्ष बृजेश नागर, साउथ जोन सचिव वीना वशिष्ठ आदि मौजूद थे।

कोरोना: एक मौत, 222 पॉजिटिव और 833 स्वस्थ

जिले में 5713 ने लगवाया टीका

पायनियर समाचार सेवा। फरीदाबाद

कोरोना जांच करवाती महिला

जिले में कोरोना महामारी को रोकने के लिए स्वास्थ्य विभाग अधिक से वैक्सीनेशन कैम्प लगा रहा है। वहीं दूसरी तरफ सैम्पल लेने पर जोर दे रहा है। इसी कड़ी में शहर में लगे विभिन्न वैक्सीनेशन कैम्पों में 5713 नागरिकों को वैक्सीन लगाई गई, तो पिछले 24 घंटे में 2538 सैम्पल जांच किए गए।

राहत की बात यह की जिले में रविवार 833 मरीज पूरी तरह से ठीक हो गए। लेकिन 222 नए कोरोना संक्रमित आने से कोविड-19 का आंकड़ा जिले में 123709 पर पहुंच गया। जिसमें जिले में 118654 मरीज पूरी तरह से ठीक हो चुके है। वहीं रविवार को एक मौत होने से 735 मरीजों की मौत की पुष्टि जिला स्वास्थ्य विभाग ने की है। वहीं फिलहाल जिले में 4320 एक्टिव केस ही बचे है। जिसमें 4222 मरीज होम आईसोलेशन में है, तो वहीं 98 मरीज अस्पताल में भर्ती है। जिसमें 15 ऑक्सीजन पर है, 22 आईसीयू में भर्ती हैं। जोकि विभिन्न बीमारियों से ग्रस्त है। वहीं छह मरीजों को वैंटीलेटर पर रखा गया है। पिछले दिनों लिए गए सैम्पलों में 2618 सरकारी और 537 निजी प्रयोगशालाओं के मरीजों की रिपोर्ट आनी शेष है।

पत्ती फंसाकर एटीएम से नकदी चुराने वाला गिरोह गिरफ्तार

पायनियर समाचार सेवा। फरीदाबाद

एटीएम में पत्ती फंसा कर ठगी करने के आरोप में गिरफ्तार युवक कैफ और रफीक।

पुलिस चौकी चावला कॉलोनी की टीम ने एटीएम मशीन के साथ छेड़छाड़ करके पैसे निकालने के जुर्म में दो आरोपियों को गिरफ्तार किया है।

पुलिस प्रवक्ता सूबे सिंह ने जानकारी देते हुए बताया कि गिरफ्तार किए गए आरोपियों का नाम कैफ तथा रफीक हैं। जो मेवात के सापनकी हथीन गांव के रहने वाले हैं। एटीएम की सर्विस करने वाली क्लीयर सिक्योर्ड सर्विस कम्पनी में सुपरवाइजर पद पर तैनात सतीश ने पुलिस को दी शिकायत में बताया कि उनकी कंपनी पूरे भारत में एटीएम सर्विस का काम करती है। आज वह चावला कॉलोनी के गुरुद्वारा चौक स्थित एक्सिस बैंक के एटीएम को चेक करने आया था। एटीएम के अंदर जाकर देखा तो एटीएम मशीन की शटर असेंबली खुली हुई थी। उसमें एक स्टील की पत्ती फंसी हुई दिखाई दी। आसपास पूछताछ करने पर एक व्यक्ति ने आकर उन्हें बताया कि उसने इस एटीएम से 2000 रुपये निकाले थे परंतु उसके पैसे नहीं निकले परंतु अकाउंट से उसके पैसे कट चुके थे। सुपरवाइजर को शक हुआ तो दोनों व्यक्तियों एटीएम के बाहर खड़े हो गए और निगरानी करने लगे। कुछ समय पश्चात दोनों आरोपी मोटरसाइकिल पर सवार होकर उसी एटीएम के पास पहुंचे। एक आरोपी एटीएम के अंदर गया और स्टील की पत्ती को निकालकर पैसे निकालने की कोशिश करने लगा तो वहां पर मौजूद दोनों व्यक्तियों ने आरोपी को पकड़ लिया और पुलिस को इसकी सूचना दे दी। पुलिस टीम मौके पर पहुंची और आरोपियों दोनों आरोपियों को काबू कर लिया। पूछताछ में आरोपियों ने बताया कि स्टील की पत्ती लगाने की वजह से एटीएम से निकलने वाले पैसे उसमें फंस जाते हैं और कस्टमर को लगता है कि उसके पैसे निकले नहीं लेकिन उसके अकाउंट से कट जाते थे।

आरोपियों से दो मामलों में ऐसे ही चुराए गए 12 हजार रुपये बरामद किए

चोरी के सामान सहित युवक गिरफ्तार

फरीदाबाद। पुलिस चौकी-3 नंबर इंचार्ज सब इंस्पेक्टर सोमपाल की टीम ने रात्रि गश्त के दौरान कंट्रोल रूम से प्राप्त सूचना पर मकान में चोरी करते हुए आरोपी सुनील को काबू किया। गिरफ्तार आरोपी सुनील नेहरू कॉलोनी डबुआ का रहने वाला है।

पुलिस प्रवक्ता सूबे सिंह ने जानकारी देते हुए बताया कि पुलिस टीम रात्रि गश्त पर थी। रात्रि करीब 3.30 बजे पुलिस टीम को चोरी की सूचना प्राप्त हुई। सूचना पाते ही पुलिस टीम मौके पर पहुंची। मौके पर ही ईआरवी टीम को भी बुलाया गया। दोनों तरफ से रास्ते को रोका। पुलिस टीम ने देखा कि चोर चोरी के तार और ऐसी के सामान सहित दूसरी मंजिल से ही कूद गया। पुलिस टीम ने मौके पर आरोपी को चोरी के सामान सहित काबू कर लिया है। पुलिस पूछताछ में पता चला कि आरोपी पर पूर्व में तीन मुकदमे दर्ज हैं। जिनमें दो मुकदमे थाना डबुआ में चोरी के और एक अवैध हथियार का है।

भाजपा ने किया देश-प्रदेश का चहुंमुखी विकास

पायनियर समाचार सेवा। फरीदाबाद

सेक्टर-11 स्थित मिलन वटिका में आयोजित कार्यक्रम में हरियाणा के कैबिनेट मंत्री डॉ. कमल गुप्ता का स्वागत करते जिला अध्यक्ष गोपाल शर्मा, परिवाहन मंत्री मूलचंद शर्मा, रविन्द्र राजू विधयक नरेन्द्र गुप्ता व मेयर सुमन बाला।

भारतीय जनता पार्टी फरीदाबाद के जिला अध्यक्ष गोपाल शर्मा के नेतृत्व में हरियाणा के कैबिनेट मंत्री डॉक्टर कमल गुप्ता और प्रदेश संगठन महामंत्री रविन्द्र राजू ने भाजपा जिला फरीदाबाद के पदाधिकारियों की बैठक ली। बैठक में कैबिनेट मंत्री मूलचन्द शर्मा, विधायक सीमा त्रिखा, नरेंद्र गुप्ता, मुख्यमंत्री के राजनैतिक सचिव अजय गौड़, महापौर सुमन बाला, अनुशासन समिति की प्रदेश अध्यक्षा नीरा तोमर, जिला महामंत्री मूलचंद मित्तल व आरएन सिंह मुख्य तौर पर उपस्थित रहे।

कैबिनेट मंत्री का पदभार संभालने के बाद पहली बार फरीदाबाद आगमन पर भाजपा जिला अध्यक्ष गोपाल शर्मा, कैबिनेट मंत्री मूलचन्द शर्मा और भाजपा कार्यकर्ताओं ने कैबिनेट मंत्री डॉक्टर कमल गुप्ता का जोरदार स्वागत किया। बैठक में प्रदेश संगठन महामंत्री रविन्द्र राजू और कैबिनेट मंत्री डॉक्टर कमल गुप्ता ने फरीदाबाद के सभी 20 मंडल के प्रभारियों, पालकों, मंडल अध्यक्ष और महामंत्रियों के साथ बैठक कर जिला सगंठन विस्तार एंव सुदृढीकरण को लेकर विस्तृत चर्चा की। डॉक्टर कमल गुप्ता ने फरीदाबाद की सभी विधानसभाओं में त्रिदेव सम्मलेन, त्रिदेव सत्यापन, संगठन विस्तार, शक्ति केन्द्र व बूथ स्तर पर प्रवास, संगठन की कार्य पद्धति आदि संगठनात्मक विषयों पर मार्गदर्शन दिया। डॉक्टर कमल गुप्ता ने कहा कि भाजपा विश्व का सर्वश्रेष्ठ लोकतांत्रिक,राजनीतिक संगठन है, जिसके कारण देश और प्रदेश में हम सत्ता में हैं और यह भाजपा के कर्मठ कार्यकर्ताओं के कारण मुमकिन हुआ है। उन्होंने कार्यकर्ताओं को मेरा बूथ सबसे मजबूत का पाठ पढाया। कहा कि पिछले सात सालों में भाजपा सरकार के कार्यकाल में देश व प्रदेश का चहुंमुखी विकास हुआ है। सैकड़ों जनहितकारी व कल्याणकारी योजनाओं के माध्यम से अन्त्योदय के मूल मंत्र पर चलकर किसान, गरीब, मजदूर व कतार के अंतिम व्यक्ति का विकास कर उनको सशक्त किया जा रहा है। प्रदेश संगठन महामंत्री रविन्द्र राजू ने कार्यकर्ताओं को संगठन का पाठ पढ़ाते हुए कहा कि लोक संपर्क, लोक सग्रंह,लोक संवाद,लोक योजना के तहत कार्यकर्ताओं को कार्य करना चाहिए।

कार्यकर्ताओं को सम्पर्क और संवाद के जरिए संगठन को मजबूत करने का कार्य, संगठन की मोर्चाबंदी को मजबूत रखना और अपनी सकारात्मक कार्य पद्धति से संगठन को आगे बढ़ाने का कार्य भाजपा कार्यकर्ताओं को लगातार करना है। महीने के आखिरी रविवार को प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के मन की बात कार्यक्रम को भाजपा के सभी कार्यकर्ता प्रत्येक बूथ पर सुने और हर बूथ पर कार्यक्रम आयोजित कर लोगों को सुनाएं। जिला अध्यक्ष गोपाल शर्मा ने कहा कि प्रदेश संगठन महामंत्री रविन्द्र राजू और कैबिनेट मंत्री डॉक्टर कमल गुप्ता ने कार्यकर्ताओं को संगठन का पाठ पढ़ाया।

भाजपा कार्यकर्ता सम्पर्क और संवाद के जरिए संगठन को करें मजबूत: रविन्द्र राजू

जांच के दौरान एक वाहन चोर गिरफ्तार

आरोपी से चोरी की बाइक बरामद हुई

पायनियर समाचार सेवा। फरीदाबाद

वाहन चोरी के आरोप में गिरफ्तार युवक मल्लू खान।

तिगांव थाना प्रबंधक सतपाल की टीम नाका लगाकर वाहन चेकिंग कर रही थी। पुलिस टीम ने चेकिंग के दौरान चोरी की मोटरसाइकिल सहित आरोपी मल्लू खान को नाके पर काबू किया है।

पुलिस प्रवक्ता सूबे सिंह ने जानकारी देते हुए बताया कि थाना तिगांव में धर्मवीर निवासी तिगांव ने अपनी मोटरसाइकिल चोरी होने की शिकायत दी थी। जिस पर चोरी का मामला दर्ज कर मोटरसाइकिल की तलाश की जा रही थी। बदरोला रोड तिगांव पर कानून व्यवस्था व संदिग्ध की धरपकड़ के संबंध में नाका लगाया हुआ था। नाके पर सहायक उपनिरीक्षक सुखविंदर टीम के साथ मोजूद था। नाके की तरफ एक व्यक्ति मोटरसाइकिल लेकर आता दिखाई दिया। मोटरसाइकिल की नंबर प्लेट मुड़ी हुई थी। चेकिंग करने के लिए रोका तो तो आरोपी मोटरसाइकिल को छोड़कर भागने लगा। जो पुलिस टीम ने आरोपी को मौके पर ही काबू कर लिया।

आरोपी से नाम पता पूछने पर पता चला कि आरोपी उत्तर प्रदेश के गौतम बुध नगर के गांव मिलोनी मिर्जापुर का रहने वाला है। आरोपी ने मोटरसाइकिल को आधाना पट्टी तिगांव एक घर के बाहर से चोरी किया था। आरोपी को चोरी के मुकदमे में गिरफ्तार कर पेश अदालत किया।

बंद स्कूल
प्रभावित शिक्षा

अभी किसी क्षेत्र को यह स्पष्ट नहीं है कि स्कूल पुन: खोलना ठीक होगा या नहीं। उम्मीद थी कि भारतीय सार्स-कोव 2 जीनोमिक्स कंसोर्टियम-इन्साकाग या राष्ट्रीय कोविड टास्क फोर्स या महामारीविज्ञानियों व वायरसविज्ञानियों की संस्था कम से कम अब स्कूल पुन: खोलने के मामले में अपना दृष्टिकोण स्पष्ट करेगी। लेकिन दुर्भाग्य से ऐसा नहीं हुआ है। स्कूल लगभग पूरे 2020 व अधिकांश 2021 वर्ष में बंद रहे हैं। कुछ राज्यों में दूसरी लहर के बाद वे खुलना शुरू हुए, पर ओमीक्रान सामने आने के बाद फिर बंद हो गए। वैज्ञानिकों का अनुमान है कि वर्तमान लहर तेजी से घट रही है, पर वे हमें यह नहीं बताना चाहते हैं कि क्या बच्चों का स्कूल लौटना सुरक्षित है। हालांकि, नियंत्रण हटाए जा रहे हैं, पर कोई राज्य सरकार स्कूल पुन: खोलने का फैसला लेने को तैयार नहीं है। क्या ऐसा कुछ है जिसे हम नहीं जानते, पर जानना चाहते हैं? अथवा कोई यह नहीं जानना चाहता है क्योंकि कोई यह जोखिम नहीं उठाना चाहता है कि स्कूल पुन: खोलने से संक्रमण फैलने का खतरा बढ़ेगा या नहीं? बच्चों और उनके माता-पिता को इस बारे में स्पष्टीकरण चाहिए। 600 से अधिक दिनों से बच्चे स्कूल नहीं जा रहे हैं, उनको कक्षाओं में अध्ययन से दूर रखा गया है तथा जबरन घरों में एकांतवास के लिए मजबूर किया गया है, जबकि उनकी कोई गलती नहीं है। इससे वे मानसिक परेशानियों के शिकार हो गए हैं। हम आमतौर से वैज्ञानिकों से सुनते हैं कि बच्चों का प्रतिरक्षण तंत्र मजबूत होता है जो उनको आसानी से संक्रमित होने से बचाता है। इसके उलट महीनों तक घर पर अलग-थलग रहने या शारीरिक गतिविधि के अभाव में उनकी प्रतिरक्षक क्षमता घटी है।

इस बारे में कोई डेटा नहीं है कि बच्चे कैसे संक्रमण का सामना करते हैं या इस बारे में कोई सर्वेक्षण नहीं है कि स्कूलों में कठोरतम सावधानियों से बच्चों के टीकाकृत होने तक संक्रमण से बचा जा सकता है। बड़ी सीमा तक स्कूल पुन: खोलने के बारे में सरकार की झिझक समझी जा सकती है, क्योंकि बच्चे आज जनसंख्या का एकमात्र ऐसा हिस्सा है जिनके लिए वैक्सीन नहीं है। अब 15 वर्ष से अधिक आयु वालों को टीके की पहली खूराक दी जा रही है। दो साल से बडे बच्चों के लिए वैक्सीनों की अभी और प्रतीक्षा करनी होगी। संभवत: गरमी की शुरुआत तक यही स्थिति बनी रहेगी जब उनको पांच वैक्सीनें उपलब्ध होंगी। इनमें कैडिला हेल्थकेयर की जायकोव-डी, भारत बायोटेक की कोवैक्सिन, सीरम इंस्टीट्यूट की कोवैक्स, बायोलोजिकल ई की आरबीडी तथा जान्सन एंड जान्सन की 26कोव2एस वैक्सीन शामिल हैं। इस बीच बच्चों में शिक्षा या ज्ञान प्राप्त करने के मामले में गिरावट का राष्ट्रीय आंकलन होना चाहिए तथा उसके संभावित मानक निर्धारित होने चाहिए। शिक्षा के आनलाइन तरीके के बारे में कमियों के बारे में सभी जानते हैं। गरीब परिवारों के बच्चे डिजिटल उपकरण न होने या उनको चलाने के लिए बिजली की उपलब्धता में कमी का शिकार हैं। माता-पिता ने यह पूछना शुरू कर दिया है कि आखिरकार शिक्षा को अर्थव्यवस्था की तरह 'आवश्यक' सेवा क्यों नहीं माना जा रहा है। उनको आश्चर्य होता है कि बार सबसे पहले खुलते हैं, पर स्कूल नहीं। उनका कहना है कि यह समझना नौसिखियापन है कि जब परिवार के लोग नियमित रूप से काम पर जा रहे हों तो बच्चे कैसे वायरस से बचेंगे। समय आ गया है कि स्कूल पुन: खोलने के बारे में निर्णय करते समय भावनाओं के बजाय तार्किकता से काम लिया जाए। कोई वैज्ञानिक कारण नहीं हैं कि स्कूलों को बंद रखा जाए।

भाजपा की मददगार मोदी-कैप्टन जोड़ी

अनेक विधानसभा चुनावों में अकेले मोदी भाजपा का चेहरा रहे हैं। लेकिन चुनाव जीतने के लिए अतिरिक्त व्यक्तित्व या मुद्दे की भी जरूरत हो सकती है।

अमिताभ शुक्ल
(लेखक दि पायनियर चंडीगढ़ के स्थानीय संपादक हैं)

पंजाब के मुख्यमंत्री चरणजीत सिंह चन्नी के रिश्तेदारों के घरों और बिजनेस परिसरों पर प्रवर्तन निदेशालय के छापे पड़े। यह उस प्रवृत्ति के अनुसार है, जिसका पालन केन्द्रीय एजेंसियां चुनाव वाले राज्यों में करती हैं। पंजाब के एक नेता ने इन छापों के समय पर सवाल उठाते हुए कहा, 'इससे काफी धुंआ सा उठता है, यह धुंआ काफी समय तक दिखता है, लेकिन इसका लक्षित लोगों की चुनाव संभावनाओं पर बहुत कम अथवा लगभग कोई प्रभाव नहीं पड़ता है।' उनका कहना है कि चुनावों की अधिघोषणा जारी होने तथा चुनाव प्रक्रिया शुरू होने के बाद इन छापों का क्या औचित्य है। राजनीति में गहराई तक जमे लोग जानते हैं कि ईडी या आयकर छापों या किसी अन्य केंद्रीय एजेंसी के छापे से भाजपा को चुनावों में कोई लाभ नहीं होता है क्योंकि प्रभावित लोगों द्वारा छापे के अगले दिन स्वयं को पीड़ित बताने के कारण इनकी आग बुझ जाती है। एजेंसियों द्वारा बरामदगी का हिसाब देने के अगले तीन-चार दिनों में धुंआ भी साफहो जाता है और एक सप्ताह में सारी धूल बैठ जाती है। इस प्रकार पंजाब में भाजपा को पूरी तरह प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी तथा दो बार मुख्यमंत्री रह चुके अमरिंदर सिंह की राजनीतिक क्षमता पर निर्भर रहना होगा जिनका कुल मिला कर राज्य के सर्वोच्च पद पर साढ़े नौ साल का कार्यकाल रहा है। जैसा कि हम अब तक समझ गए हैं, राष्ट्रपति प्रणाली जैसे चुनाव होने पर मोदी का अत्यधिक प्रभाव पड़ता है, जहां उनके कोई राजनीतिक प्रतिद्वंद्वी नहीं हैं और वे आसानी से दूसरों के बीच सर्वोच्च शिखर पर होते हैं। 2014 व 2019 में यही हुआ जब स्पष्ट रूप से मोदी बनाम अन्य का सवाल पैदा हुआ। स्पष्ट रूप से संयुक्त 'अन्य' भी मोदी का मुकाबला नहीं कर सके तथा परिणामों ने किसी को आश्चर्यचकित नहीं किया। इस मोर्चे पर 2022 में भी ज्यादा बदलाव नहीं हुआ है।

लेकिन इसके साथ ही कई राज्यों के विधानसभा चुनावों में स्पष्ट हो गया है कि केवल मोदी ही भाजपा का चेहरा नहीं हो सकते हैं और उनको विजय के लिए किसी अतिरिक्त चीज, अतिरिक्त व्यक्तित्व या अतिरिक्त मुद्दे की जरूरत होती है। प्रधानमंत्री के गृह राज्य गुजरात में कांग्रेस ने इस तथ्य के बावजूद बेहतर प्रदर्शन किया है कि मोदी और गृह मंत्री अमित शाह इसी राज्य से आते हैं। देश भर के राज्यों में अनेक ऐसे मुद्दे होते हैं जिनसे स्पष्ट होता है कि स्थानीय व क्षेत्रीय नेता अपने गृह क्षेत्रों में असर बनाए रखते हैं। चंडीगढ़ नगर निगम चुनावों में एकमात्र मोदी ही भाजपा का चेहरा थे, लेकिन पार्टी इस तथ्य के बावजूद बहुमत नहीं प्राप्त कर सकी कि वह पांच वर्ष से इस स्थानीय संस्था पर शासन कर रही थी। यह अलग बात है कि राजनीतिक पैंतरेबाजी के चलते वह 'अल्पसंख्यक' मेयर बनवाने में सफल रही, जबकि सदन में भाजपा की तुलना में आम आदमी पार्टी की दो सीटें अधिक थीं।

इस प्रकार पंजाब में मतदान प्रक्रिया और उसके परिणाम पर मोदी का ज्यादा प्रभाव पड़ने की संभावना नहीं है, भले ही उनके समर्थक चाहे जो कहें। चुनाव के पहले वे फिरोजपुर में घोषित रैली को संबोधित करने वाले थे, पर उसे बहु-प्रचारित सुरक्षा खामी के चलते रद्द करना पड़ा। हालांकि, उस दिन मौसम खराब था जिसने लोगों को बाहर न निकलने के लिए मजबूर किया, लेकिन रैली स्थल पर तीन कृषि कानून वापस लेने के बावजूद कम भीड़ से स्पष्ट होता है कि भाजपा को अभी पंजाबियों का विश्वास प्राप्त करने के लिए कई अन्य पुल पार करने होंगे। यह कमी पूरी करने के लिए एक चुनाव का समय बहुत कम है। इसमें काफी समय लगेगा और इसके लिए भाजपा को लगातार प्रयास करते हुए सही फार्मूले के साथ पंजाब में स्थानीय सोशल इंजीनियरिंग की जरूरत पड़ेगी। जहां तक कैप्टेन अमरिंदर सिंह का सवाल है, राज्य में बहुत से लोगों का विश्वास है कि पंजाब लोक कांग्रेस बनाने और भाजपा के साथ गठजोड़ करना सत्ता में पहुंचने का सुनिश्चित रास्ता नहीं है, बल्कि यह सुनिश्चित करने का प्रयास है कि उनको अपमानित करने वाली कांग्रेस चुनाव में पराजित हो। यह मानने वालों में कुछ अमरिंदर-समर्थक भी हैं। पुरानी पार्टी के बहुत से लोगों का यह भी मानना है कि संभावित त्रिशंकु सदन में लगभग आधा दर्जन विधायकों के साथ अमरिंदर महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकते हैं। चुनाव के बाद की संभावनाओं के किंतु-परंतु पर विचार करने के बजाय यह स्पष्ट है कि भाजपा राज्य के सिख समुदाय में अपना असर बढ़ाने के रोडमैप पर निकट भविष्य में काम करेगी।

चुनाव में शिअद या भाजपा एक-दूसरे पर हमले नहीं कर रहे हैं जिससे स्पष्ट है कि दोनों के बीच ज्यादा मतभेद नहीं हैं। यदि भाजपा विधानसभा चुनाव में बेहतर प्रदर्शन करती है तो वह 2024 के लोकसभा चुनाव में शिअद से बहुत ज्यादा सीटें मांगने में सफल होगी। अनेक भाजपा नेता यही सोचते हैं क्योंकि वयोवृद्ध कैप्टेन अमरिंदर राज्य में भावी राजनीतिक योजनाओं की कोई गारंटी नहीं दे सकते।

इस सीमान्त राज्य में उसका शिरोमणि अकाली दल के साथ दो दशक से अधिक समय तक गठबंधन रहा है और जूनियर पार्टनर के रूप में वह शहरी क्षेत्रों की 20 सीटों पर चुनाव लड़ा करती थी। दोनों पार्टियों ने एक-दूसरे की कमी पूरी की है, जहां भाजपा एक ऐसे राज्य में हिंदू दृष्टिकोण पेश करती थी जो 1980 के दशक तथा 1990 के दशकारंभ में चरमपंथ से अत्यधिक प्रभावित था। अब तीन कृषि कानून वापस लेने के बाद राज्य में राजनीतिक स्थितियां बदली हैं। कानूनों की अवधारणा बनने और अंतत: इनके पास होने के बाद भाजपा या शिरोमणि अकाली दल-शिअद में से किसी को अनुमान नहीं था कि राज्य में इसके क्या परिणाम होंगे। राज्य के सिख किसानों के दिल्ली सीमाओं पर एकत्र होने तथा दशकों में सर्वाधिक प्रभावी अहिंसक विरोध प्रदर्शन के बाद कृषि कानूनों का विरोध पंजाब में एक प्रकार का जनान्दोलन बन गया। ऐसे में कोई भी पार्टी इसे अनदेखा नहीं कर सकती थी क्योंकि इससे बहुत नुकसान होता। शिअद ने पहल करते हुए साझीदार भाजपा से अलग रास्ता अपनाया और उसकी प्रतिनिधि हरसिमरत कौर बादल ने मोदी कैबिनेट से इस्तीफा दे दिया।

जब भाजपा का शिअद से गठबंधन था, तब भी खासतौर से 2007 से 2017 के बीच दस साल के शासनकाल में भाजपा के भीतर से मांगें उठ रही थीं कि उसे स्वतंत्र रूप से चुनाव में जाना चाहिए। 2014 में मोदी के सर्वोच्च नेता बनने, कई राज्य चुनावों में भाजपा की विजय तथा देश की राजनीतिक परिस्थितियां बदलने के बाद ये स्वर और तेज हो गए। इस प्रकार दशकों में पहली बार 2022 में भाजपा बड़े भाई के साथ गठबंधन के बजाय कांग्रेस छोड़ने वाले पीएलसी प्रमुख अमरिंदर सिंह के साथ लगभग 65 सीटों पर चुनाव लड़ेगी। यदि भाजपा अच्छा प्रदर्शन करती है और एक नेता से दूसरे नेता के बीच अच्छे प्रदर्शन के मानक बदलते हैं तो पंजाब में नए ध्रुवीकरण की संभावना है। लेकिन यह भी तथ्य है कि अनेक कारणों से भाजपा ग्रामीण पंजाब में आगे बढ़ने में विफल रही है, ऐसे में इस पार्टी को लंबे संघर्ष व परिवर्तन की जरूरत है। शिअद के अनेक नेताओं का विश्वास है कि अमरिंदर सिंह की पीएलसी केवल चुनावी संरचना है और इसमें व भाजपा में कोई अंतर नहीं है अथवा यह बहुत कम है। इसका कारण यह है कि कृषि कानूनों पर मतभेद का अब कोई स्थान नहीं है। ऐसे में कोई आश्चर्य नहीं होगा कि 2024 में लोकसभा चुनाव के लिए शिअद का भाजपा से फिर गठबंधन हो जाए तथा 2022 विधानसभा चुनाव में दोनों के बीच परोक्ष समझदारी विकसित हो।

वैसे भी चुनाव में शिअद या भाजपा एक-दूसरे पर हमले नहीं कर रहे हैं जिससे स्पष्ट है कि दोनों के बीच ज्यादा मतभेद नहीं हैं। यदि भाजपा विधानसभा चुनाव में बेहतर प्रदर्शन करती है तो वह 2024 के लोकसभा चुनाव में शिअद से बहुत ज्यादा सीटें मांगने में सफल होगी। अनेक भाजपा नेता यही सोचते हैं क्योंकि वयोवृद्ध कैप्टेन अमरिंदर राज्य में भावी राजनीतिक योजनाओं की कोई गारंटी नहीं दे सकते हैं तथा शिअद वह हिंदू-सिख तस्वीर पूरी करती है जिसने भाजपा को बाकी देश में भी सहायता पहुंचाई है।

सावरेन बांड का स्वागतयोग्य विचार

विदेशी मुद्रा प्रवाह से एक सीमा तक बांड लाभदायक सिद्ध होंगे पर क्रियान्वयन के बाद इस दिशा में सावधानी से आगे बढ़ना होगा।

शशांक सौरव
(लेखक नीति विश्लेषक हैं)

केंद्रीय बजट 2022 आने वाला है। अनुमान है कि भारत के सावरेन बांड को वैश्विक बांड सूचकांक में शामिल किया जाएगा। कुछ समय पहले आरबीआई गवर्नर ने कहा था कि यह प्रक्रिया जारी है और कुछ महीनों में पूरी हो जाएगी। ऐतिहासिक रूप से भारत देश के कर्ज के विदेशी स्वामित्व के विचार के खिलाफ रहा है। यह नीतिगत पसंद मुख्यत: 1990 के दशक में हमारी भुगतान संतुलन के अनुभव के कारण है। सरकार ने कार्पोरेट क्षेत्र को विदेशी पूंजी के लिए एफडीआई-एफआईआई माध्यम से खोल दिया है ओर यहां तक कि कार्पोरेट बांड की एफआईआई सीमा अधिक रखी गई है, लेकिन आरबीआई का सावरेन बांड के प्रति कठोर दृष्टिकोण रहा है।

लेकिन अब स्थितियां बदल गई हैं और हमारा विदेशी मुद्रा भंडार अचानक पूंजी प्रवाह की अल्पकालीन स्थितियों से निपटने में सक्षम है। कोविड महामारी ने एक ओर राजस्व सृजन घटाया है, वहीं सार्वजनिक खर्च बढ़ा है। सरकार ने गैर-कर राजस्व जैसे विनिवेश प्रक्रियाओं तथा परिसंपत्तियों के मौद्रीकरण तरीके अपना कर लक्ष्य पूरा करने का प्रयास किया है, पर वह ज्यादा सफल नहीं हुई है। भारत सरकार द्वारा जारी बांड की आय जनवरी, 2022 में 6.54 प्रतिशत पहुंच गई थी जो दो साल में सर्वाधिक है। लेकिन आर्थिक प्रगति अभी महामारी की छाया में है और सरकार द्वारा उधार लेने में ज्यादा कमी आने की संभावना नहीं है।

जब अर्थव्यवस्था पुनर्जीवित हो जाएगी और कर्ज की मांग बढ़ेगी तब बैंकों को सरकारी कागजों की ज्यादा आवश्यकता नहीं रह जाएगी। ऐसा लगता है कि जल्द ही यह स्थिति आने वाली है। इसका अर्थ ब्याज भुगतान पर ज्यादा पैसा

निकलना तथा सरकार के पास ढांचागत खर्च व परिसंपत्ति सृजन के लिए कम पैसा बचना होगा। विदेशी पूंजी प्रवाह से एक सीमा तक बांडों से होने वाली आय में कमी हो सकता है। लेकिन इस प्रवाह से आईएनआर बढ़ेगा जिससे निर्यातकों को नुकसान संभव है। ऐसे में विनियम दर का आरबीआई द्वारा प्रबंधन बाजार हस्तक्षेप नीतियों के साथ जारी रहेगा। सरकार द्वारा दी गई विभिन्न रियायतों और प्रोत्साहनों के बावजूद निजी निवेश नहीं बढ़ रहा है और सरकार को लगभग सभी बड़ी ढांचागत परियोजनाओं में निवेश के लिए आगे आना पड़ रहा है। घरेलू कर्ज का सीधा प्रभाव तरलता पर पड़ता है जिससे मांग-उपभोग व मुद्रास्फीति सीधे प्रभावित होते हैं। हमारे मामले में विदेशी कर्ज का प्रयोग प्रगति के लिए ही किया जाना चाहिए तथा विदेशी पूंजी को देश के राजकोषीय घाटे के प्रबंधन में नहीं होना चाहिए। देश के जोखिम का दृष्टिकोण खरीदारों द्वारा सरकारी कागजों की आवश्यकता प्रदर्शित करता है। आमतौर से क्रेडिट डिफाल्ट स्वैप का प्रयोग कर्जदारों द्वारा जारी सिक्यूरिटीज के मूल्यांकन में होता है। भारत की पंचवर्षीय सीडीएस सावरेन कोविड-संबंधी अनिश्चितता के कारण मार्च 20 में शिखर पर पहुंचने के बाद लगातार गिरी हैं। इसका अर्थ है कि कर्ज के बारे में दृष्टिकोण में सुधार हुआ है! भारत की सावरेन क्रेडिट रेटिंग स्थिर बनी हुई है और मूडी द्वारा जून 2020 में इसे बीएएए2 से गिरा कर बीएए3 करने की भारी आलोचना हुई थी।

भारतीय बांडों पर आकर्षक लाभ के कारण विदेशी निवेशकों को लाभ होता है। यदि विनिमय दर पर ध्यान दिया जाए तो इन सिक्यूरिटीज़ की मांग पर कोई सवाल नहीं उठता है। आरबीआई को कुछ क्षेत्रों के बारे में स्पष्टीकरण देना चाहिए तथा आरबीआई और वित्त मंत्रालय को भी इस दिशा में कदम उठाने चाहिए। हालांकि, कुल सीमा 6 प्रतिशत है तथा पुराने केन्द्र सरकार व राज्य विकास कर्ज के लिए दो प्रतिशत सीमा रखी गई है, पर इनकी संचालन प्रक्रिया सरल होनी चाहिए। निश्चित अंतराल पर ब्याज प्राप्ति तथा पूंजीगत लाभ पर टैक्स का महत्वपूर्ण आयाम है।

ऐसे में विदेशी निवेशकों को दी गई कोई रियायत घरेलू निवेशकों के लिए हानिकारक हो सकती है। विदेशी निवेशकों को रियायत तथा घरेलू निवेशकों को लेनदेन पर टैक्स समता सिद्धान्त के खिलाफ होगा। इस मामले में ढांचागत परिवर्तन सोच में बदलाव का संकेत देता है। यह स्वागत योग्य कदम है, पर क्रियान्वयन के बाद इस दिशा में सावधानी से आगे बढ़ना होगा।

आप की बात

छवि बिगाड़ने की साज़िश

मुस्लिम ब्रदरहुड नाम के अंतरराष्ट्रीय इस्लामी संगठन ने भारत की छवि खराब करने के लिए पिछले साल सितंबर में बहिष्कार अभियान चलाया था। मीडिया रिपोर्ट में कहा गया है कि इस अभियान का मकसद देश की प्रमुख हस्तियों को बदनाम करना था। घरेलू तत्वों की मिलीभगत से शुरू किए गए इस भारत विरोधी अभियान ने देश की अहिंसक छवि को कट्टरपंथी कथन से बदलने की कोशिश की। रिपोर्टों के अनुसार, इस कैंपेन में बहिष्कार, डिसइंवेस्टमेंट जैसी तरकीबें अपनाई गईं, जिनका देश में विवाद खड़ा करना था। पिछले कुछ वर्षों में भारत विरोधी कुछ कहानियां गढ़ी गई हैं। ये सब इस कॉम्प्लिक्ट इंडस्ट्री का हिस्सा बनीं, जो अरबों डॉलर में चलती है। इस कैंपेन को तुर्की और पाकिस्तान का समर्थन हासिल था। मुस्लिम ब्रदरहुड का यह कैंपेन कतर-तुर्की-पाकिस्तान के नए उभरते हुए गठजोड़ के जरिए शुरू हुआ। इसका लक्ष्य कश्मीर के नैरेटिव से भारत को टारगेट करना था। भारत सरकार को ऐसे कुत्सित प्रयासों का मुंहतोड़ जवाब देना चाहिए !देश के भीतर ऐसे देशद्रोही अभियानों में पार्टिसिपेंट करने वालों पर सख्त कार्रवाई की जाना चाहिए! ताकि अंतरराष्ट्रीय मंचों पर ऐसी कुटिल चालों का खुलासा हो सके!

– **सुभाष बुड़ावनवाला**, रतलाम

सकारात्मक हो सदन की बहस

विधानसभा, संसद और अन्य सदनों में जनप्रतिनिधियों का व्यवहार कब सुधरेगा? यह गंभीर सवाल है। उनके अनियंत्रित व्यवहार को रोकने के लिए सख्त नियमों को लागू करने की आवश्यकता है। जनप्रतिनिधि सदन में अभद्र व्यवहार करते हैं तो उनपर कौनसी कड़ी कारवाई होनी चाहिए ? इस बारे में नए कानून की जरुरत है। केंद्र सरकार और देश के राज्य सरकार इस पर मंथन करे और अनुचित बर्ताव करने वाले जनप्रतिनिधियों के खिलाफ कैसी कार्रवाई की जाए इसका गहन विश्लेषण शीर्ष अदालत को दे। साथ ही उसे केंद्र और सभी राज्यों को तुरंत लागू करने के निर्देश देने के लिए अदालत को बिनती करे। वर्षों से, लोग सदन में चर्चा कम हमेशा हंगामा ही देखते है और यह समस्या बढ़ती ही जा रही है। सदन में अव्यवस्थित ढंग से व्यवहार करने वाले जनप्रतिनिधियों को यदि समाज के किसी समारोह में आमंत्रित किया जाता है तो वे उस समय भाषण देते समय लोगों को अनुशासन की मुफ्त सलाह देना नहीं भूलते। कुछ जनप्रतिनिधि शिक्षा संस्थाओं के सम्राट (मालिक) हैं। लेकिन सदन में उनका व्यवहार उसके अनुरूप नहीं है। लोग अनुशासनात्मक पाठ, नियम आदि की तरह व्यवहार करे।

– **जयेश राणे**, मुंबई

चुनाव आयोग की बारी

भारत में स्वतंत्र रूप से कार्यरत संस्थान पर सवाल उठाना, खतरों से खाली नहीं होता। फिर चाहे वो न्यायपालिका हो या चुनाव आयोग, दोनों की अपनी अलग पहचान है। अगर, बारीकी से देखें तो पता चलता है कि कहीं न कहीं यह भी राजनैतिक दलों के पक्ष अथवा उन्हीं से प्रभावित होकर काम करते हैं।फिर चाहें वो इन विभागों में नियुक्ति का मामला हो या प्रमोशन व ट्रांसफर का, दोनों में सत्ता की महत्ता देखने को मिलती है। देशभर में ओमीक्रॉन के नित नए मामले आ रहे, पुलिस प्रशासन आम जनता को सतर्क कर रहीं, व्यापरियों को मास्क न लगाने पर मुकदमा की बात कर रहीं, बड़े बड़े बैनर पोस्टर और मोबाइल के कॉलर ट्यून भी आगाह कर रहे, लेकिन संवैधानिक पद पर बैठे लोगों का क्या फर्क़ पड़ने वाला। चुनाव आयोग ने डिजिटल और डोर टू डोर कैम्पैन की अनुमती तो दे दी, लेकिन लगता है संख्या निर्धारित नहीं किया। अगर किया भी है तो क्या गृह मंत्री के लगातार डोर टू डोर दौरे से, सुरक्षा और भीड़ में बिना मास्क लगाए लोगों से संक्रमण का ख़तरा नहीं होगा। हमें खुद सोचने की आवश्यकता है।

– **अमन जायसवाल**, दिल्ली विवि

पाठक अपनी प्रतिक्रिया ई-मेल से responsemail.hindipioneer@gmail.com पर भी भेज सकते हैं।

फरमाया

समाजवादी पार्टी की लाल टोपी मुजफ्फरनगर दंगों के पीड़ितों और अयोध्या में मारे गए कारसेवकों के खून में रंगी हुई है।

– **योगी आदित्यनाथ**
मुख्यमंत्री उत्तर प्रदेश

त्रिपक्षीय महा विकास अघाड़ी (एमवीए) महाराष्ट्र का राजनीतिक भविष्य है और शिवसेना-भाजपा के पुनर्मिलन की कोई संभावना नहीं है।

– **संजय राउत**
शिवसेना नेता

भाजपा शतक बनाने से एक अंक कम है। उन्होंने अब तक 99 अपराधियों को टिकट दिए हैं।

– **अखिलेश यादव**
सपा प्रमुख

बसपा को अब पुराने चेहरों पर यकीन नहीं

- 109 में सिर्फ चार को मिला दोबारा अवसर
- सिटिंग सीट में सिर्फ मांट से श्याम सुंदर शर्मा मैदान में

सतीश सिंह। लखनऊ

यूपी विधानसभा की तैयारियों में जुटी बसपा सुप्रीमो मायावती ने इस बार जमीनी स्तर पर मिशन फतेह को लेकर ऐसी समीक्षा की कि पिछले चुनाव की अपेक्षा इस बार पार्टी के 97 फीसद चेहरे मैदान से गायब हो गए। पहले और दूसरे चरण की कुल 109 सीटों में सिर्फ मथुरा की मांट सीट से विधायक श्याम सुंदर शर्मा ही मैदान में हैं। वहीं 2017 के चुनाव में रामपुर मनिहारन सीट से रनर रहे रविन्द्र कुमार मोल्हू और धामपुर सीट से मोहम्मद गाजी और गोवर्धन सीट से राजकुमार रावत को 2022 के चुनाव में पार्टी ने दोबारा मौका दिया है।

वर्ष 2007 के चुनाव में सोशल इंजीनियरिंग के बलबूते सरकार बनाने वाली बसपा इस चुनाव के बाद से ही लगातार हाशिये की तरफ बढ़ रही है। अब इसके पीछे कारण चाहे पार्टी छोड़ कर जाने वाले नेताओं की लंबी फेहरिश्त हो या फिर आम जनमानस के बीच व्याप्त भ्रांतियां, इसके बारे में पार्टी ही बखूबी बता सकती है। लेकिन चुनाव से पहले शीर्षस्थ स्तर पर हुई समीक्षा बैठकों की झलक टिकट बंटवारे को लेकर साफ दिखाई देती है। समीक्षा के दौरान भीतरघात से बचने के लिए बसपा सुप्रीमो मायावती की तरफ से नए चेहरों को मैदान में उतारा गया है। बात अगर पिछले चुनाव की करें तो पहले व दूसरे चरण की 109 सीटों में से पार्टी ने केवल दो सीट पर जीत दर्ज की थी। जिसमे एक मथुरा की मांट तो दूसरी हापुड़ की धौलाना रही। धौलाना सीट से बसपा से मैदान में उतरे असलम चौधरी ने भाजपा के रमेश चन्द्र तोमर को हराया था। जीत के बाद असलम चौधरी समाजवादी पार्टी में चले गए। बसपा ने इस बार धौलाना से वासिद प्रधान को मौका दिया है। वहीं पार्टी पहले चरण की 27 और दूसरे चरण की 11 सीटों पर दूसरे नम्बर पर रही। कुल मिलाकर 38 सीटों में से इस बार पार्टी ने धामपुर सीट से पिछली बार लड़े मोहम्मद गाजी को इस बार बिजनौर की बढ़ापुर से मैदान में उतारा है। वही सहारनपुर की रामपुर मनिहारन सीट से पिछले चुनाव में रनर रहे रविन्द्र कुमार मोल्हू और मथुरा की गोवर्धन सीट से राजकुमार रावत पर भरोसा जताया है। इसके अलावा सभी सीटों पर नए चेहरों पर पार्टी ने भरोसा जताया है।

2012 से दो प्रत्याशी लगातार इस बार भी मैदान में

वर्ष 2012 के चुनाव में बसपा के खाते में 39 सीटें आई थी। इनमे 2017 के चुनाव में पार्टी ने 25 सिटिंग एमएल को मैदान में उतारा था। 2017 के चुनाव में कुल दो ही सीटे हीं पार्टी के खाते में आई थी। इनमें दो उम्मीदवार ऐसे हैं जो पहले 2012 फिर 2017 और अब 2022 यानी तीन चुनावों से लगातार बसपा के टिकट पर मैदान में हैं। इनमे रामपुर मनिहारन सीट से रनर रहे रविन्द्र कुमार मोल्हू और गोवर्धन सीट से राजकुमार रावत शामिल हैं। 2012 के चुनाव में ये निर्वाचित हुए थे।

बीजेपी के मिशन 2022 से मोदी का 2024 भी दांव पर

अभिषेक रंजन। लखनऊ

देश में हो रहे पांच राज्यों के विधान सभा चुनाव में पूरे देश की नजर यूपी के विधान सभा चुनाव को लेकर है। यहां पर मौजूदा योगी सरकार अपने और केंद्र की मोदी सरकार के कामकाज के बलबूते विकास और सुशासन की बात को लेकर जनता के बीच जा रही है। वहीं विपक्ष पश्चिम बंगाल की ही तरह खेला होइबे की तर्ज पर भाजपा के राष्ट्रवाद के बीच बाजी पलटने की कोशिश कर रहा है। यूपी के चुनाव परिणाम मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की प्रतिष्ठा से तो जुड़े हुए हैं ही साथ ही साथ प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी सरकार के तीसरे कार्यकाल की संभावनाएं का भी दरोमदार 10 मार्च के नतीजों पर टिका है।

सबसे महत्वपूर्ण बात है कि कांग्रेस की महासचिव प्रियंका वाड्रा, सपा मुखिया अखिलेश यादव और बसपा मुखिया मायावती के राजनीतिक भविष्य को यह चुनाव परिणाम तय करेंगे। ऐसे कई सवाल है जिनके जवाब दस मार्च के बाद मिल जाएंगे। मसलन क्या अखिलेश यादव विपक्ष के राष्ट्रीय गठबंधन का नेतृत्व कर पाएंगे? क्या यह मायावती का अंतिम चुनाव होगा? और कांग्रेस अध्यक्ष के तौर पर प्रियंका गांधी वाड्रा की दावेदारी की संभावना बढ़ेगी? यही नहीं यह भी स्पष्ट हो जाएग कि क्या विकास के साथ-साथ हिन्दू राष्ट्रवाद की रणनीति अब भी प्रभावी रहेगी?

दरअसल विधान सभा चुनाव की घोषणा होने से पहले पीएम मोदी और केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह ने बीजेपी की जनविश्वास यात्राओं के जरिए यूपी को मथ दिया था। उन्होंने योगी सरकार के कामकाज की तारीफ भी की और माफियाओं और अपराधियों पर चलाए गए बुलडोजर का भी खूब जिक्र किया था। अमित शाह ने इन यात्राओं में यूपी विधानसभा 2022 से लेकर लोकसभा चुनाव 2024 को जोड़ते हुए कहा था कि अगर आप 2024 में पीएम मोदी को दोबारा प्रधानमंत्री के तौर पर देखना चाहते हैं तो योगी आदित्यनाथ को 2022 में उत्तर प्रदेश में दोबारा सीएम बनाना होगा। योगी ने स्वयं को विकास पुरुष और हिन्दू हृदय सम्राट जैसा चेहरा जनता के बीच साबित करने की कोशिश की है। यदि मोदी-योगी की जोड़ी से बीजेपी को यूपी में सफलता मिलती है तो योगी का कद और अधिक बढ़ जाएगा।

योगी आदित्यनाथ को एक बेहतर प्रशासक के तौर पर भी जाना जाता है। अब अगर सपा मुखिया अखिलेश यादव की बात की जाए तो अखिलेश यूपी में कोरोना महामारी, किसान आंदोलन, महंगाई व बेरोजगारी जैसे मसले लेकर सत्तारूढ़ दल पर हमलावर हो रहे हैं। वह वर्चुअल चुनाव प्रचार पर जोर दे रहे हैं। उन्होंने जीत के लिए एक योजना तैयार की है जिसमें रणनीतिक गठबंधन, जीत की संभावनाओं को लेकर उम्मीदवारों का चयन, अति पिछड़ा वर्ग को लुभाने की कोशिश और आरक्षित सीटों पर ध्यान केंद्रित किया है। अगर अखिलेश यादव अपनी योजना में कामयाब हो जाते हैं तो विपक्षी पार्टियां उनके साथ आ सकती हैं। पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी के साथ भी अखिलेश यादव बेहतर तालमेल रखते हैं। इस चुनाव में प्रियंका गांधी वाड्रा ने चुनावी प्रचार की शुरुआत करते हुए उन विधानसभा क्षेत्रों को टारगेट किया है जहां अन्य पार्टियों का कब्जा है। उनकी नजर खासकर महिला वोटर्स पर हैं। कास्ट, क्लास और कम्युनिटी से आगे बढ़कर उन्होंने महिला मतदाताओं पर ज्यादा फोकस किया है। यूपी में पहली बार कांग्रेस ने विधानसभा चुनावों के लिए बेहतर कैंपेन की शुरुआत की है। प्रियंका की मेहनत रंग लाती है तो राष्ट्रीय राजनीति में उनका कद बढ़ेगा और पार्टी के अध्यक्ष के तौर पर उनकी दावेदारी भी मजूबत होगी। अब अगर बात करें बसपा मुखिया मायावती की तो बसपा इस समय आतंरिक संकट से गुजर रही है। जिस पार्टी ने 2007 में पूर्ण बहुमत की सरकार बनाई वह 15 साल बाद कहां खड़ी है यह स्पष्ट है। एक के बाद एक बसपा के कई बड़े नेताओं ने पार्टी छोड़ दी है या उन्हें मायावती ने निकाल दिया है। 2019 के लोकसभा चुनाव में मायावती ने समाजवादी पार्टी को तुलना में अधिक सीटें जीती थीं हालांकि इसके बाद से उनकी पार्टी मुश्किलों के दौर से गुजर रही है।

- अखिलेश यादव, प्रियंका वाड्रा, मायावती का भी भविष्य तय करेंगे 10 मार्च के परिणाम

पिछड़े नेताओं के जाने से बीजेपी पर क्या पड़ा असर

चुनावों के मौके पर स्वामी प्रसाद मौर्य, धर्म सिंह सैनी, दारा सिंह चौहान समेत कई विधायक भाजपा से सपा में चले गए। इससे भाजपा में थोड़ खलबली हुई लेकिन बीजेपी ने भी कांग्रेस और सपा के आरपीएन सिंह, आदिति सिंह व अपर्णा जैसे सितारों को तोड़कर अपनी पार्टी में शामिल कर लिया है। जिन नेताओं ने भाजपा छोड़कर सपा में अपनी आस्था दिखाई जनता उन नेताओं की आस्था बसपा से भाजपा और फिर सपा तक का सफर बाखूबी देख और समझ रही है कि किस तरह पूरा कार्यकाल होने के बाद उन्हें पिछड़े और नौजवानों की याद आई। 2019 में भी जब सपा और बसपा का गठबंधन हुआ था तो भी लोग चिंतित हो गए लेकिन जब चुनाव परिणाम आए तो सबसे पहले बसपा मुखिया मायावती ने ही प्रेस कान्फ्रेंस करके सपा मुखिया अखिलेश को ही कटघरे में खड़ा कर दिया था।

बीजेपी भी इस चुनाव में दलित, पिछड़े के साथ सवर्ण का संतुलन बैठाते हुए प्रत्याशियों को मैदान में उतार रही है। उप्र के पिछले चुनावों में भाजपा ने अन्य पिछड़ा वर्ग को प्रदेश में उनकी जनसंख्या के अनुपात में टिकट दिया था। इस रणनीति में पार्टी कोई विशेष परिवर्तन नहीं कर रही है। बीजेपी अति पिछड़ी जातियों कुशवाहा, कहार, मल्लाह, निषाद, लोहार, गड़रिया, विश्वकर्मा, बिंद, सैनी, मौर्या आदि को पिछड़ों जातियों कुर्मी, गिरी, गूजर, गोसाईं, लोध, यादव आदि संग संतुलन बना कर पार्टी टिकट बांट रही है।

जाहिर है कि टिकट वितरण के इस फार्मूले से बीजेपी को किसी नुकसान की संभावना नहीं दिखती है तब जब स्वामी प्रसाद मौर्य, दारा सिंह चौहान और धर्म सिंह सैनी जैसे नेताओं ने भगवा झंडा छोड़ साइकिल की सवारी कर ली है। अब अगर 2014 के लोकसभा चुनाव पर गौर करें तो 2014 से यूपी में भाजपा का जनाधार लगातार बढ़ रहा है। यदि 2007 और 2012 विधानसभा चुनावों में 15-16 प्रतिशत वोट पाने वाली भाजपा को 2014, 2017 और 2019 में 40 से 50 प्रतिशत वोट मिल रहे हैं तो यह स्पष्ट है कि विपक्ष के एकजुट होने के बाद भी प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और योगी का जादू अभी भी कायम है। केंद्र की मोदी और योगी सरकार ने अपने काम-काज के जरिए युवा, महिलाएं, किसान, मजदूर, विद्यार्थी, गरीबी रेखा से नीचे वाले, पटरी-ठेले वाले, वंचित, शोषित समाज के बीच अपनी पैठ बनाई है। बीजेपी के आईटी सेल के एक नेता का कहना है कि वर्ष 2014 में प्रधानमंत्री मोदी ने जीरो बैलेंस पर गरीबों का जनधन खाता खुलवाना शुरू किया था। तब से जनवरी 2022 तक 44 करोड़ जनधन खातों में डेढ़ लाख करोड़ रुपये जमा हैं। यह गरीबों का वह पैसा है जो विभिन्न योजनाओं से सीधे उन्हें अपने खाते में मिला। जिन गरीबों, महिलाओं, कन्याओं, दिव्यांगों, किसानों, विधवाओं, श्रमिकों आदि को पैसे अपने खाते में नियमित मिल रहे हैं। जाहिर है उन्हें जाति नहीं बल्कि वित्तीय सुरक्षा पर ज्यादा भरोसा होगा। उनका कहना है कि केंद्र और राज्य की सरकार ने योजनाओं का लाभ जाति, मजहब, क्षेत्र, भाषा आदि को देखकर नहीं दिया है। अगर हिन्दु समाज के लोगा लाभान्वित हुए हैं तो अल्पसंख्यक समाज के लोगों को भी लाभ मिला है।

दोबारा सत्ता पाने की दौड़ में डबल इंजन की सरकार

अभिषेक रंजन। लखनऊ

प्रदेश में चुनाव की डुगडुगी बजने से पहले के माहौल को जरा याद करें तो साफ होता है कि यूपी में किस तरह डबल इंजन की सरकार ताबड़-तोड़ विकास की परियोजनाओं का लोकार्पण और शिलान्यास कर रही थी। इन कार्यक्रमों की बागडोर पीएम नरेंद्र मोदी के साथ सीएम योगी आदित्यनाथ ने संभाली थी और उनके साथ मोदी मंत्रिमंडल टीम का हिस्सा केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह, रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह, केंद्रीय सड़क परिवहन मंत्री नितिन गडकरी थे जो विभिन्न योजनाओं का लोकार्पण और शिलान्यास कर रहे थे। अब जब चुनाव कार्यक्रम घोषित हो चुका है और रणभेरियों के बीच पहले चरण का मतदान 10 फरवरी को होना हैं तो मोदी-योगी सरकार के काम-काज विपक्ष पर तीर बनकर बरसाए जा रहे हैं। पश्चिम से लेकर पूरब तक डबल इंजन सरकार के काम गिनाए जा रहे हैं। इनमें बाबा काशी विश्वनाथ कारीडोर जैसे धार्मिक पर्यटन से लेकर एक्सप्रेस-वे की राजनीति भी खूब चमक रही है तो वहीं विवि और मेडिकल कालेज की स्थापना के साथ-साथ हवाई अड्डों के लोकार्पण-शिलान्यास को भी बीजेपी भुनाने में कोई कोर-कसर नहीं छोड़ रही है।

यूपी में आचार संहिता लागू होने के पहले बीजेपी ने अपने मिशन 2022 के लक्ष्य को हासिल करने के तयशुदा प्लान के तहत जन विश्वास यात्राओं के जरिए लोकार्पण और शिलान्यास कार्यक्रम को अंजाम दिया। यह सिलसिला अक्टूबर से शुरू होकर दिसंबर के अंत तक जारी रहा। इसमें यूपी में पीएम मोदी ने करीब 18 ऐसे कार्यक्रमों में जनसभाओं को संबोधित किया जिसमें विकास से जुड़ी परियोजनाओं का लोकार्पण एवं शिलान्यास किया गया था। नोएडा अंतरराष्ट्रीय हवाईअड्डा का शिलान्यास प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने जेवर में किया था। कुशीनगर में अंतराष्ट्रीय हवाई अडडे का लोकार्पण किया। इसी प्रकार से काशी विश्वनाथ धाम परियोजना, एम्स, गोरखपुर, कानपुर मेट्रो, उप्र में डिफेंस कारीडोर गलियारा, सुल्तानपुर में पूर्वांचल एक्सप्रेसव का लोकार्पण, शाहजहांपुर में गंगा एक्सप्रेस-वे का शिलान्यास जैसे तमाम कार्यक्रम शामिल हैं। मोदी-योगी सरकार ने अपने विभिन्न कार्यक्रमों में अपनी योजनाओं के लभार्थियों से सीधा संवाद किया और अब घर-घर जाकर सरकार और संगठन दोनों ही इन योजनाओं की जानकारी दे रहे हैं कि डबल इंजन की सरकार से कितने लोग लभान्वित हुए। इन कार्यक्रमों में केंद्र सरकार की किसान सम्मान निधि, मुफ्त राशन योजना, यूपी की लैपटॉप, टैबलेट वितरण योजना, मुख्यमंत्री कन्या सुमंगला योजना, प्रधानमंत्री शहरी-ग्रामीण आवास योजना समेत उन कई योजनाओं को शामिल नहीं किया गया है जिनमें व्यक्तियों या परिवारों को सीधे तौर पर फायदे दिए जा रहे हैं।

लोकार्पण-शिलान्यास कार्यक्रमों के जरिए पूर्वांचल साधने की भी कोशिश

चुनावी फिजा में विकास का रंग घोलते हुए मोदी ने सरयू नहर परियोजना जैसी बड़ी परियोजनाओं का लोकार्पण किया और मेरठ में स्पोर्ट्स यूनिवर्सिटी जैसी योजनाओं का शिलान्यास भी किया। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के कार्यक्रमों में भी पूर्वी यूपी ही हावी रहा, कुल सात कार्यक्रमों में से उनके पांच कार्यक्रम पूर्वी यूपी में ही हुए। इसमें बलरामपुर में सरयू नहर परियोजना का लोकार्पण काफी अहम है क्योंकि यह योजना कई दशकों से अधूरी पड़ी थी। इस परियोजना से नौ जिले लाभान्वित होंगे। यूपी की अहमियत को देखते हुए मोदी बीते दिसंबर महीने में अपने संसदीय क्षेत्र वाराणसी में एक ही महीने में दो बार पहुंचे। जाहिर है कि मोदी ने विकास के जरिए पूर्वांचल को साधने की कोशिश की है। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ दिसंबर के लगभग हर दिन अलग-अलग जिलों में दौरा किया था। इन जिलों में सीएम योगी के दौरे के साथ ही करोड़ों रुपये की परियोजनाओं का लोकार्पण और शिलान्यास किया गया। योगी के इन कार्यक्रमों में धार्मिक महत्व के क्षेत्र, विधानसभा के हिसाब से क्षेत्र और सीटों के गणित का भी भरपूर ध्यान रखा गया। अयोध्या, मथुरा, वाराणसी और प्रयागराज में ही लगभग 34 हजार करोड़ रुपये की योजनाओं का लोकार्पण और शिलान्यास किया गया। योगी ने 20 दिसंबर से आठ जनवरी के बीच लगभग 40 जिलों में कार्यक्रम किए। इन कार्यक्रमों के दौरान सीएम योगी ने 29 हजार करोड़ रुपये से ज़्यादा की लगभग 3000 अलग-अलग परियोजनाओं का लोकार्पण और शिलान्यास किया। इसमें, सिंचाई परियोजनाएं, सामाजिक सुरक्षा पेंशन, सड़क परियोजनाएं, विद्युत विभाग की परियोजनाएं, मेडिकल कॉलेज और कई अन्य तरह की परियोजनाएं शामिल हैं। योगी ने जिन जिलों का दौरा किया है उनमें से ज़्यादातर जिले पूर्वी उत्तर प्रदेश के हैं। इसे भाजपा की रणनीति भी कहा जा सकता है क्योंकि पश्चिमी यूपी की अपेक्षा पूर्वी यूपी में ब्रैंड योगी ज़्यादा कारगर साबित हो सकते हैं। भाजपा ने न सिर्फ अपनी जीती हुई सीटों पर ध्यान दिया है बल्कि गांधी परिवार का गढ़ माने जाने वाले अमेठी-रायबरेली और समाजवादी पार्टी का गढ़ कहे जाने वाले आजमगढ़ में भी तमाम परियोजनाओं का उद्घाटन और शिलान्यास किया है। वह इसलिए क्योंकि बीजेपी ने अपनी रणनीति के जरिए यूपी की उन हारी हुई विधान सभा सीटों पर फोकस किया है ताकि विकास के जरिए वहां की जनता का दिल जीता जाए। 20 दिसंबर से सात जनवरी के बीच नितिन गडकरी ने यूपी में करीब 13 जिलों में 80 हाइवे का लोकार्पण और शिलान्यास किया है। इसमें भी धार्मिक शहरों को तरजीह दी गई है। मथुरा में 10, इलाहाबाद में चार और अयोध्या में छह राष्ट्रीय राजमार्गों का लोकार्पण या शिलान्यास किया गया है। गडकरी ने लगभग 69539 करोड़ रुपये से ज़्यादा की लागत से बनने वाले कुल 80 हाइवे और उनसे जुड़ी परियोजनाओं का लोकार्पण और शिलान्यास किया है। केंद्रीय चुनाव आयोग की प्रेस कान्फ्रेंस से पहले योगी आदित्यनाथ ने आठ जनवरी को लखनऊ के पीजीआई में 600 करोड़ की परियोजनाओं का लोकार्पण और शिलान्यास किया था।

मोदी-योगी सरकार की प्रमुख योजनाएं

मोदी सरकार की कुछ प्रमुख योजनाओं में प्रधान मंत्री जन-धन योजना, जन-धन से जन सुरक्षा, प्रधानमंत्री जीवन ज्योति बीमा योजना, प्रधानमंत्री सुरक्षा बीमा योजना, अटल पेंशन योजना, प्रधानमंत्री मुद्रा योजना, स्टैंड अप इंडिया योजना, स्किल इंडिया मिशन, मेक इन इंडिया, स्वच्छ भारत मिशन, सांसद आदर्श गांव योजना, सत्यमेव जयते योजना, बेटी बचाओ बेटी पढाओ, हृदय योजना, उजाला योजना, अटल पेंशन योजना, स्मार्ट सिटी योजना, अमृत योजना, डिजिटल इंडिया मिशन, स्वर्ण मौद्रिकरण योजना, स्वर्ण बांड योजना, उदय योजना, स्टार्ट-उप इंडिया, सेतु भारतम योजना, स्टैंड उप इंडिया, ग्रामोदय से भारत उदय, प्रधानमंत्री उज्ज्वला योजना,नमामि गंगे योजना है। योगी सरकार की प्रमुख योजनाओं में उत्तर प्रदेश गोपालक योजना, फ्री टेबलेट, स्मार्ट फोन योजना, यूपी स्कॉलरशिप योजना, उत्तर प्रदेश शादी अनुदान योजना, मुख्यमंत्री अभ्युदय योजना, मुख्यमंत्री प्रवासी श्रमिक उद्यमिता विकास योजना, बीसी सखी योजना, मुख्यमंत्री बाल सेवा योजना, यूपी फ्री बोरिंग योजना, वन डिस्टिक वन प्रोडक्ट योजना, यूपी मिशन शक्ति अभियान, राष्ट्रीय पारिवारिक लाभ योजना, यूपी भाग्यलक्ष्मी योजना, उत्तर प्रदेश श्रमिक भरण पोषण योजना, मुख्यमंत्री युवा स्वरोजगार योजना, कन्या सुमंगला योजना, उत्तर प्रदेश जनसुनवाई पोर्टल प्रमुख हैं।

कहीं पानी न फेर दे एम फैक्टर

- कहीं त्रिकोणीय तो कहीं आमने-सामने की लड़ाई

सतीश सिंह। लखनऊ

किसान आंदोलन के बाद जहां समाजवादी पार्टी व राष्ट्रीय लोकदल गठबंधन को इस बार विधानसभा चुनाव में जाट-मुस्लिम मतदाताओं के साथ आने की उम्मीद है, वहीं पश्चिमी यूपी में कई सीटें ऐसी है जहां एम फैक्टर को लेकर विपक्ष त्रिकोणीय लड़ाई की भूमिका में नजर आ रहा है। एम फैक्टर पर भरोसा जहां गठबंधन ने जताया है वहीं बसपा ने बीडीएम समीकरण को ध्यान में रखते हुए एम फैक्टर को आगे रखा है। वहीं पिछले दो चुनावों से पश्चिमी यूपी में जगह बनाने की कोशिश कर रहे एमआईएमआईएम के मुखिया ओवैसी भी इसी फैक्टर के सहारे मैदान में हैं। ऐसे में तीनों दलों के लिए एम फैक्टर की लड़ाई भाजपा के लिए फायदे का सौदा बन सकती है।

विधानसभा चुनाव को लेकर पश्चिमी यूपी की काफी सीटों पर इस कदर मुस्लिम फैक्टर हावी है कि सपा-रालोद और बसपा व एमआईएमआईएम ने जमकर मुस्लिम उम्मीदवार मैदान में उतारे हैं। कुछ सीटे ऐसी हैं जहाँ बसपा व सपा-रालोद गठबंधन ने मुस्लिम उम्मीदवार मैदान में उतारा है तो उसी सीट पर बची खुची कसर ओवैसी ने मुस्लिम प्रत्याशी उतार कर पूरी कर दी है। ऐसे में इन सीटों पर मुस्लिम वोटों का बंटवारा तय है। ऐसी सीटों पर नजर डाले तो बेहट सीट पर बसपा से रईस मलिक मैदान में है तो गठबंधन से उमर अली खान भाग्य आजमा रहे हैं। इसी सीट पर एमआईएमआईएम से अमजद अली मैदान में हैं। इसी तरह धौलाना सीट पर बसपा से वासिद प्रधान हैं तो गठबंधन ने असलम अली को मैदान में उतारा है। यहां से ओवैसी की पार्टी ने हाजी आरिफ को टिकट दिया है। सिवालखास सीट से बसपा ने मुकर्रम अली को टिकट दिया है तो गठबंधन से आरएलडी के टिकट पर गुलाम मोहम्मद मैदान में हैं। यहां से एमआईएमआईएम ने रफत खान को मैदान में उतारा है।

इन सीटों पर एम फैक्टर को लेकर बसपा और गठबंधन आमने-सामने

इस चुनाव में बसपा जहां बीडीएम समीकरण पर चल रही है तो वहीं गठबंधन में सपा को यकीन है कि एम फैक्टर उसके साथ है। ऐसे में कई सीट ऐसी हैं जहां एम फैक्टर की आमने सामने टक्कर है। इनमें नजीबाबाद सीट से जहां बसपा ने शाहनवाज आलम को टिकट दिया है वहीं सपा ने तस्लीम अहमद को मैदान में उतारा है। इसी तरह ठाकुरद्वारा से बसपा के टिकट पर मुजाहिद अली हैं तो सपा के टिकट पर नवाबजान लड़ रहे हैं। चमरौव्वा से बसपा से अब्दुल मुस्तफ़ा हुसैन हैं तो सपा से नसीर अहमद खान लड़ रहे हैं। अमरोहा में बसपा से मो. नावेद अयाज हैं तो सपा से महबूब अली हैं। मेरठ दक्षिण से बसपा से कुंवर दिलशाद अली हैं तो सपा से मो.आदिल हैं। कोल सीट से बसपा से मो बिलाल हैं तो सपा से शाज इसहाक हैं। अलीगढ़ सीट से बसपा से रजिया खान हैं तो सपा से जफर आलम मैदान में लड़ रहे हैं। इन सभी में तसलीम अहमद, नवाबजान, महबूब अली सिटिंग कैंडिडेट हैं।

यहां बसपा और एमआईएमआईएम के बीच टक्कर

एम फैक्टर के सहारे पश्चिमी यूपी में जगह बनाने की जुगत में लगे ओवैसी और बसपा के बीच मुस्लिम वोटों को लेकर कई सीटों पर टक्कर हो रही है। इनमें मुरादाबाद देहात से बसपा ने अकील चौधरी को मैदान में उतारा है तो एमआईएमआईएम ने मो. फ़रघानी को टिकट दिया है। इसी तरह मुरादाबाद नगर से बसपा के इरशाद हुसैन सैफी हैं तो ओवैसी की पार्टी ने वाकी राशिद को मैदान में उतारा है। नकुड़ से बसपा के टिकट पर साहिल खान लड़ रहे हैं तो एमआईएमआईएम ने रिजवाना को टिकट दिया है। कुंदरकी सीट से बसपा के टिकट पर जहां मोहम्मद रिजवान लड़ रहे हैं तो वही ओवैसी ने हाफिज वारिस पर भरोसा जताया है। लोनी सीट से बसपा के टिकट पर हाजी अकील चौधरी मैदान में हैं तो ओवैसी ने डॉक्टर महताब को मैदान में उतारा है।

कोरोना से सफलता के साथ लड़ रहा है भारत : मोदी

भाषा। नई दिल्ली

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने रविवार को कहा कि कोरोना की नई लहर से भारत बहुत सफलता के साथ लड़ रहा है तथा अपने देश में बने टीके पर लोगों का भरोसा हमारी बहुत बड़ी ताकत है।

आकाशवाणी पर प्रसारित मन की बात कार्यक्रम में प्रधानमंत्री ने कहा, कोरोना की नई लहर से भारत बहुत सफलता के साथ लड़ रहा है और यह गर्व की बात है कि अब तक करीब साढ़े चार करोड़ बच्चों ने कोरोना रोधी टीके की खुराक ले ली है। उन्होंने कहा कि इसका मतलब है कि 15 से 18 साल आयु-वर्ग के लगभग 60 प्रतिशत युवाओं ने तीन से चार हफ्ते में ही टीके लगवा लिए हैं। इससे न केवल हमारे युवाओं की रक्षा होगी बल्कि उन्हें पढाई जारी रखने में भी मदद मिलेगी।

मोदी ने कहा कि एक और अच्छी बात यह भी है कि 20 दिन के भीतर ही एक करोड़ लोगों ने एहतियाती खुराक भी ले ली है। देशी टीके पर देशवासियों के भरोसे को बड़ी ताकत बताते हुए प्रधानमंत्री ने कहा कि अब कोरोना संक्रमण के मामले भी कम होने शुरू हुए हैं जो बहुत सकारात्मक संकेत है। लोग सुरक्षित रहें, देश की आर्थिक गतिविधियों की रफ्तार बनी रहे - हर देशवासी की यही कामना है।

इससे पहले प्रधानमंत्री मोदी ने देश की वयस्क आबादी में से 75 प्रतिशत का टीकाकरण पूरा होने पर रविवार को देशवासियों को इस महत्वपूर्ण उपलब्धि के लिए बधाई दी और कहा कि उन्हें उन सभी लोगों पर गर्व है, जो टीकाकरण अभियान को सफल बना रहे हैं। केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्री मनसुख मांडविया ने ट्वीट कर बताया था कि भारत ने 75 प्रतिशत वयस्क आबादी के कोविड टीकाकरण का लक्ष्य हासिल कर लिया है। प्रधानमंत्री ने उनके इस ट्वीट को टैग करते हुए ट्विटर पर लिखा, सभी वयस्कों में से 75 प्रतिशत का टीकाकरण पूरा हो चुका है। इस महत्वपूर्ण उपलब्धि के लिए देशवासियों को बधाई। मोदी ने ट्वीट किया, टीकाकरण अभियान को सफल बना रहे सभी लोगों पर गर्व है। भारत में कोविड-19 रोधी टीके की अब तक 165.70 करोड़ से अधिक खुराकें दी जा चुकी हैं।

प्रधानमंत्री ने अपने संबोधन में पिछले साल सितम्बर से देश में शुरू हुए विद्यांजलि अभियान का भी उल्लेख किया जिसका उद्देश्य अलग-अलग संगठनों, कारपोरेट सामाजिक जिम्मेदारी (सीएसआर) और निजी क्षेत्र की भागीदारी से देशभर के स्कूलों में शिक्षा की गुणवत्ता में सुधार लाना है। मोदी ने कहा कि विद्यांजलि सामुदायिक भागीदारी और स्वामित्व की भावना को आगे बढ़ा रही है। उन्होंने कहा कि अपने स्कूल, कालेजों से निरंतर जुड़े रहना, अपनी क्षमता के अनुसार कुछ न कुछ योगदान देना यह एक ऐसी बात है जिसका संतोष और आनंद अनुभव लेकर ही पता चलता है।

गुजरात में धर्म पर सोशल मीडिया पोस्ट को लेकर दो समूहों में भिड़ंत

भाषा। नडियाड

गुजरात के खेड़ा जिले के कठलाल कस्बे में सोशल मीडिया पोस्ट को लेकर दो समुदायों के सदस्यों में झड़प हुई। दोनों पक्षों ने सोशल मीडिया पोस्ट से अपनी धार्मिक भावनाएं आहत होने का दावा किया। इसके बाद इस संबंध में रविवार को दो प्राथमिकी दर्ज की गईं। पुलिस ने इसकी जानकारी दी। पुलिस ने बताया कि इस संबंध में भारतीय दंड संहिता की धाराओं के तहत मामला दर्ज किया गया है।

उन्होंने बताया कि एक प्राथमिकी ज्योतिंद्र भावसार की शिकायत पर दर्ज की गई है जिसमें कहा गया है कि वह कल रात अपने पड़ोस में दोस्तों के साथ टहलने निकला था, इसी दौरान 20 लोगों ने उन पर तलवारों और लाठियों से हमला किया, उन पर धार्मिक भावनाओं को आहत करने वाले पोस्ट अपलोड करने का आरोप लगाया, इस घटना में दो लोग घायल हो गए। अधिकारी ने बताया कि दूसरी प्राथमिकी तब दर्ज की गई जब आसिफ वोरा ने शिकायत की कि उस पर और अन्य पर कल रात करीब 20 लोगों ने हमला किया, जिससे वह घायल हो गया और उसे अस्पताल में भर्ती कराया गया है।

अहमदाबाद में साबरमती रिवरफ्रंट पर मिट्टी के कुल्हड़ों से बने महात्मा गांधी के भित्ति चित्र का अनावरण करने के बाद चरखा का कातते केन्द्रीय गृह मंत्री अमित शाह

एनटीपीसी ने रेलवे से भर्ती परीक्षा का नाम बदलने का आग्रह किया

भाषा। नई दिल्ली

रेलवे भर्ती बोर्ड परीक्षा को लेकर बेवजह आलोचना का सामना कर रही देश की सबसे बड़ी बिजली उत्पादक कंपनी एनटीपीसी ने रेलवे को पत्र लिखकर बोर्ड द्वारा आयोजित गैर-तकनीकी लोकप्रिय श्रेणियों (एनटीपीसी) की परीक्षा का नाम बदलने का आग्रह किया है रेलवे भर्ती बोर्ड की परीक्षा के आरंभिक चरण में अभ्यर्थियों की छंटनी को लेकर काफी विवाद हो रहा है और इसके खिलाफ पिछले एक सप्ताह से छात्र प्रदर्शन भी कर रहे हैं। दरअसल रेलवे की परीक्षा के संक्षिप्त नाम के लिए एनटीपीसी रेलवे भर्ती बोर्ड परीक्षा नाम का इस्तेमाल किया जा रहा है।

दो वर्ष बाद भी टीका, प्रोटोकॉल का पालन ही कोविड-19 के खिलाफ प्रभावी उपाय

भाषा। नई दिल्ली

कोविड-19 महामारी के फैलने के दो वर्ष पूरा होने के बावजूद इस खतरनाक वायरस के खिलाफ कारगर उपाय टीकाकरण और कोविड उपयुक्त व्यवहार का पालन करना ही है। कई दवाएं एवं अन्य तरीकों का इस्तेमाल किया गया लेकिन अभी तक कोई ठोस उपचार सामने नहीं आया है। देश में कोविड-19 का पहला मामला 30 जनवरी 2020 को सामने आया था जब वुहान विश्वविद्यालय में मेडिकल की तीसरी वर्ष की छात्रा कोविड-19 से संक्रमित पाई गई थी। सेमेस्टर छुट्टियों के बाद वह घर लौटी थी। इसके बाद भारत में कोविड-19 की तीन लहर आई, लेकिन इस दौरान उपचार का तरीका एक जैसा रहा।

स्वास्थ्य मंत्री मनसुख मांडविया ने शनिवार को कहा कि कोविड-19 का चाहे जो भी स्वरूप हो, लेकिन कोविड-19 प्रबंधन के लिए जांच-निगरानी-उपचार-टीकाकरण और कोविड उपयुक्त व्यवहार का पालन ही पुख्ता रणनीति है। कोविड-19 से निपटने के लिए हाल में कई तरह के उपचार का प्रयोग हुआ लेकिन अभी तक उपचार का कोई व्यापक स्वीकार्य तरीका नहीं है। नीति आयोग के सदस्य (स्वास्थ्य) डॉ. वी. के. पॉल ने हाल में एक संवाददाता सम्मेलन में दवाओं के अत्यधिक इस्तेमाल एवं दुरूपयोग पर चिंता जताई थी।

देश में कोविड-19 के उपचार के लिए प्लाज्मा थेरेपी, रेमडेसिविर, डीआरडीओ के कोविड रोधी दवा 2-डीऑक्सी-डी-ग्लूकोज (2-डीजी) और हाल में मोलनुपिराविर का इस्तेमाल किया गया लेकिन कोविड-19 रोगियों के इलाज के लिए कोई पुख्ता दवा नहीं मिली। कोविड-19 और इसके हालिया स्वरूप ओमीक्रोन से निपटने के लिए टीकाकरण ही सबसे कारगर साबित हो रहा है।

डॉ. सुचिन बजाज ने कहा कि न केवल कोविड-19 बल्कि ठंड से जुड़ी बीमारियों का मुकाबला करने में आयुष की महत्वपूर्ण भूमिका रही है। बजाज ने कहा कि फेफड़ा की क्षमता बढ़ाने और मजबूती बढ़ाने के लिए योग में कई तरह के आसन हैं। साथ ही मस्तिष्क को शांति देने के लिए ध्यान का बड़ा महत्व है क्योंकि हमने देखा है कि भय, चिंता और निराशा कोविड-19 के साथ ही साथ आते हैं।

जहां सत्य, वहां वह अब भी जीवित हैं गांधी जी: राहुल

भाषा। नई दिल्ली

कांग्रेस ने रविवार को महात्मा गांधी की 74वीं पुण्यतिथि पर उन्हें श्रद्धांजलि दी और पार्टी के पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी ने कहा कि हिंदुत्ववादियों को लगता है कि गांधी जी नहीं रहे, लेकिन जहां सत्य है, वहां वह अब भी जीवित हैं।

आज ही के दिन 1948 में नाथूराम गोडसे ने महात्मा गांधी की गोली मारकर हत्या कर दी थी। राष्ट्रपिता की पुण्यतिथि को शहीद दिवस के रूप में मनाया जाता है। कांग्रेस नेता ने फॉरएवर गांधी हैशटैग का इस्तेमाल करते हुए ट्वीट किया, एक हिंदुत्ववादी ने गांधी जी को गोली मारी थी। सभी हिंदुत्ववादियों को लगता है कि गांधीजी नहीं रहे। जहां सत्य है, वहां बापू आज भी जीवित हैं। राहुल गांधी ने यहां राजघाट पर महात्मा गांधी को पुष्पांजलि भी अर्पित की।

राहुल गांधी ने अपने ट्विटर हैंडल पर महात्मा गांधी की एक टिप्पणी को भी साझा किया, जब मैं निराश होता हूँ, मैं याद कर लेता हूँ कि समस्त इतिहास के दौरान सत्य और प्रेम के मार्ग पर चलने वाले ही हमेशा विजयी होते हैं। कितने ही तानाशाह और हत्यारे हुए हैं, और कुछ समय के लिए वो अजेय लग सकते हैं, लेकिन अंत में उनका पतन होता हैं। इसके बारे में हमेशा सोचो।

कांग्रेस महासचिव प्रियंका गांधी वाद्रा ने भी महात्मा गांधी को श्रद्धांजलि देते हुए उनका एक वचन ट्वीट किया, अहिंसा कायरता की आड़ नहीं है, बल्कि यह वीर व्यक्ति का सर्वोच्च गुण है। कांग्रेस ने अपने आधिकारिक ट्विटर हैंडल पर कहा, हम राष्ट्रपिता को उनकी पुण्यतिथि पर श्रद्धांजलि देते हैं।

इस दिन को शहीद दिवस के रूप में भी मनाया जाता है, हम उन सभी बहादुर पुरुषों और महिलाओं को सलाम करते हैं जिन्होंने देश के लिए अपने प्राणों की आहुति दी।

कांग्रेस ने कहा कि हमारे प्यारे बापू आज भले ही इस कठिन समय में हमारा नेतृत्व करने के लिए हमारे बीच नहीं हैं, लेकिन अत्याचार, उदासीनता, अन्याय और झूठ के खिलाफ निडर और अथक रूप से लड़ने के उनके तरीके एक समृद्ध और प्रगतिशील भारत की हमारी तलाश में हमारा मार्गदर्शन करते हैं। कांग्रेस के विभिन्न वरिष्ठ नेताओं ने भी उन्हें श्रद्धांजलि दी।

महाविकास आघाडी महाराष्ट्र का भविष्य: संजय राउत

कहा, शिवसेना और भाजपा में फिर से मेल होने की कोई गुंजाइश नहीं

भाषा। मुंबई

शिवसेना सांसद संजय राउत ने रविवार को जोर देते हुए कहा कि तीन दलों का महाविकास आघाडी (एमवीए) महाराष्ट्र का राजनीतिक भविष्य है और भारतीय जनता पार्टी तथा उनकी पार्टी (शिवसेना) के बीच पर्दे के पीछे एक समझौता होने की अटकलों में कोई सच्चाई नहीं है।

राउत ने शिवसेना के मुखपत्र रोकटोक में अपने साप्ताहिक स्तंभ में कहा कि राज्य के मुख्यमंत्री एवं पार्टी प्रमुख उद्धव ठाकरे ने 23 जनवरी को शिव सैनिकों को संबोधित करते हुए भाजपा पर पलटवार किया था, जो उनके (ठाकरे के) अस्वस्थ रहने को लेकर उनकी आलोचना कर रही थी।

पार्टी के राज्यसभा सदस्य ने कहा कि ठाकरे ने भाजपा के पाखंड, हिंदुत्व पर दोहरे मानदंड को लेकर उस पर प्रहार किया था तथा यह जिक्र किया कि भाजपा के साथ गठजोड़ में शिवसेना को किस कदर नुकसान हुआ। ठाकरे ने कुछ महीने पहले एक सर्जरी कराई थी। राउत ने कहा कि उनके भाषण का यह अभिप्राय था कि शिवसेना, राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी और कांग्रेस की साझेदारी वाला महाविकास आघाडी महाराष्ट्र का भविष्य है तथा इन अटकलों में कोई सच्चाई नहीं है कि शिवसेना और भाजपा के बीच पर्दे के पीछे कोई समझौता हो रहा है और वे फिर से साथ आ सकते हैं।

उल्लेखनीय है कि भाजपा नेता देवेंद्र फडणवीस ने दावा किया था कि शिवसेना राजनीतिक रूप से उस वक्त फूली-फली जब वह भाजपा के साथ गठबंधन में थी। राउत ने कहा कि शिवसेना-भाजपा के फिर से मेल होने की कोई संभावना नहीं है।

शिवसेना ने 2019 के महाराष्ट्र विधानसभा चुनाव के बाद मुख्यमंत्री पद साझा किए जाने के मुद्दे को लेकर भाजपा से नाता तोड़ लिया था। शिवसेना के मुख्य प्रवक्ता ने दावा किया कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के चारों ओर कारोबारियों की एक दीवार है। राउत ने प्रधानमंत्री पर निशाना साधते हुए कहा, मोदी ने भारतीय राजनीति को एक कार्यक्रम में तब्दील कर दिया है और इसे एक त्योहारी स्वरूप दे दिया है। दुनिया में ऐसा किसी ने नहीं किया है।

नई दिल्ली में राजघाट में महात्मा गांधी को श्रृद्धा सुमन अर्पित करते राष्ट्रपति रामनाथ कोविंद

आईटी मंत्री के खिलाफ विशेषाधिकार प्रस्ताव की मांग को लेकर अधीर ने लोकसभा अध्यक्ष को लिखा पत्र

भाषा। नई दिल्ली

लोकसभा में कांग्रेस पार्टी के नेता अधीर रंजन चौधरी ने पेगासस मुद्दे पर संसद के निचले सदन को कथित रूप से गुमराह करने के लिए सूचना प्रौद्योगिकी मंत्री अश्विनी वैष्णव के खिलाफ विशेषाधिकार प्रस्ताव लाने की मांग की है।

कांग्रेस नेता ने न्यूयॉर्क टाइम्स में प्रकाशित उस रिपोर्ट के बाद रविवार को लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला को पत्र लिखा, जिसमें दावा किया गया है कि भारत सरकार ने हथियारों के लिए दो अरब अमेरिकी डॉलर के पैकेज के हिस्से के रूप में 2017 में इजरायली स्पाईवेयर खरीदा था। चौधरी ने कहा कि सरकार ने सदन में हमेशा यही कहा कि उसका पेगासस मामले से कोई लेनादेना नहीं है और सरकार ने एनएसओ समूह से कभी यह स्पाईवेयर नहीं खरीदा। कांग्रेस नेता ने लोकसभा अध्यक्ष को लिखे अपने पत्र में कहा, न्यूयॉर्क टाइम्स के हालिया खुलासे के आलोक में ऐसा लगता है कि मोदी सरकार ने संसद एवं उच्चतम न्यायालय को गुमराह किया और देश की जनता से झूठ बोला।

उन्होंने आगे लिखा कि उपरोक्त के मद्देनजर मैं सूचना प्रौद्योगिकी मंत्री के खिलाफ विशेषाधिकार प्रस्ताव शुरू करने की मांग करता हूं क्योंकि उन्होंने पेगासस मामले में सदन को जानबूझकर गुमराह किया। चौधरी ने यह भी आरोप लगाया कि सरकार ने उच्चतम न्यायालय से भी झूठ बोला, जब इससे पेगासस की खरीद एवं तैनाती के बारे में सीधे सवाल पूछे गए थे। कांग्रेस नेता ने उल्लेख किया कि अपने शपथ पत्र में सरकार ने पेगासस मामले में उसके खिलाफ किसी या सभी आरोपों से पूरी तरह से इनकार किया है।

चेन्नई के मरीना तट पर उमड़ी पर्यटकों की भीड़

कोलकाता हवाई अड्डे के पास 11 एकड़ जमीन पर झुग्गीवासियों का अतिक्रमण

नई दिल्ली। कोलकाता हवाई अड्डे के आसपास भारतीय विमानपत्तन प्राधिकरण (एएआई) की 11 एकड़ से अधिक जमीन पर झुग्गीवासियों ने अतिक्रमण कर रखा है। अधिकारियों ने यह जानकारी दी। उन्होंने बताया कि केंद्र द्वारा संचालित एएआई ने इस जमीन को अतिक्रमण से मुक्त कराने के लिए पश्चिम बंगाल पुलिस के पास प्राथमिकी दर्ज कराई है। एएआई अधिकारियों के अनुसार कोलकाता हवाई अड्डे की चहारदीवारी के बाहर पांच अलग-अलग हिस्सों में झुग्गीवासी रह रहे हैं। उन्होंने कहा कि ए पांचों हिस्से नारायणपुर-कैखली रोड के समीप 11.73 एकड़ क्षेत्र में फैले हैं जिन पर झुग्गीवासियों ने बांसों से अपने घर बना रखे हैं। अधिकारियों ने कहा कि एएआई इस मामले में पश्चिम बंगाल पुलिस की कार्रवाई का इंतजार कर रहा है।

राजमहल में साजिश से पाकिस्तान में विलय के कगार पर पहुंच गया था त्रिपुरा

रजवाड़े त्रिपुरा का भारतीय जनसंघ में विलय के लेखक इतिहासकार पन्ना लाल का खुलासा

भाषा। अगरतला

इस महीने के प्रारंभ में अपना 50 वां स्थापना दिवस मना चुका त्रिपुरा जब करीब 75 साल पहले एक रजवाड़ा था, तब वह करीब-करीब पाकिस्तान के साथ चला गया था। मुस्लिम लीग के समर्थन से महल में तख्तापलट का प्रयास हुआ था और भारतीय संघ में विलय के त्रिपुरा महाराज का अंतिम निर्णय पलटने के कगार पर पहुंच चुका था, लेकिन उस समय के कुछ निष्ठावान मंत्रियों (दरबारियों) द्वारा समय से उठाए गए कदम एवं उस दौर के नेताओं की चेतावनी से ऐसा संभव नहीं हो पाया।

रजवाड़े त्रिपुरा का भारतीय संघ में विलय के लेखक इतिहासकार पन्ना लाल रॉय ने कहा कि महाराजा बीर बिक्रम ने 28 अप्रैल, 1947 को घोषणा की थी कि त्रिपुरा भारतीय संघ का हिस्सा होगा और उसी दिन उन्होंने अपने इस फैसले के बारे में संविधान सभा के सचिव को टेलीग्राम भेजा था। उन्होंने कहा कि दुर्भाग्य से राजकुमार की 17 मई, 1947 को मृत्यु हो गई। उनके निधन के बाद उच्च पदस्थ अधिकारियों ने मुस्लिम लीग के साथ मिलकर पाकिस्तान के साथ राज्य के विलय की साजिश रच डाली। प्रसाद षडयंत्र नामक पुस्तक के लेखक रॉय ने कहा कि बीर बिक्रम किशोर के निधन के बाद कुछ मंत्रियों एवं दिवंगत राज के एक सौतेले भाई ने राजपरिवार के एक सदस्य को सिंहासन पर बिठाने तथा पाकिस्तान के साथ राज्य के विलय का ताजा समझौता करने के लिए त्रिपुरा के मुस्लिम लीग समर्थक संगठन अंजुमन इस्लामिया के साथ सुनियोजित साजिश रच डाली।

उन्होंने कहा कि मुस्लिम लीग के नेताओं ने पूर्वी पाकिस्तान के साथ त्रिपुरा के विलय के लिए कोमिल्ला एवं नोआखाली जिलों में कई बैठकें कीं तथा उन क्षेत्रों में दंगा भड़क जाने के बाद बड़ी संख्या में लोग शरणार्थी के तौर पर त्रिपुरा भागे। जनजाति राज्य के महाराजों का न केवल वर्तमान त्रिपुरा पर बल्कि जमींदारी व्यवस्था के जरिए पड़ोसी कोमिल्ला, नोआखाली और सिलहट जिलों के विशाल हिस्सों पर भी उनका शासन था। माणिक्या शासक जमींदार के तौर पर इन जिलों के निवासियों से राजस्व लेते थे, न कि शासक के तौर पर। वे न केवल उन क्षेत्रों में जनशिक्षा एवं स्वास्थ्य पर खर्च करते थे, बल्कि उन्होंने संभ्रांत कोमिला क्लब जैसे क्लब भी बनवाए। रेडक्लिफ आयोग ने इन क्षेत्रों को पाकिस्तान को दे दिया। रॉय ने कहा कि इससे और आयोग के एक अन्य फैसले से मुस्लिम लीग के नेताओं का मनोबल बढ़ गया। दूसरे फैसले में आयाग ने 97 फीसद बौद्ध धर्मावलंबी बहुल चट्टगांव हिल ट्रैक पाकिस्तान को इस आधार पर दे दिया कि वे चारों ओर से जमीन से घिरे होने के कारण आर्थिक रूप से अपना अस्तित्व बनाकर नहीं रख पाएंगे।

उनके लिए समस्या यहां यह थी कि 11 जून, 1947 को आखिरी शासक के निधन के 25 दिनों बाद अधिसूचना जारी की गई जिसमें कहा गया, यह अधिसूचित किया जाता है कि त्रिपुरा प्रांत के शासक दिवंगत कर्नल महामहिम महाराजा माणिक्य सर बीर बिक्रम किशोर देब बर्मन बहादुर ने वर्तमान संविधान सभा से जुडने का फैसला करते हुए 28 अप्रैल, 1947 को त्रिपुरा सरकार के मंत्री जी एस गुहा को उक्त संविधान सभा में त्रिपुरा का प्रतिनिधि नामित किया है।

उत्तराखंड में धामी और रावत में होगा कड़ा मुकाबला

भाषा। देहरादून

पिछले वर्ष जुलाई में उत्तराखंड के सबसे युवा मुख्यमंत्री बनने के केवल छह माह बाद पुष्कर सिंह धामी के सामने आगामी विधानसभा चुनाव में सत्ता में वापसी के लिए करो या मरो का युद्ध लड रही कांग्रेस है। धामी के समक्ष कांग्रेस की अगुवाई कर रहे हरीश रावत जैसे महारथी के खिलाफ भाजपा का सफल नेतृत्व करते हुए फिर से सरकार बनाने की चुनौती है।

हालांकि धामी एक नया चेहरा है और उनका छह माह का कार्यकाल भी अच्छा माना जा रहा है, लेकिन अनुभवी रावत के सामने भाजपा के लिए 60 से अधिक सीटें जिताने का लक्ष्य हासिल करना धामी के लिए आसान नहीं है। वर्ष 2017 के पिछले विधानसभा चुनावों में मुख्यमंत्री के पद पर रहते हुए रावत दो सीटों से चुनाव हारने के बावजूद उत्तराखंड की राजनीति में सबसे लोकप्रिय चेहरों में से एक हैं। कई ओपिनियन पोल

सर्वेक्षणों में भी वह मुख्यमंत्री पद के सबसे पसंदीदा उम्मीदवारों के रूप में सामने आए हैं। रावत को उम्मीद है कि भाजपा सरकार के खिलाफ चल रही सत्ता विरोधी लहर का फायदा कांग्रेस को जरूर मिलेगा। जहां भी वह जा रहे हैं वहां प्रदेश में बड़े बहुमत के साथ सत्ता में आने के बावजूद भाजपा द्वारा पांच साल में तीन मुख्यमंत्री देने, मंहगाई और बेरोजगारी के बढ़ने की बात उठा रहे हैं।

प्रदेश में बारी-बारी से दोनों पार्टियों के सत्ता में आने की अब तक की परंपरा को देखते हुए भी इस बार कांग्रेस की उम्मीदों को पंख लगे हुए हैं। दूसरी तरफ भाजपा पिछले पांच साल में विभिन्न क्षेत्रों में शुरू हुई विभिन्न विकास परियोजनाओं के कारण अपनी जीत को लेकर आश्वस्त है। अपनी वर्चुअल सभाओं में भाजपा के नेता जनता से डबल इंजन की सरकार को एक और मौका देने को कह रहे हैं जिससे इन परियोजनाओं को पूरा किया जा सके। धामी ने खुद माना कि उन्हें मुख्यमंत्री के रूप में कम समय मिला, लेकिन उन्होंने कहा कि उन्हें इस बात का संतोष है कि उन्होंने अपने कार्यकाल का एक-एक क्षण प्रदेश की 1.25 करोड लोगों की सेवा में लगाया। धामी ने कहा, केवल छह माह के छोटे से समय में हमने 550 से अधिक निर्णय लिए और उन पर कार्वाई की। कांग्रेस की पिछली सरकार ने केवल घोषणाएं कीं जो कभी पूरी नहीं हुईं। छोटा होने के बावजूद धामी का कार्यकाल चुनौतियों से भरा रहा जहां उन्हें चारधाम देवस्थानम बोर्ड के गठन को लेकर तीर्थ पुरोहितों के आक्रोश, कोविड की दूसरी लहर के प्रकोप और हरिद्वार कुंभ पर लगे सुपरस्प्रेडर के आरोपों का सामना करना पड़ा। इसके बाद पिछले साल नवंबर में बारिश से मची तबाही और इसमें अनेक लोगों के मारे जाने की घटना ने भी उनका इम्तहान लिया जिसमें व्यापक नुकसान के बावजूद सरकारी मशीनरी की तत्परता को सराहा गया।

धामी ने चारधाम देवस्थानम बोर्ड को भंग करने का निर्णय लेकर तीर्थ पुरोहितों की नाराजगी को समाप्त कर दिया और अपने राजनीतिक कौशल का जबरदस्त परिचय दिया। राज्य मंत्रिमंडल में अपने से अधिक अनुभवी मंत्रियों के होने के बावजूद धामी सबको साथ लेकर चले। इसके लिए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, गृह मंत्री अमित शाह और रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने सार्वजनिक मंचों से धामी की तारीफ की।

एक राजनीतिक पर्यवेक्षक ने कहा, अपनी मेहनत और व्यर्थ की बातें न करने वाले दृष्टिकोण के जरिए धामी ने काफी हद तक अपने दो पूर्ववर्ती मुख्यमंत्रियों द्वारा पैदा की गई सत्ता विरोधी लहर को थाम लिया है। हालांकि, चुनावों में अपनी पार्टी को दोबारा सत्तासीन करने के अलावा, उनके पास दूसरी चुनौती मुख्यमंत्रियों के स्वयं चुनाव में हार जाने की परंपरा को भी तोड़ना है। राजनीतिक विश्लेषक जेएस रावत ने कहा, उत्तराखंड में मुख्यमंत्री कभी भी नहीं जीतते। वर्ष 2002 में नित्यानंद स्वामी हारे, 2012 में भुवनचंद्र खंडूरी हारे और 2017 में हरीश रावत दोनों सीटों से हार गए। उन्होंने कहा कि उत्तराखंड में पांच साल का कार्यकाल पूरा करने वाले एकमात्र मुख्यमंत्री नारायणदत्त तिवारी ने चुनाव ही नहीं लड़ा।

आर्थिक समीक्षा में जीडीपी के अनुमान पर रहेगी नजर

आज होगी संसद में पेश, हाल के बरसों में आकलन हुए है गलत

भाषा। नई दिल्ली

अर्थव्यवस्था की स्थिति की जानकारी देने और नीतिगत नुस्खे सुझाने के लिए केंद्रीय बजट से पहले संसद में पेश की जाने वाली आर्थिक समीक्षा अक्सर सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) पूर्वानुमान पर चूक जाती है। कभी-कभी तो यह चूक बड़े अंतर से होती है। इस बार सोमवार को संसद के दोनों सदनों में राष्ट्रपति के अभिभाषण के तुरंत बाद वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण 2021-22 के लिए आर्थिक समीक्षा लोकसभा में पेश करेंगी। वह एक अप्रैल, 2022 से शुरू होने वाले अगले वित्त वर्ष के लिए मंगलवार को आम बजट पेश करेंगी।

मुख्य आर्थिक सलाहकार (सीईए) के नेतृत्व वाली टीम द्वारा तैयार की जाने वाली बजट-पूर्व आर्थिक समीक्षा में निगाहें मुख्य तौर जिन विषयों पर होती हैं उनमें से एक है अगले वित्त वर्ष के लिए सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) का अनुमान। सरकार ने अर्थशास्त्री वी अनंत नागेश्वरन को हाल में नया सीईए नियुक्त किया है। उन्होंने के वी सुब्रमण्यम की जगह ली है जिनका तीन वर्ष का कार्यकाल दिसंबर, 2021 में पूरा हो गया था। 2021-22 की आर्थिक समीक्षा को लेकर उम्मीद है कि वैश्विक महामारी से पुनरुद्धार की दिशा में बढ़ने के संकेत दे रही एशिया की तीसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था को देखते हुए इसमें अगले वित्त वर्ष के लिए वृद्धि का अनुमान लगभग 10 फीसदी रखा जाएगा। जनवरी, 2021 में पेश पिछली आर्थिक समीक्षा में 2021-22 के लिए 11 प्रतिशत आर्थिक वृद्धि रहने का अनुमान जताया गया था। हालांकि, भारत के सांख्यिकीय मंत्रालय का अनुमान है कि चालू वित्त वर्ष में आर्थिक वृद्धि केवल 9.2 प्रतिशत ही रहेगी। पिछली आर्थिक समीक्षा में अनुमान लगाया गया था कि अर्थव्यवस्था का संकुचन 6-6.5 फीसदी रह सकता है लेकिन यह अनुमान कोविड महामारी का प्रकोप शुरू होने के महीनों पहले का था, अंततः 2020-21 में अर्थव्यवस्था का संकुचन 7.3 प्रतिशत रहा। कोरोना वायरस के प्रसार को रोकने के लिए मार्च, 2020 के बाद देश में सख्त लॉकडाउन लगाने के कारण आर्थिक गतिविधियां बुरी तरह प्रभावित हुई थीं। हालांकि, चालू वित्त वर्ष में भारत का दुनिया की सबसे तेजी से बढ़ने वाली बड़ी अर्थव्यवस्था बनना तय है।

विस्तार ने फरवरी की कई उड़ानें रद्द की, कई में बदलाव किए जाने से यात्री परेशान

भाषा। नई दिल्ली

विस्तार एयरलाइन ने पिछले कुछ दिनों में फरवरी माह के लिए अपनी कई उड़ानों को रद्द कर दिया है। एयरलाइन ने इसके साथ ही कई उड़ानों में बदलाव या उनका पुनर्निर्धारण किया है। नागर विमानन उद्योग के सूत्रों ने रविवार को यह जानकारी दी। पिछले कुछ दिनों में बड़ी संख्या में प्रभावित यात्रियों ने सोशल मीडिया के जरिए सूचित किया है कि उन्हें विस्तार के कस्टमर केयर से संपर्क करने में भी मुश्किल हो रही है। विस्तार के प्रवक्ता ने पीटीआई-भाषा से कहा, कोविड-19 महामारी की ताजा लहर के बीच कुछ राज्य सरकारों द्वारा लगाई गई पाबंदियों की वजह से एयरलाइन क्षमता को मांग से समायोजित कर रही है। इसरो के वैज्ञानिक शिवाशीष प्रूस्ती ने रविवार को ट्वीट किया कि उनकी पांच फरवरी की दिल्ली-भुवनेश्वर उड़ान रद्द हो गई है और विस्तार का कस्टमर केयर पिछले 48 घंटे से व्यस्त आ रहा है। एक अन्य यात्री अर्पित सिंह खुराना ने भी शनिवार को ट्वीट किया था कि उनकी 12 फरवरी की दिल्ली-कोलकाता उड़ान रद्द हो गई है। कस्टमर केयर नंबर कोई उठा नहीं रहा है।

अधिक रोजगार देने वाले क्षेत्रों को मिले पीएलआई योजना का लाभ: सीआईआई

नई दिल्ली। वित्त वर्ष 2022-23 के आम बजट के ठीक पहले उद्योग मंडल सीआईआई ने रविवार को कहा कि उत्पादन से जुड़ी प्रोत्साहन (पीएलआई) योजनाओं में सृजित रोजगार के आधार पर प्रोत्साहन की अतिरिक्त दरें भी जोड़ी जानी चाहिए। भारतीय उद्योग परिसंघ (सीआईआई) ने सुझाव दिया है कि अधिक संख्या में रोजगार देने वाले चमड़ा एवं खाद्य प्रसंस्करण जैसे क्षेत्रों को निवेश आकर्षित करने और नए रोजगार पैदा करने के लिए प्रोत्साहन योजना के दायरे में लाया जाना चाहिए। सीआईआई के महानिदेशक चंद्रजीत बनर्जी ने एक बयान में कहा, महामारी की मार से उबर रहे देश में रोजगार के नए अवसर पैदा करने के लिए हमारा यह सुझाव है कि बजट में प्रोत्साहन योजनाओं के भीतर रोजगार-सृजन का पहलू भी जोड़ा जाए।

क्विक न्यूज

एम्बेसी आरईआईटी बेंगलूरु में 850 करोड़ रुपए से 19 लाख वर्ग फुट कार्यालय स्थल का विकास करेगी

नई दिल्ली। एम्बेसी ऑफिस पार्क्स आरईआईटी बेंगलूरु में करीब 20 लाख वर्ग फुट क्षेत्रफल के कार्यालय स्थलों के विकास पर 850 करोड़ रुपए निवेश करेगी। कंपनी के उप मुख्य कार्यकारी अधिकारी एवं मुख्य परिचालन अधिकारी विकास खडलोया ने पीटीआई-भाषा को दिए एक साक्षात्कार में कहा कि प्रीमियम कार्यस्थलों की मांग मजबूत रहने की उम्मीद में कंपनी बेंगलूरु में कार्यालय स्थलों का विस्तार करने की योजना बना रही है। खडलोया ने कहा, हम बेंगलूरु में स्थित एम्बेसी टेक विलेज में 19 लाख वर्ग फुट क्षेत्र के विकास को शुरू कर वृद्धि के नए चक्र में कदम रख रहे हैं। यह कार्यक्षेत्र चार इमारतों में विकसित किया जाएगा और इस पर 850 करोड़ रुपए का निवेश किया जाएगा। इसके साथ देश के पहले सूचीबद्ध रियल एस्टेट निवेश ट्रस्ट एम्बेसी ऑफिस पार्क्स आरईआईटी फिलहाल 46 लाख वर्ग फुट क्षेत्र का विकास कर रही है। वह चेन्नई में भी 50 लाख वर्ग फुट क्षेत्र के एक आईटी पार्क के अधिग्रहण की संभावनाओं को परख रही है।

सारेगामा इंडिया संगीत कारोबार में करेगी 750 करोड़ रुपए का निवेश

कोलकाता। आरपी-संजीव गोयनका समूह की कंपनी सारेगामा इंडिया अगले कुछ वर्षों में 25-30 फीसदी की राजस्व वृद्धि हासिल करने के लिए अपने संगीत कारोबार में 750 करोड़ रुपए तक निवेश करने की योजना बना रही है। सारेगामा इंडिया के एक वरिष्ठ अधिकारी ने कहा कि अगले कुछ वर्षों में राजस्व में 25-30 फीसदी वृद्धि का लक्ष्य रखा गया है और इसके लिए 750 करोड़ रुपए तक निवेश करने की योजना है। कंपनी के इस अधिकारी ने कहा कि यह समूची राशि सिर्फ संगीत व्यवसाय में लगाई जाएगी और फिल्मों एवं कारवां व्यवसायों में इसका इस्तेमाल नहीं किया जाएगा।

धोखाधड़ी मामले में रेलिगेयर के पूर्व सीएमडी गोधवानी की जमानत अर्जी खारिज

नई दिल्ली। दिल्ली की एक अदालत ने फंड के कथित दुरुपयोग के मामले में रेलिगेयर एंटरप्राइजेज लिमिटेड (आरईएल) के पूर्व चेयरमैन एवं प्रबंध निदेशक सुनील गोधवानी को जमानत देने से इनकार कर दिया है। अतिरिक्त सत्र न्यायाधीश प्रशांत शर्मा ने अपने आदेश में कहा कि आरोपी के आचरण और उस पर लगे आरोपों की गंभीरता को देखते हुए बड़ी राशि वाले इस मामले में गोधवानी को जमानत नही दी जा सकती है। अभियोजन पक्ष के मुताबिक, गोधवानी और कुछ अन्य लोगों ने आरईएल समूह की कंपनी रेलिगेयर फिनवेस्ट लिमिटेड (आरएफएल) को खराब वित्तीय स्थिति में ला दिया। कमजोर वित्तीय स्थिति वाली फर्मों को कर्ज बांटे गए लेकिन उन्होंने कर्ज नही लौटाए जिससे आरएफएल को 2,397 करोड़ रुपए का नुकसान पहुंचा। गोधवानी को वर्ष 2019 में गिरफ्तार किया गया था। उनकी उम्र एवं बीमारियों का हवाला देते हुए जमानत देने की मांग की गई थी लेकिन अदालत ने आरोपों की गंभीरता को देखते हुए उनकी अर्जी ठुकरा दी।

दाइवा ने यूएचडी स्मार्ट टीवी लॉन्च किए

मुंबई। सबसे तेजी से बढ़ रहे कंज्यूमर ड्यूरैबल और मेड इन इंडिया स्मार्ट टीवी ब्राण्ड्स में से एकए दाइवा ने भारत में वेबओएस टीवी से पावर्ड दो नये यूएचडी स्मार्ट टीवी पेश किए हैं। थिनक्यू एआई वॉइस असिस्टेन्स के साथ नई टेक्नोलॉजी और स्ट्रीमिंग सर्विसेस की एक बड़ी रेंज को सपोर्ट करने वाला सहजज्ञानी यूजर इंटरफेस इन वेबओएस टीवी के हर सिनेमाई अनुभव को बेहतरीन बनाता है। 109 सेमी 43 डी43यू1डब्ल्यूओएस और 140 सेमी 55, डी55यू1डब्ल्यूओएसए दोनों ही दाइवा की अत्यंत सफल वेबओएस टीवी सीरीज लाइन-अप का हिस्सा हैं। जिन्हें वीडियोटेक्स की ग्रेटर नोएडा में स्थित विनिर्माण संयंत्र में बनाया गया है। इन स्मार्ट टीवी का मूल्य क्रमशरू 34999 रूपये और 49999 रूपये है। यह 12 महीने की पूरी वारंटी और पैनल पर अतिरिक्त 12 महीने की वारंटी नियम और शर्तें लागूद्ध के साथ भारत में अग्रणी रिटेल स्टोर्स पर पहले से उपलब्ध हैं।

परिधान निर्यातकों की नए बाजारों पर नजर, कच्चे माल की कीमतें चिंता का विषय : एईपीसी

नई दिल्ली। परिधान निर्यातकों की निगाह लातिनी अमेरिका, ऑस्ट्रेलिया और इस्राइल जैसे नए बाजारों पर है। परिधान निर्यात संवर्द्धन परिषद (एईपीसी) को चालू वित्त वर्ष और आगामी वित्त वर्ष में देश से होने वाले निर्यात में अच्छी वृद्धि की उम्मीद है। हालांकि, दूसरी ओर कच्चे माल की कीमतें उद्योग के लिए चिंता का विषय हैं। एईपीसी के चेयरमैन नरेंद्र गोयनका ने कहा कि क्षेत्र के लिए निर्यात अवसरों का पता लगाने के लिए परिषद विदेशों में भारतीय दूतावासों के साथ भी सक्रिय रूप से जुड़ी हुई है। उन्होंने पीटीआई-भाषा से कहा, हम नए बाजारों की तलाश कर रहे है। हमारे लिए वहां निर्यात की बड़ी संभावनाएं हैं। चालू वित्त वर्ष में 16.5 अरब डॉलर तक का और 2022-23 में 19 अरब डॉलर तक का निर्यात होने की उम्मीद है। परिधान के क्षेत्र में अच्छी वृद्धि होने वाली है।

भारत का इस्पात उत्पादन 2021 में 18 फीसदी बढ़कर 11.8 करोड़ टन हुआ

नई दिल्ली। भारत का कच्चे इस्पात का उत्पादन वर्ष 2021 में 18 फीसदी बढ़कर 11.8 करोड़ टन हो गया, वही इस मामले में विश्व में अगुआ चीन में इस्पात उत्पादन तीन फीसदी घटकर 103.28 करोड़ टन हो गया। वैश्विक उद्योग संगठन वर्ल्ड स्टील एसोसिएशन (वर्ल्डस्टील) ने अपनी रिपोर्ट में कहा कि दूसरे बड़े इस्पात उत्पादक देश भारत ने 2020 में 10.03 करोड़ टन इस्पात का उत्पादन किया था वही चीन ने इसी अवधि में 106.47 करोड़ टन इस्पात का उत्पादन किया। वर्ल्डस्टील ने कहा, 2021 में विश्व में कच्चे इस्पात का कुल उत्पादन 195.05 करोड़ टन था जो 2020 के कुल उत्पादन 188.04 करोड़ टन से 3.7 फीसदी अधिक है।

आकाश ने यूपी में एक और क्लासरूम सेंटर लॉन्च किया

उन्नाव। हजारों छात्रों को डॉक्टर और आईआईटीयन बनने के अपने सपनों को साकार करने में मदद करने के लिए तथा देश के विभिन्न हिस्सों में अपने नेटवर्क का विस्तार करने के आदर्श वाक्य को आगे बढ़ाने के लिएए परीक्षा तैयारी सेवाओं में देश भर में अग्रणी, आकाश एजुकेशनल सर्विसेज लिमिटेड ने उत्तर प्रदेश के उन्नाव में अपने पहले क्लासरूम सेंटर का उद्घाटन किया। नए सेंटर में 200 छात्रों के लिए 4 कक्षाएँ होंगी। सी -.919, पहली मंजिलए स्काई हाई बिल्डिंगए पीएनबी बैंक आवास विकासए उन्नाव उत्तर प्रदेश के ऊपर स्थित क्लासरूम सेंटर फाउंडेशन स्तर के पाठ्यक्रम,जो बेसिक्स को मजबूत करने के अलावा उन्हें विभिन्न प्रकार की प्रतियोगी परीक्षाएं जैसे ओलंपियाड की तैयारी में करता है, के साथ.साथ मेडिकल और इंजीनियरिंग प्रवेश परीक्षा पाठ्यक्रमों की तैयारी करने वाले छात्रों के लिए सहायक होगा। क्लासरूम सेंटर का उद्घाटन बृजेश त्रिपाठी, डिप्टी डायरेक्टर एईएसएल द्वारा राजेश कुमार रीजनल हेडय डॉ ऐश्वर्या टंडन, सीनियर असिस्टेंट डायरेक्टर और श्री एसएएमण् सरोश रिजवीए ब्रांच हेडए फूलबाग, एईएसएल कानपुर की उपस्थिति में किया गया।

कोविड-19 की तीसरी लहर से घरों की बिक्री पर मामूली असर : उद्योग

नई दिल्ली। कोविड-19 महामारी की तीसरी लहर से घरों की बिक्री पर विशेष असर पड़ने की संभावना नहीं है। जनवरी-मार्च की मौजूदा तिमाही में भी घरों की मांग मजबूत रहने की उम्मीद है। उद्योग विशेषज्ञों ने यह राय जताई है। कई राज्यों ने कोरोना वायरस के नए स्वरूप ओमीक्रोन के प्रसार को रोकने के लिए सप्ताहांत कर्फ्यू जैसे अंकुश लगाए हैं, जिससे परियोजना स्थलों पर संभावित ग्राहकों की आवाजाही पर असर पड़ा है। हालांकि रियल एस्टेट डेवलपर और संपत्ति सलाहकारों का मानना है कि जनवरी के पहले दो सप्ताह में इसका मामूली असर ही पड़ा है और बिक्री के लिए पूछताछ मजबूत बनी हुई है। एनेरॉक के चेयरमैन अनुज पुरी ने कहा, घरों की बिक्री पर ओमीक्रोन का प्रभाव पिछली दो लहरों की तुलना में सीमित रहने की संभावना है। एनेरॉक देश की प्रमुख आवासीय ब्रोकरेज कंपनियों में से एक है। उन्होंने कहा, पिछली दो लहरों की तुलना में इस बार पूर्ण लॉकडाउन नहीं लगा है और आवाजाही प्रभावित नहीं हुई है। धारणा व्यापक रूप से सकारात्मक बनी हुई है, क्योंकि इस लहर में मृत्यु दर काफी कम है। इसके अलावा अस्पताल में भर्ती होने वाले मरीजों की संख्या भी काफी कम है। पुरी ने कहा, हालांकि कुछ शहरों में सप्ताहांत के लॉकडाउन ने परियोजना स्थल पर संभावित ग्राहकों की आवाजाही को प्रभावित किया है। लेकिन डिजिटल प्रौद्योगिकी के जरिए रियल एस्टेट कंपनियों ने अपनी बिक्री की रफ्तार को कायम रखा है। कुशमैन एंड वेकफील्ड इंडिया के प्रबंध निदेशक (आवासीय सेवाएं) शालिन रैना ने कहा कि नई लहर से बिक्री पर मामूली असर पड़ा है।

कोविड-19 की तीसरी लहर से घरों की बिक्री पर मामूली असर : उद्योग

भाषा। नई दिल्ली

कोविड-19 महामारी की तीसरी लहर से घरों की बिक्री पर विशेष असर पड़ने की संभावना नहीं है। जनवरी-मार्च की मौजूदा तिमाही में भी घरों की मांग मजबूत रहने की उम्मीद है। उद्योग विशेषज्ञों ने यह राय जताई है। कई राज्यों ने कोरोना वायरस के नए स्वरूप ओमीक्रोन के प्रसार को रोकने के लिए सप्ताहांत कर्फ्यू जैसे अंकुश लगाए हैं, जिससे परियोजना स्थलों पर संभावित ग्राहकों की आवाजाही पर असर पड़ा है।

हालांकि रियल एस्टेट डेवलपर और संपत्ति सलाहकारों का मानना है कि जनवरी के पहले दो सप्ताह में इसका मामूली असर ही पड़ा है और बिक्री के लिए पूछताछ मजबूत बनी हुई है। एनेरॉक के चेयरमैन अनुज पुरी ने कहा, घरों की बिक्री पर ओमीक्रोन का प्रभाव पिछली दो लहरों की तुलना में सीमित रहने की संभावना है। एनेरॉक देश की प्रमुख आवासीय ब्रोकरेज कंपनियों में से एक है। उन्होंने कहा, पिछली दो लहरों की तुलना में इस बार पूर्ण लॉकडाउन नहीं लगा है और आवाजाही प्रभावित नहीं हुई है। धारणा व्यापक रूप से सकारात्मक बनी हुई है, क्योंकि इस लहर में मृत्यु दर काफी कम है। इसके अलावा अस्पताल में भर्ती होने वाले मरीजों की संख्या भी काफी कम है। पुरी ने कहा, हालांकि कुछ शहरों में सप्ताहांत के लॉकडाउन ने परियोजना स्थल पर संभावित ग्राहकों की आवाजाही को प्रभावित किया है। लेकिन डिजिटल प्रौद्योगिकी के जरिए रियल एस्टेट कंपनियों ने अपनी बिक्री की रफ्तार को कायम रखा है। कुशमैन एंड वेकफील्ड इंडिया के प्रबंध निदेशक (आवासीय सेवाएं) शालिन रैना ने कहा कि नई लहर से बिक्री पर मामूली असर पड़ा है। उन्होंने कहा, वर्ष 2021 में भारत में आवासीय अचल संपत्ति बाजार ने उल्लेखनीय रूप से पुनरुद्धार दर्ज किया है।

चालू वित्त वर्ष के पहले नौ माह में समुद्री उत्पादों का निर्यात 35 प्रतिशत बढ़ा

नई दिल्ली। देश से समुद्री उत्पादों का निर्यात चालू वित्त वर्ष के पहले नौ माह (अप्रैल-दिसंबर, 2021) में 35 प्रतिशत बढ़कर 6.1 अरब डॉलर पर पहुंच गया। इससे पिछले वित्त वर्ष की समान अवधि में यह 4.5 अरब डॉलर रहा था। वाणिज्य मंत्रालय की ओर से रविवार को जारी आंकड़ों से यह जानकारी मिली है। दिसंबर, 2021 में समुद्री उत्पादों का निर्यात 28 प्रतिशत बढ़कर 72.05 करोड़ डॉलर पर पहुंच गया।

देश के पांच प्रमुख निर्यात गंतव्यों में अमेरिका, चीन, जापान, वियतनाम और थाइलैंड शामिल हैं। देश से समुद्री उत्पादों के निर्यात में मूल्य के हिसाब से सबसे अधिक 74 प्रतिशत हिस्सा झींगे (फ्रोजन) का रहा। इसके अलावा फ्रोजन मछली का हिस्सा सात प्रतिशत तथा स्क्विड का हिस्सा पांच प्रतिशत रहा। मई, 2020 में पेश की गई प्रधानमंत्री मत्स्य संपदा योजना (पीएमएमएसवाई) के तहत मछली निर्यात का लक्ष्य एक लाख करोड़ रुपए रखा गया है। इसके अलावा इस योजना के तहत 70 लाख टन अतिरिक्त मछली उत्पादन और आने वाले वर्षों में 55 लाख रोजगार अवसरों के सृजन का लक्ष्य रखा गया है।

दूरसंचार कंपनियों को अंतरराष्ट्रीय कॉल एवं संदेश दो साल तक सुरक्षित रखने होंगे: सरकार

भाषा। नई दिल्ली

सरकार ने सामान्य दूरसंचार नेटवर्क के साथ ही इंटरनेट के जरिए विदेश से की जाने वाली कॉल, सैटेलाइट फोन कॉल, कॉन्फ्रेंस कॉल और संदेशों को कम-से-कम दो साल के लिए सुरक्षित (स्टोर) रखने को अनिवार्य कर दिया है। दूरसंचार विभाग की तरफ से जारी एक परिपत्र में दूरसंचार सेवा प्रदाताओं के लिए अंतरराष्ट्रीय कॉल एवं संदेशों को अनिवार्य रूप से सुरक्षित रखने के बारे में आदेश जारी किया गया है। दूरसंचार विभाग ने यह कदम गत दिसंबर में एकीकृत लाइसेंस में किए गए संशोधन के बाद उठाया है जिसमें कॉल डेटा रिकॉर्ड के अलावा इंटरनेट ब्योरे को दो साल के लिए सुरक्षित रखना अनिवार्य किया गया था। पहले यह प्रावधान सिर्फ एक साल के लिए ही लागू था। एकीकृत लाइसेंस धारक कंपनियों में भारती एयरटेल, रिलायंस जियो, वोडाफोन जियो, बीएसएनएल हैं। वे अपने ग्राहकों को सैटेलाइट फोन सेवाओं को छोड़कर सभी तरह की दूरसंचार सेवाएं प्रदान करती हैं। गत शुक्रवार को विभाग की तरफ से जारी इस परिपत्र के मुताबिक, लाइसेंसधारक कंपनियों को कॉल डेटा रिकॉर्ड, आईपी रिकॉर्ड और सभी वाणिज्यिक रिकॉर्ड कम-से-कम दो साल के लिए स्टोर करने होंगे ताकि सरकार सुरक्षा कारणों से उनकी जांच कर सकें। दो साल की अवधि पूरा होने के बाद कंपनियां इस आंकड़े को नष्ट कर सकती हैं, बशर्ते कि किसी खास मामले में कोई निर्देश न दिया गया हो।

एमआरपीएल का तीसरी तिमाही का लाभ बढ़कर 969 करोड़ रुपए रहा

मेंगलुरु। मंगलौर रिफाइनरी ऐंड पेट्रोकेमिकल्स लिमिटेड (एमआरपीएल) का 2021-22 की तीसरी तिमाही में शुद्ध मुनाफा 969 करोड़ रुपए रहा है। वित्त वर्ष 2020-21 की समान अवधि में उसे 76 करोड़ रुपए का घाटा हुआ था। कंपनी की ओर से जारी विज्ञप्ति में कहा गया कि 2021-22 की तीसरी तिमाही में परिचालन से सकल राजस्व 25,238 करोड़ रुपए रहा जो 2020-21 की समान अवधि में 14,136 करोड़ रुपए था। कंपनी का सकल रिफाइनिंग मार्जिन (जीआरएम) तीसरी तिमाही के दौरान 9.29 रुपए प्रति बैरल था, जो पिछले वर्ष की इसी अवधि में 3.26 रुपए प्रति बैरल रहा था। जीआरएम कच्चे तेल और तैयार उत्पादों की कीमत के बीच का अंतर है। कंपनी ने शेयर बाजार को सूचित किया कि 2021-22 की पहली छमाही में कोविड-19 के कारण लगे लॉकडाउन के कारण पेट्रोलियम उत्पादों की मांग घटी जिससे कच्चे तेल का उत्पादन कम रहा।

कर्मचारियों के अपने संगठनों से जुड़ाव पर कोविड ने डाला गहरा असर: रिपोर्ट

भाषा। नई दिल्ली

कोविड-19 महामारी के कारण प्रौद्योगिकी क्षेत्र के संगठनों को सबसे ज्यादा परेशानी कर्मचारियों को अपने साथ बनाए रखने और संगठनों के साथ कर्मचारियों के जुड़ाव में आई। कौशल तलाश एवं सलाहकार कंपनी पीपल्सएसेट की एक रिपोर्ट में कहा गया कि महामारी के कारण प्रभावित हुए अन्य क्षेत्रों में राजस्व, ग्राहकों के साथ जुड़ाव, नए ग्राहक और परियोजनाएं, कर्मचारियों की उत्पादकता भी शामिल हैं। यह रिपोर्ट कंपनियों के वरिष्ठ अधिकारियों के बीच कराए गए सर्वेक्षण पर आधारित है। इसके मुताबिक, 88.9 फीसदी अधिकारियों ने माना कि कोविड-19 का उनके संगठनों पर बहुत अधिक प्रभाव पड़ा। उन्होंने कहा कि कर्मचारियों का जुड़ाव और उन्हें अपने साथ बनाए रखने में बहुत मुश्किलें आईं। कर्मचारियों के जुड़ाव की बात करें तो संगठनों के साथ जुड़ाव के अहसास में कमी आई, आपसी संपर्क कम हुए, संवाद, टीम के बीच सहयोग और कामकाज तथा दैनिक जीवन में संतुलन में भी कमी आई। महामारी के दौर में दुनिया भर में बड़ी संख्या में कर्मचारियों, खासकर प्रौद्योगिकी क्षेत्र के कर्मचारियों ने नौकरियां छोड़नी शुरू कर दीं।

बजट में ईएसजी मानकों के प्रोत्साहन के कदम उठाए जाएं: विशेषज्ञ

नई दिल्ली। भारत को वर्ष 2070 तक शून्य कार्बन उत्सर्जन वाली अर्थव्यवस्था बनाने की सरकार की प्रतिबद्धता के मद्देनजर विशेषज्ञों का कहना है कि आगामी बजट में पर्यावरण, सामाजिक और शासन (ईएसजी) संबंधी मुद्दों पर ध्यान दिया जाना चाहिए और हरित अर्थव्यवस्था को बढ़ावा देने के लिए आवश्यक कर एवं गैर-कर प्रोत्साहन दिए जाने चाहिए। पीडब्ल्यूसी इंडिया के मुताबिक क्षेत्रों और संस्थानों के लिए प्रोत्साहन पहलों, संसाधनों के आवंटन और खरीद प्रक्रियाओं के लिए ईएसजी मानदंडों को बजट में शामिल करना चाहिए। पीडब्ल्यूसी इंडिया के अनुसार, ईएसजी मानक अपनाने के लिहाज से सक्षम पारिस्थितिकी तंत्र बनाने के लिए कार्बन उत्सर्जन पर रोक, उपयोग और भंडारण (सीसीयू), हाइड्रोजन, परिवहन, ग्रिड लचीलापन, वनरोपण और प्रकृति आधारित समाधान समेत हरित प्रौद्योगिकी (क्लिटेक) के लिए बजट में अतिरिक्त आवंटन, व्यवहार्यता आधारित वित्त पोषण और संस्थागत क्षमता निर्माण महत्वपूर्ण हैं। मैक्स एस्टेट्स लिमिटेड के मुख्य परिचालन अधिकारी (सीओओ) ऋषि राज ने कहा, तय पर्यावरण मानकों और प्रमाणन पर कर छूट, पर्यावरण के लिए नुकसानदायक गतिविधियों पर हरित कर और सोलर पैनल, इलेक्ट्रिक वाहन और कार्बन रहित सामग्रियों जैसे हरित उत्पादों और सेवाओं के इस्तेमाल पर सब्सिडी के जरिए टिकाऊपन के एजेंडा को बढ़ाने में मदद मिल सकती है।

पेज एक का शेष

चुनाव प्रचार...

में 2,34,281 कोविड के नए मामले सामने आए, इसके साथ भारत के कुल मामलों की संख्या रविवार को बढ़कर 4.10 करोड़ से अधिक हो गई। 24 घंटे की अवधि के दौरान 893 लोगों की मौत के साथ मरने वालों की संख्या बढ़कर 4,94,091 हो गई।

जैश के...

से एक था। मेजर जनरल श्रीवास्तव ने कहा, इस सफलता के साथ, हमने इस क्षेत्र में जेईएम के खतरे को निष्प्रभावी करने के लिए एक बहुत महत्वपूर्ण कदम उठाया है। वानी को ढेर करने के साथ हमने 2017 के बाद के वर्षों में हुए विभिन्न आईईडी हमलों के मास्टरमाइंड में से एक को खत्म कर दिया। श्रीवास्तव ने कहा कि वानी युवाओं की आतंकवादी संगठनों में व्यापक भर्ती में भी शामिल था। जीओसी ने कहा, उसने (वानी ने) अपनी असामयिक मृत्यु की बात से उन्हें गुमराह किया और क्षेत्र के परिवारों और लोगों को बहुत नुकसान पहुंचाया। उसके खात्मे से जिले के निवासियों और वास्तव में पूरे जम्मू कश्मीर को काफी राहत मिलेगी। पुलिस के एक प्रवक्ता ने पुलवामा मुठभेड़ में मारे गए चार आतंकवादियों की पहचान करीमाबाद, पुलवामा निवासी जाहिद अहमद वानी उर्फ उजैर, खदेरमोह काकापोरा निवासी वहीद अहमद रेशी, नाइरा, पुलवामा निवासी इनायत अहमद मीर और पाकिस्तान निवासी कफील भारी उर्फ छोटू के रूप में की है। आईजीपी ने कहा कि पुलवामा के नाइरा में जिस घर में मुठभेड़ हुई, उसके मालिक के खिलाफ गैर कानूनी गतिविधि रोकथाम कानून (यूएपीए) के तहत मामला दर्ज किया जाएगा। कुमार ने कहा, यह (मकान मालिक का बेटा) एक हाइब्रिड आतंकवादी का सबसे अच्छा उदाहरण है। ऐसे कई लोग हैं जो आतंकवादी के रूप में सूचीबद्ध नहीं हैं लेकिन उनमें शामिल हैं। इनायत (अहमद) को आत्मसमर्पण करने के लिए कहा गया था, लेकिन वह आतंकवादियों के साथ सुरक्षा बलों पर गोलीबारी करता रहा और मारा गया। उन्होंने कहा कि सुरक्षा बलों का ध्यान पाकिस्तानी और हाइब्रिड आतंकवादियों को ढेर करने पर है। कुमार ने कहा, पिछले दो महीनों में, प्रत्एक मुठभेड़ में एक या दो विदेशी आतंकवादी मारे गए हैं। यह हमारे लिए अच्छी बात है। विदेशी आतंकी सर्दियों में उंचे इलाकों से गांवों में आते हैं। ग्रामीण हमें सूचित करते हैं, हम अभियान शुरू करते हैं और विदेशी आतंकी मारा जाता है। उन्होंने कहा, यह एक तथ्य है कि इस बार विदेशी और स्थानीय आतंकियों की संख्या बराबर है। हम उन्हें ढेर कर देंगे। हम पूरी तरह से इस पर ध्यान केंद्रित करेंगे क्योंकि पाकिस्तानी आतंकवादी और हाइब्रिड आतंकवादी हमारे लिए एक चुनौती हैं, हम दोनों पर ध्यान केंद्रित कर रहे हैं और उन्हें ढेर करते रहेंगे। घाटी के शीर्ष पुलिस अधिकारी ने कहा कि यह पहली बार है कि आतंकवादियों की संख्या 200 से नीचे आई है। उन्होंने कहा, इस साल इसे 100 से नीचे लाने की पूरी कोशिश है। कुमार ने कहा कि आतंकवादी विभिन्न तरीकों से हथियार और गोला-बारूद प्राप्त कर रहे हैं। उन्होंने कहा, आपने देखा कि जम्मू क्षेत्र में 35 ड्रोन जब्त किए गए। कई हथियार ड्रोन से, सड़क मार्ग से, घुसपैठ के जरिए पहुंचाए गए। बहुत सारे तरीके हैं। लेकिन, हम अपने नेटवर्क को मानव खुफिया और तकनीकी खुफिया जानकारी से मजबूत बना रहे हैं और हम इस खतरे को बेअसर कर देंगे। विभिन्न असॉल्ट राइफलों का प्रदर्शन करने वाले आतंकवादियों के वीडियो के बारे में पूछे जाने पर कुमार ने कहा कि हर साल जनवरी-फरवरी में आतंकवादी भर्ती बढ़ाने के लिए इस तरह के प्रचार वीडियो जारी करते हैं। उन्होंने कहा, वे कुछ हथियार दिखाते हैं, जो यहां मौजूद नहीं हैं। लेकिन फिर भी अगर ऐसा कोई हथियार यहां आता है तो हमारे सुरक्षा बल उस खतरे को बेअसर करने में काफी सक्षम हैं। चिंता करने की कोई जरूरत नहीं है।

राजस्थान में...

घर से अगवा कर लिया और उसे एक वाहन में नजदीक के खेत में जान से मारने की मंशा से ले जाया गया। पीड़ित ने आरोप लगाया कि राकेश और राजेश ने उसे शराब पीने के लिए मजबूर किया और सभी आरोपियों ने खाली शराब की बोतल में पेशाब कर उसे जबरन पिलाया और फिर गांव छोड़ने से पहले उसे उसकी पिटाई की। प्राथमिकी में मेघवाल ने आरोप लगाया कि आरोपियों ने उसे जातिवादी गालियां दी और दलितों के लिए अपमानजनक शब्द का इस्तेमाल करते हुए उसे अपमानित करते हुए कहा कि उन्हें (दलितों को) जाट समुदाय के साथ टकराव की हिम्मत करने के लिए सबक सिखाया है। आरोपियों के खिलाफ भारतीय दंड संहिता की धारा 143, 365 और 382 सहित एससी एसटी की संबंधित धाराओं में मामला दर्ज किया गया। पुलिस ने बताया कि पीड़ित मेघवाल की पीठ पर चोट के निशान है जो इस बात की पुष्टि करता है कि उसे पीटा गया था। जांच अधिकारी और रतनगढ़ के सर्किल अधिकारी हिमांशु शर्मा ने कहा, इस बात की पुष्टि हो गई है कि पीड़ित को पीटा गया था और इस संबंध में दो आरोपियों को गिरफ्तार किया गया है। उन्होंने बताया कि पीड़ित को पेशाब पीने के लिए मजबूर करने के आरोप की पुष्टि अभी तक नहीं हुई है। दो आरोपियों उमेश और बीरबल को शनिवार शाम को गिरफ्तार कर लिया गया और वाहन को जब्त कर लिया गया है। उन्होंने बताया कि सभी लोग एक ही गांव के है। मेघवाल एक खेत मजदूर है और कुछ आरोपी छात्र हैं। उन्होंने बताया कि पीड़ित ने आरोप लगाया है कि पिछले साल होली पर वह एक वाद्ययंत्र बजा रहा था तो आरोपियों ने उस पर कथित टिप्पणियां की थी, जिस पर विवाद हो गया था।

फेसबुक पोस्ट...

का आरोप लगाते हुए एक शिकायत दर्ज कराई थी। आतंकवाद रोधी दस्ते (एटीएस) के अधिकारियों ने कहा कि मौलवी कमरगनी उस्मानी को दिल्ली से गिरफ्तार किया गया है और वह इस मामले में गिरफ्तार होने वाले दूसरे मौलाना हैं। इससे पहले मोहम्मद अयूब जावरावाला को अहमदाबाद से शुक्रवार को गिरफ्तार किया गया था। एटीएस के पुलिस अधीक्षक इम्तियाज शेख ने संवाददाताओं से कहा कि बोलिया की कथित रूप से गोली मारकर हत्या करने वाला शब्बीर चोपड़ा सोशल मीडिया मंच इंस्टाग्राम के जरिए उस्मानी के संपर्क में था। उन्होंने कहा कि गिरफ्तार मौलाना एक सामाजिक संगठन चलाता है और समुदाय के लोगों को पैगंबर मोहम्मद का अपमान करने वालों के खिलाफ कार्रवाई करने के लिए कथित रूप से उकसाता है। पुलिस ने शब्बीर चोपड़ा (25), इम्तियाज पठान (27) और जावरावाला को शुक्रवार को गिरफ्तार किया था। गुजरात एटीएस ने मामले की तफ्तीश शनिवार से शुरू की है।

हिंदू महासभा...

महासभा ने ग्वालियर में रविवार को महात्मा गांधी के हत्यारों नाथूराम गोडसे एवं नारायण राव आप्टे को श्रद्धांजलि दी। महसाभा ने इस दिन को गोडसे-आप्टे स्मृति दिवस के रूप में मनाया। इस अवसर पर हिंदू महासभा ने ग्वालियर के दौलतगंज स्थित अपने दफ्तर में आयोजित कार्यक्रम में महात्मा गांधी को अपशब्द कहने वाले हिन्दू धर्म गुरु कालीचरण महाराज सहित पांच कार्यकर्ताओं को गोडसे-आप्टे स्मृति भारत रत्न सम्मान दे दिया। इस मौके पर महासभा के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष डॉ. जयवीर भारद्वाज ने आरोप लगाया कि चाहे भाजपा हो या कांग्रेस, दोनों ने ही देश की आजादी के लिए बलिदान होने वाले साधु-संतों व क्रांतिकारियों को भुला दिया। सम्मान देने के बाद भारद्वाज ने मीडिया को बताया, हिंदू महासभा ने देश की आजादी के लिए कई बलिदानी दिए। लोग भ्रम में नहीं रहें कि चरखे के कारण देश को आजादी मिली। उन्होंने आगे कहा, आज के दिन दिल्ली के बिड़ला भवन से नाथूराम गोडसे व आप्टे को गिरफ्तार किया था। इसलिए आज से हिंदू महासभा पांच लोगों को गोडसे-आप्टे स्मृति भारत रत्न सम्मान दे रही है। यह सम्मान संत कालीचरण के साथ किशोर माहौर, पवन, आनंद माहौर व नरेश बाथम को दिया गया है। भारद्वाज ने बताया कि कालीचरण जेल में हैं इसलिए उन तक यह सम्मान पहुंचाने की जिम्मेदारी प्रमोद लोहपात्रे को दिया गया है। जब डॉ. भारद्वाज से पूछा गया कि भाजपा इसे गलत तरीके की अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता बता रही है तो उन्होंने कहा, चाहे भाजपा सरकार हो या कांग्रेस की, दोनों ने ग्वालियर में 750 से ज्यादा साधु-संतों के बलिदान को नहीं बताया। इसी प्रकार देश की आजादी में सात लाख से ज्यादा लोगों की जानें गई, उनका जिक्र भी नहीं किया गया।

देश के...

कुल मौतों का आंकड़ा पांच लाख के करीब पहुंच चुका है। केरल में अभी भी सबसे अधिक मामले देखने को मिल रहे हैं। यहां पिछले चौबीस घंटे में 50 हजार से अधिक मामले सामने आए। इस तटीय राज्य में काफी दिनों से लगातार हर रोज 50 हजार से अधिक मरीज मिल रहे हैं। कर्नाटक में भी कोविड मामले 33 हजार को पार कर गए। महाराष्ट्र में कुछ राहत देखने को मिली लेकिन यहां भी आंकडा 28 हजार के करीब था। तमिलनाडू और गुजरात में भी कोरोना के मामले अच्छे खासे ज्यादा आ रहे है। इन पांच राज्यों में ही देश के करीब 63 प्रतिशत केस देखने को मिले। वहीं अकेले केरल की बात करें यह इजाफा 22 प्रतिशत के करीब है।

रूस-यूक्रेन तनाव के बीच नाटो के लिए और अधिक सैनिक चाहता है ब्रिटेन

भाषा। लंदन

अपने नेतृत्व के तहत कोविड-19 लॉकडाउन के कथित उल्लंघन पर एक अहम रिपोर्ट का इंतजार कर रहे ब्रिटेन के प्रधानमंत्री बोरिस जॉनसन ने यूक्रेन की सीमा पर रूस के सैनिकों के जमावड़े से उत्पन्न संकट पर रविवार को ध्यान केंद्रित करने की कोशिश की। ब्रिटिश प्रधानमंत्री के आवास सह कार्यालय डाउनिंग स्ट्रीट ने कहा है कि ब्रिटेन की सरकार के, रूस की बढ़ती आक्रमकता के मद्देनजर यूरोप की सीमाओं को मजबूत करने के लिए बड़ी संख्या में सैनिकों की तैनाती को लेकर उत्तर अटलांटिक संधि संगठन (नाटो) को अपने प्रस्ताव को आगे बढ़ाने की संभावना है। ब्रिटेन के अधिकारियों को ब्रसेल्स में अगले हफ्ते प्रस्ताव के ब्योरे को नाटो के साथ अंतिम रूप देने के काम पर लगाया जाएगा। साथ ही, मंत्री सोमवार को सैन्य विकल्पों पर चर्चा करेंगे। जॉनसन ने कहा, यह पैकेज क्रेमलिन (रूसी राष्ट्रपति कार्यालय) को एक स्पष्ट संदेश देगा-हम उनकी अस्थिर करने वाली गतिविधि को बर्दाश्त नहीं करेंगे, और रूस की शत्रुता का सामना करने के लिए हम सदा ही अपने नाटो सहयोगियों के साथ खड़े रहेंगे। उन्होंने कहा, यदि राष्ट्रपति (व्लादिमीर) पुतिन ने रक्तपात और तबाही का रास्ता चुना, तो यह यूरोप के लिए एक त्रासदी होगी। यूक्रेन को अवश्य ही अपना भविष्य चुनने की छूट मिलनी चाहिए। मैंने अपने सशस्त्र बलों को अगले हफ्ते समूचे यूरोप में तैनात होने के लिए तैयार रहने को कहा है, ताकि हम अपने नाटो सहयोगियों को जल, थल और वायु में सहयोग कर सकें। डाउननिंग स्ट्रीट ने कहा कि अतिरिक्त सैनिकों की तैनाती का इरादा नाटो की रक्षा पंक्ति को मजबूत करना और नॉर्डिक एवं बाल्टिक साझेदारों को ब्रिटेन की मदद देना है। जॉनसन के पुतिन से वार्ता करने और अगले हफ्ते कभी भी क्षेत्र का दौरा करने की भी उम्मीद है। उनकी यात्रा का उद्देश्य यह संदेश देना है कि प्रतिरोध और कूटनीति के बगैर रूस और यूक्रेन में हजारों लोगों की जान चली जाएगी। वहीं, नाटो के सदस्य देशों के समकक्षों के साथ बैठक के लिए उनकी एक दूसरी यात्रा अगले महीने की शुरूआत में होने की योजना है। ब्रिटिश विदेश मंत्री लिज ट्रुस और रक्षा मंत्र बेन वालेस भी अपने-अपने समकक्षों के साथ वार्ता के लिए आने वाले दिनों में मास्को की यात्रा करने की तैयारी कर रहे हैं।

यूक्रेन को गठबंधन में शामिल करना चाहता है नाटो : रूस के विदेश मंत्री

मास्को। रूस के विदेश मंत्री ने दावा किया है कि उत्तर अटलांटिक संधि संगठन (नाटो) यूक्रेन को गठबंधन में शामिल करना चाहता है। रूस के विदेश मंत्री सर्गेई लावरोव का यह बयान नाटो के विस्तार और यूक्रेन पर हमले की मास्को की तैयारी करने की आशंका को लेकर बढ़ रहे तनाव के बीच आया है। लावरोव ने रविवार को सरकारी टेलीविजन पर अपने बयान में नाटो के विशुद्ध रूप से एक रक्षात्मक संगठन होने के दावे को भी चुनौती दी। उन्होंने कहा, इसे रक्षात्मक कहना मुश्किल है। भूलिए नहीं कि उन्होंने करीब तीन महीने तक यूगोस्लाविया पर बम बरसाए थे, लीबिया में हमला किया, संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद के प्रस्ताव का उल्लंघन किया और अफगानिस्तान में उन्होंने जो कुछ किया। लावरोव ने कहा कि नाटो यूक्रेन के करीब आ चुका है। वह इस देश को गठबंधन (नाटो) में शामिल करना चाहता है। उन्होंने कहा, हालांकि, हर कोई जानता है कि यूक्रेन तैयार नहीं है। उल्लेखनीय है कि रूस ने यूक्रेन की सीमा पर एक अनुमान के मुताबिक करीब एक लाख सैनिकों को जमा कर रखा है। इस बीच, रूस की सुरक्षा परिषद के प्रमुख निकोलाई पात्रुशेव ने हमले की योजना के बारे में पश्चिमी देशों की चेतावनी को रविवार को खारिज कर दिया। सरकारी समाचार एजेंसी तास के मुताबिक उन्होंने कहा, इस समय वे कह रहे हैं कि रूस यूक्रेन को धमकी दे रहा है जो पूरी तरह हास्यास्पद है। हम युद्ध नहीं चाहते और हमें इसकी बिल्कुल भी आवश्यकता नहीं है।

चीन से तीन अरब डॉलर का कर्ज लेने की कोशिश में पाकिस्तान

भाषा। इस्लामाबाद

नकदी के संकट से जूझ रहा पाकिस्तान चीन से तीन अरब डॉलर का कर्ज जुटाने की कोशिश में है। पाकिस्तान के प्रधानमंत्री इमरान खान की अगले हफ्ते होने वाली चीन यात्रा में इस कर्ज पर सहमति बन सकती है। पाकिस्तान की मीडिया में रविवार को प्रकाशित एक खबर के मुताबिक, इमरान तीन फरवरी को चीन की राजधानी बीजिंग का दौरा करेंगे। इस दौरान उनका चीन के शीर्ष नेताओं से मुलाकात का भी कार्यक्रम है। द एक्सप्रेस ट्रिब्यून ने अपनी खबर में पाक सरकार के अधिकारियों को उद्धृत करते हुए कहा कि इमरान की इस यात्रा के दौरान चीन तीन अरब डॉलर के एक और कर्ज को मंजूरी दे सकता है। चीन पहले ही पाकिस्तान को 11 अरब डॉलर के कर्ज दे चुका है। पिछले वित्त वर्ष में पाकिस्तान ने ब्याज के तौर पर चीन को 26 अरब पाकिस्तानी रुपए का भुगतान किया था। इसके अलावा पाकिस्तान प्राथमिकता वाले छह क्षेत्रों में चीन का निवेश आकर्षित करने के लिए भी कोशिश में लगा हुआ है। पाकिस्तान निवेश बोर्ड के प्रमुख अजफर अहसान ने कहा, हम कपड़ा, फुटवियर, फार्मा, फर्नीचर, कृषि, वाहन एवं सूचना प्रौद्योगिकी क्षेत्रों में चीन से निवेश जुटाने की कोशिश करेंगे। इसके लिए पाकिस्तान चीन की करीब 75 कंपनियों को पश्चिम एशिया, अफ्रीका एवं विश्व के अन्य हिस्सों तक व्यापार मार्ग देने का भी भरोसा दिलाएगा। इससे ढुलाई एवं श्रम की लागत में कमी आएगी।

जर्मनी के हैम्बर्ग में एक कार बाढ़ के पानी से घिरी हुई है, जब सप्ताहांत में उत्तरी यूरोप में एक शक्तिशाली शीतकालीन तूफान आया था

बीजिंग के और इलाके सील, कोविड के 12 मामले मिले

ताइपे। चीन की राजधानी बीजिंग में कोरोना वायरस के दो और मामले मिलने के बाद शहर के उत्तरी जिले के कई रिहायशी इलाकों को सील कर दिया गया है। अधिकारियों ने इसकी जानकारी दी। अधिकारियों ने रविवार को बताया कि चाओयांग जिले के एंझेन्ली इलाके को शनिवार को सील किया गया था और किसी को भी परिसर से बाहर निकालने की इजाज़त नहीं है। चीन शुक्रवार को ओलंपिक खेलों के उद्घाटन समारोह का आयोजन करने की तैयारी कर रहा है जिसके मद्देनजर बीजिंग हाई अलर्ट पर है। देश के अन्य क्षेत्रों की तुलना में मामले कम हैं ।

क्विक न्यूज

ब्रिटेन ने 5 से 11 साल के जोखिम वाले बच्चों के लिए कोविड-19 रोधी टीकाकरण का विस्तार किया

लंदन। ब्रिटेन की राष्ट्रीय स्वास्थ्य सेवा (एनएचएस) ने रविवार को 5 से 11 वर्ष की आयु के जोखिम वाले बच्चों के लिए अपने कोविड-19 रोधी टीकाकरण कार्यक्रम का विस्तार किया। टीकाकरण में मधुमेह, कमजोर प्रतिरक्षा, सीखने की क्षमता में कमी और अन्य रोगों से जूझ रहे ऐसे बच्चे शामिल होंगे जिन्हें कोविड-19 से ज्यादा खतरा है। एनएचएस इंग्लैंड ने कहा कि टीकाकरण और प्रतिरक्षण पर संयुक्त समिति (जेसीवीआई) द्वारा निर्धारित सलाह के अनुरूप इंग्लैंड में लगभग 5,00,000 योग्य बच्चों को कोविड-रोधी टीके की पहली खुराक दी जाएगी।

बगदाद हवाईअड्डे पर हमले के बाद कुवैत ने इराक की उड़ानें निलंबित की

बगदाद। कुवैत ने बगदाद अंतरराष्ट्रीय हवाईअड्डे को निशाना बनाकर किए गए एक रॉकेट हमले के बाद सुरक्षा आशंकाओं का हवाला देते हुए रविवार से इराक जाने वाली उड़ानें एक सप्ताह के लिए स्थगित कर दीं। इस बीच, इराकी अधिकारियों ने घोषणा की कि एक हमलावर को पकड़ लिया गया है। देश की प्रमुख विमानन कंपनी कुवैत एयरवेज ने शनिवार को एक बयान में कहा कि वर्तमान परिस्थितियों के कारण कुवैती नागरिक उड्डयन प्राधिकरण के निर्देशों के आधार पर इराक के लिए उड़ानें अस्थाई रूप से निलंबित कर दी गई हैं।

म्यांमा में सैन्य शासन के एक साल: मौत, खतरा, गुमशुदगी रही हावी

जकार्ता। बमबारी के बीच एक बूढ़ी महिला को भागने के लिए मजबूर होना पड़ा। एक पूर्व शांति वार्ताकार ने म्यांमा सुरक्षा बलों से लड़ने के लिए अपनी नौकरी छोड़ दी। शांतिपूर्ण प्रदर्शनों के दौरान एक महिला के पति को गोली मार दी गई, जिससे अपने दो बच्चों की देखभाल के लिए वह अकेली रह गई। म्यांमा की सेना द्वारा देश के लोकतांत्रिक चुनाव परिणामों को खारिज किए जाने और एक फरवरी 2021 को सत्ता पर कब्जा कर लेने, देशव्यापी शांतिपूर्ण प्रदर्शनों पर सुरक्षा बलों की हिंसक कार्वाई ने राष्ट्रव्यापी मानवीय संकट पैदा कर दिया।

व्हाइट हाउस में लौटने पर छह जनवरी के दंगाइयों को आम माफी देने पर कर सकता हूं विचार :ट्रंप

ह्यूस्टन (अमेरिका)। अमेरिका के पूर्व राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने कहा है कि 2024 के चुनाव के बाद यदि वह व्हाइट हाउस में लौटे तो वह पिछले साल छह जनवरी के कैपिटल (संसद भवन) दंगाइयों को आम माफी देने की संभावना पर विचार कर सकते हैं। टेक्सास में एक विशाल रैली में ट्रंप ने कहा, कई लोग मुझसे इस बारे में पूछे रहे हैं: (हां) यदि मैं लड़ा और जीत गया (2024 का राष्ट्रपति चुनाव) तो हम छह जनवरी के आरोपियों के साथ सही सलूक करेंगे। ट्रंप (75) ने कहा, हम उनसे निष्पक्ष व्यवहार करेंगे। यदि आम माफी देने की जरूरत पड़ी तो उन्हें देंगे। क्योंकि उन लोगों के साथ काफी अनुचित व्यवहार हो रहा है।

अमेरिका के एक होटल में कॉर्बन मोनोऑक्साइड की चपेट में आने से सात लोग गंभीर रूप से बीमार

मैरीसविले (अमेरिका)। अमेरिका के ओहियो प्रांत के हैम्पटन इन होटल में शनिवार को घातक कॉर्बन मोनोऑक्साइड गैस की चपेट में आने से सात लोगों की हालत गंभीर हो गई और उन्हें अस्पताल में भर्ती कराया गया। अधिकारियों ने यह जानकारी दी। समाचार-पत्र द कोलंबस डिस्पैच की रिपोर्ट के मुताबिक कुल नौ लोगों को अस्पताल में भर्ती कराया गया है, जिनमें से सात की हालत गंभीर बनी हुई है। मैरीसविले अग्निशमन विभाग के प्रमुख जे रिले ने अखबार को बताया कि कॉर्बन मोनोऑक्साइड के स्रोत का स्पष्ट रूप से पता नहीं चला है, लेकिन अस्पताल में भर्ती सभी लोग हादसे के समय होटल के पूल क्षेत्र में थे।

जलवायु परिवर्तन के कारण तेजी से बदल रहे पर्यावरणीय हालात, बच्चों व युवाओं को शिक्षित करने की जरूरत

वेंकूवर। बच्चे और युवा जानते हैं कि जलवायु परिवर्तन जीवन, पर्यावरण के प्रतिरूप (पैटर्न) और भविष्य को बदल रहा है। मानव जनित जलवायु परिवर्तन मौसम संबंधी घटनाओं के अनुमानों में तेजी से बदलाव ला रहा है और इसके चलते पिछले 20 वर्षों में आपदाओं में अचानक वृद्धि होने से काफी व्यक्तिगत और आर्थिक नुकसान हुए हैं। साल 2021 में कनाडा में कई लोगों ने जलवायु परिवर्तन से जुड़ी मौसम संबंधी घटनाओं के प्रभावों का अनुभव किया, जिसमें विनाशकारी बाढ़, भूस्खलन, जंगल की आग जैसी प्राकृतिक आपदाएं शामिल हैं। हमने जलवायु परिवर्तन को युवाओं और बच्चों की समझ के बारे में मौजूदा शोध की पड़ताल की है।

इराकी हवाई हमले में चार लेबनानी समेत आईएस के नौ आतंकवादी ढेर

बगदाद। इराकी वायुसेना ने राजधानी बगदाद के उत्तरी हिस्से में हवाई हमले किए है जिसमें इस्लामिक स्टेट (आईएस) के नौ संदिग्ध आतंकी मारे गए है जिनमें से चार लेबनान के है। इस महीने के शुरू में आईएस के लड़ाकों ने इराकी सेना के बैरकों पर हमला किया था। इसके जवाब में ए हमले किए गए है। आईएस के बंदूकधारियों ने 21 जनवरी को बक़ौबा शहर के बाहरी हिस्से में स्थित अल अज़ीम जिले की पहाड़ियों पर स्थित बैरकों पर हमला कर दिया था जिसमें एक गार्ड और 11 सैनिकों की मौत हुई थी। इराकी बलों के कमांडर इन चीफ के प्रवक्ता याहिया रसूल ने बताया कि तीन हमले किए गए है जिनमें नौ आतंकवादी मारे गए है।

कराची में विचाराधीन कैदी पुलिस हिरासत से फरार

कराची (पाकिस्तान)। पाकिस्तान में 2019 में दो महिलाओं का अपहरण करने का आरोपी एक विचाराधीन कैदी कराची पुलिस की हिरासत से फरार हो गया है। पुलिस उसे अदालत की सुनवाई से लौटते समय खरीदारी के लिए ले गई थी। अधिकारियों ने रविवार को यह जानकारी दी। इस सिलसिले में दो पुलिसकर्मियों को निलंबित कर दिया गया है। अपहरण का मामला 2019 में कराची के डिफेंस कॉलोनी से एक मेकअप आर्टिस्ट और एक ब्लॉगर को एक गिरोह द्वारा अगवा किए जाने के बाद दर्ज किया गया था। शुक्रवार को यहां अदालत में सुनवाई के बाद सेंट्रल जेल लौटते समय आरोपी जोहैब अली कुरैशी ने पुलिसकर्मियों से कहा कि वह उसे कुछ खरीदारी करने की अनुमति दे। जोहैब को तारिक रोड पर एक मॉल में ले जाया गया, जहां से वह भाग गया।

पुर्तगाल में नई सरकार के चुनाव के लिए मतदान हुआ

लिस्बन। पुर्तगाल में रविवार को समयपूर्व चुनाव के तहत रविवार को लोगों ने मतदान किया। देश में फिर अल्पमत सरकार के आने की आशंका है। पुर्तगाल में दो महीने पहले सांसदों ने अल्पमत सरकार के व्यय विधेयक को खारिज कर दिया था जिसके बाद राष्ट्रपति ने संसद भंग कर दी थी। ओपिनियन पोल के अनुसार सोशलिस्ट और उनके मुख्य प्रतिद्वंद्वी सोशियल डेमोक्रेटिक पार्टी के बीच कड़ा मुकाबला है। बहुमत की सरकार के लिए शानदार विजय की जरूरत है जो संसद में विरोध के बाद भी ज्यादातर कानूनों को पारित करा सके। हालांकि ऐसा होना मुश्किल लग रहा है।

अमेरिका के लास वेगास में भीषण सड़क दुर्घटना में नौ लोगों की मौत

नार्थ लास वेगास। अमेरिका के नार्थ लास वेगास में छह वाहनों के सिलसिलेवार तरीके से टक्कर के कारण हुई भीषण दुर्घटना में नौ लोगों की मौत हो गई और एक व्यक्ति गंभीर रूप से घायल हो गया। नेवाडा प्रांत में पुलिस ने रविवार को यह जानकारी दी। यह दुर्घटना डॉज चैलेजर कार के चालक की वजह से हुई। पुलिस के प्रवक्ता एलेक्जेंडर क्यूवास ने एक संवाददाता सम्मेलन में कहा कि शनिवार दोपहर को हुई टक्कर से पहले एक डॉज चैलेजर कार के चालक ने लाल बत्ती को नजरअंदाज करते हुए उसे पार किया था।

राजनियक संबंधों के 30 साल पूरे होने पर इजराइली प्रधानमंत्री ने कहा : भारत के साथ गहरी दोस्ती

भाषा। यरूशलम

इजराइल के प्रधानमंत्री नफ्टाली बेनेट ने इजराइल के साथ संबंधों को लेकर अपने भारतीय समकक्ष नरेंद्र मोदी के बयान का स्वागत करते हुए कहा है कि दोनों देशों के बीच गहरी दोस्ती है। बेनेट ने दोनों देशों के बीच सहयोग के अवसरों को अंतहीन बताते हुए शनिवार शाम को जारी एक विशेष वीडियो संदेश में जोर देकर कहा, इजराइल और भारत के बीच मजबूत संबंध हैं और समय के साथ-साथ ए और मजबूत होते रहेंगे। इजराइल और भारत राजनयिक संबंधों की स्थापना के 30 साल पूरे होने का जश्न मना रहे हैं। बेनेट ने कहा, एक बात है जो मैं भारत के सभी लोगों को बताना चाहता हूं। इजराइल और भारत के बीच गहरी दोस्ती है। हम इजराइल और भारत के बीच 30 साल पुराने राजनयिक संबंधों, 30 साल की अद्भुत साझेदारी, एक गहरे सांस्कृतिक संबंध और सैन्य एवं आर्थिक सहयोग का सम्मान करते हैं। भारत ने 17 सितंबर 1950 को इजराइल को मान्यता दी थी, लेकिन देशों के बीच पूर्ण राजनयिक संबंध 29 जनवरी 1992 को स्थापित हुए थे। इजराइल के प्रधानमंत्री ने कहा, मैं अपने प्रिय मित्र, प्रधानमंत्री मोदी को उनके नेतृत्व और इस मजबूत दोस्ती के प्रति गहरी प्रतिबद्धता व्यक्त करने के लिए धन्यवाद देना चाहता हूं। हमारे देश आकार में भिन्न हो सकते हैं लेकिन हम बहुत कुछ साझा करते हैं, जिसमें हमारा समृद्ध इतिहास, हमारे लोगों की अंतर्निहित गर्मजोशी और हमारे अत्याधुनिक नवाचार व प्रौद्योगिकी शामिल है। उन्होंने कहा, हम इजराइल और भारत के बीच राजनयिक संबंधों के 30 साल पूरे होने का जश्न मना रहे हैं। हम एक मजबूत साझेदारी, एक अविश्वसनीय रूप से गहरी दोस्ती और भविष्य की आशाओं का जश्न मना रहे हैं।

- मोदी के बयान का स्वागत किया

संयुक्त अरब अमीरात की पहली यात्रा के लिए अबूधाबी पहुंचे इजराइल के राष्ट्रपति

भाषा। दुबई

संयुक्त अरब अमीरात (यूएई) की पहली आधिकारिक यात्रा पर रविवार को अबूधाबी पहुंचे इजराइल के राष्ट्रपति ने शक्तिशाली शहजादे (क्राउन प्रिंस) के साथ भेंटवार्ता की। उनकी यह यात्रा पश्चिम एशिया में बढ़ते तनाव के दौरान दोनों देशों की बीच प्रगाढ़ हो रहे संबंधों के बीच हो रही है। यूएई और इजराइल के बीच 2020 में अमेरिका की मध्यस्थता से हुए राजनयिक समझौते के बाद संबंध सामान्य हो गए थे। फलस्तीन के साथ दशकों पुराने संघर्ष के चलते इजराइल का अरब देशों के साथ औपचारिक संबंध नहीं था। इजराइल के राष्ट्रपति आइजक हरजोग ने अबूधाबी के क्राउन प्रिंस शेख मोहम्मद बिन जाएद अल नाहयान के साथ भेंटवार्ता की। संयुक्त अरब अमीरात की डब्ल्यूएएम संवाद समिति ने बताया कि महल में इजरायली नेता के सम्मान में इजराइली राष्ट्रगान बजाया गया और 21 तोपों की सलामी दी गई। दो घंटे की बातचीत के दौरान हरजोग ने इस क्षेत्र के और देशों से इजराइल को मान्यता देने की अपील की तथा अबू धाबी पर हाल के हवाई हमलों की निंदा की। हुदी विद्रोहियों ने इन हमलों की जिम्मेदारी ली थी। इजराइल के राष्ट्रपति के कार्यालय के अनुसार हरजोग ने कहा, मैं इस बात पर जोर देना चाहता हूं कि हम आपकी सुरक्षा जरूरतों का समर्थन करते हैं और आपकी संप्रभुता पर किसी भी हमले का सभी तरह से और भाषा में निंदा करते हैं। हरजोग की संयुक्त अरब अमीरात में छोटे एवं तेजी से उभरते यहूदी समुदाय से मिलने की संभावना है। वह सोमवार को एक्सपो 2020 में जा सकते हैं जहां इजराइल ने कई कार्यक्रम आयोजित किए हैं। वह संयुक्त अरब अमीरात के शीर्ष अधिकारियों से मिलेंगे। हरजोग ने यूएई रवाना होने से कुछ देर पहले कहा था कि उनकी इस यात्रा का उद्देश्य पूरे पश्चिम एशिया क्षेत्र में शांति का संदेश देना है। पश्चिम एशिया के देश यमन में पिछले सात साल से जारी गृह युद्ध की आंच पिछले महीने पहली बार यूएई तक पहुंच गई थी।

यमन में हूती विद्रोहियों द्वारा भर्ती किए गए 2,000 बच्चे मारे गए: संयुक्त राष्ट्र

भाषा। संयुक्त राष्ट्र

यमन में हूती विद्रोहियों द्वारा भर्ती किए गए करीब 2,000 बच्चे जनवरी 2020 से मई 2021 के बीच लड़ाई में मारे गए हैं और ईरान समर्थित विद्रोही युवाओं को लड़ाई के प्रति प्रोत्साहित करने के लिए लगातार शिविरों का आयोजन कर रहे हैं। संयुक्त राष्ट्र विशेषज्ञों ने एक नई रिपोर्ट में यह जानकारी दी है। शनिवार को प्रसारित संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद की चार सदस्य समिति की एक रिपोर्ट में विशेषज्ञों ने कहा कि उन्होंने स्कूलों और एक मस्जिद में कुछ ग्रीष्मकालीन शिविरों की जांच की, जहां हूती विद्रोहियों ने अपनी विचारधारा का प्रसार किया है। साथ ही उन्होंने यमन की अंतरराष्ट्रीय मान्यता प्राप्त सरकार के साथ सात साल से चले आ रहे युद्ध में बच्चों की भर्ती के बारे में जानकारी ली। समिति ने कहा कि उसे हूती विद्रोहियों द्वारा भर्ती किए गए 1,406 बच्चों की सूची मिली, जो 2020 में लड़ाई में मारे जा चुके हैं। इसके अलावा 562 बच्चों की एक और सूची मिली है, जिनकी मौत जनवरी से मई 2021 के बीच हुई।

कांगो में संरा विशेषज्ञों की हत्या के जुर्म में 50 से अधिक लोगों को मौत की सजा

किंशासा। कांगो में एक सैन्य अदालत ने संयुक्त राष्ट्र के जांचकर्ताओं माइकल शार्प और जैदा कैटलान की कसाई प्रांत में हत्या के करीब पांच साल बाद तकरीबन 50 लोगों को मौत की सजा सुनाई है। कसाई ऑक्सीडेंटल मिलिट्री कोर्ट के अध्यक्ष ब्रिगेडियर जनरल जीन पाउलिन नताशायोकोलो ने शनिवार को कहा कि 54 आरोपियों में से एक अधिकारी को आदेश का उल्लंघन करने के जुर्म में 10 साल की जेल की सजा सुनाई गई और दो अन्य को बरी कर दिया गया।

आयरलैंड तट पर होने वाले नौसैना अभ्यास का स्थान बदलेगा रूस

भाषा। मॉस्को

रूस ने कहा है कि वह पश्चिम देशों के साथ तनाव के बीच आयरलैंड द्वारा चिंताएं जताए जाने के बाद उसके तट पर होने वाले नौसैना अभ्यास के स्थान में परिवर्तन करेगा। रूस का नाटो गठबंधन के विस्तार को लेकर पश्चिम देशों के साथ विवाद चल रहा है और पश्चिम देशों ने आशंका जताई है कि रूस, यूक्रेन पर हमला करने की तैयारी कर रहा है। यह अभ्यास अंतरराष्ट्रीय समुद्री क्षेत्र में दक्षिण-पश्चिमी आयरलैंड तट पर तीन से आठ फरवरी के बीच होना था। आयरलैंड के विदेश मंत्री सिमोन कोवेने ने इस सप्ताह अभ्यास पर आपत्ति जताते हुए कहा, यूक्रेन में जो भी हो रहा है, उसे देखते हुए यह समय सैन्य गतिविधियां और तनाव बढ़ाने का नहीं है। वे पश्चिमी सीमाओं यानी आयरलैंड तट पर अभ्यास कर रहे हैं जो हमारी नजर में स्वागत योग्य नहीं है। आयरलैंड में रूसी दूतावास ने शनिवार को राजदूत यूरी फिलातोव का एक पत्र फेसबुक पर पोस्ट करते हुए कहा कि मत्स्य गतिविधियों को बाधा नहीं पहुंचाने के उद्देश्य से अभ्यास का स्थान आयरलैंड के आर्थिक क्षेत्र से बाहर रखा जाएगा।

विवादों में घिरे एनएसओ समूह ने कुछ भी गलत करने से इंकार किया

भाषा। यरूशलम

इजराइल की साइबर टेक कंपनी एनएसओ समूह ने कुछ भी गलत करने से इनकार किया है। कंपनी ने अन्य देशों द्वारा निगरानी प्रौद्योगिकी से लेकर सैन्य हथियार प्रणालियां बेचे जाने की तुलना करते हुए एनएसओ द्वारा पेगासस स्पाईवेयर को गैर-लोकतांत्रिक देशों को बेचने के लिए उसकी हो रही आलोचना को पाखंड करार दिया। इजराइल का यह बयान देश में सहित वैश्विक स्तर पर इस सॉफ्टवेयर (पेगासस) का दुरूपयोग किए जाने के बढ़ते आरोपों के बीच आया है। आलोचनाओं से बेपरवाह एनएसओ समूह के मुख्य कार्यकारी अधिकारी (सीईओ) शालेव हुलियो ने शनिवार को इजराइली चैनल 12 को दिए एक साक्षात्कार में कंपनी की गतिविधियों का पुरजोर बचाव किया। हालांकि, उन्होंने यह स्वीकार भी किया कि पिछले कुछ वर्षों में गलतियां हुई होंगी। यह पूछे जाने पर कि इतनी अधिक विश्वव्यापी आलोचना के बीच क्या वह ऐसा कर सकते हैं, हुलियो ने कहा, मैं रात को बिल्कुल चैन से सोता हूं। हुलियो का यह साक्षात्कार अमेरिकी समाचार पत्र न्यूयार्क टाइम्स की शुक्रवार की एक खबर में यह दावा किए जाने के एक दिन बाद आया है, जिसमें कहा गया है कि भारत ने इजराइल के साथ 2017 में हुए दो अरब डॉलर के एक रक्षा सौदे के तहत पेगासस सॉफ्टवेयर खरीदा था। यह खबर प्रकाशित होने के बाद, भारत में विवाद पैदा हो गया क्योंकि विपक्ष ने सरकार पर अवैध जासूसी में संलिप्त रहने का आरोप लगाया और इसे देशद्रोह करार दिया। हुलियो ने कंपनी के रुख का बचाव करते हुए कहा, सिर्फ एक देश नहीं है जिसे हमने बेचा है...। इसलिए यह कहना पाखंडपूर्ण है कि एफ-35 और ड्रोन बेचना ठीक है लेकिन खुफिया सूचना एकत्र करने वाला उपकरण बेचना ठीक नहीं है। उन्होंने इस बात का भी जिक्र किया कि लगभग सभी 90 ग्राहक, जो उनके पास प्रौद्योगिकी के लिए आए, उनमें से सिर्फ 40 को निर्धारित नियमों के अनुसार बिक्री की गई। अमेरिकी वाणिज्य मंत्रालय द्वारा पिछले साल नवंबर में कंपनी को काली सूची में डाले जाने के बारे में पूछे जाने पर उन्होंने कहा कि यह एक आक्रोश है। उन्होंने उम्मीद जताई कि इस सूची को शीघ्र हटा लिया जाएगा। अधिकारी ने कहा, हमारी प्रौद्योगिकी ने पिछले कुछ वर्षों में अमेरिका के हितों व राष्ट्रीय सुरक्षा में भी मदद की है।

- सीईओ ने कंपनी की गतिविधियों का पुरजोर बचाव किया

पूर्वी थाईलैंड में रेयॉन्ग प्रांत के तट पर एक पाइपलाइन तेल रिसाव के बाद माई रामफुएंग बीच पर सफाई अभियान चलाते कार्यकर्ता। पूर्वी थाईलैंड में एक प्रांत के गवर्नर ने शनिवार को आपातकाल की स्थिति घोषित कर दी

अपने भविष्य को करें ऊर्जावान

डॉ. मुकेश क्वात्रा का कहना है कि अक्षय ऊर्जा फलफूल रही है। पवन चक्की संयंत्र, जल विद्युत संयंत्र, सौर पैनल या टिकाऊ खेती, इस क्षेत्र में सैकड़ों हजारों अद्वितीय रोजगार हैं

ऊर्जा विकास के लिए आधारभूत है। यह भविष्य के उन सभी निवेशों, नवाचारों, उद्योगों के लिए महत्वपूर्ण है जो रोजगार पैदा करते हैं और आर्थिक विकास को आगे बढ़ाते हैं। एआई,मेटावर्स, क्रिप्टोकरेंसी, ब्लॉकचैन, और एनएफटी में नई तकनीकों के आगमन से, ऊर्जा के वैकल्पिक और नवीकरणीय स्रोतों की सख्त आवश्यकता है क्योंकि जीवाश्म ईंधन सीमित हैं और ऊर्जा उत्पादन के लिए उपयोग किए जाने पर वे पर्यावरणीय खतरा हैं। इसके अलावा मुख्य रूप से ग्रीनहाउस गैसों के उत्सर्जन के कारण होने वाले जलवायु परिवर्तन से दुनिया के अस्तित्व को ही खतरा है।

ईंधन की बढ़ती कीमतों, ऊर्जा की मांग और जलवायु परिवर्तन संबंधी समस्याओं के कारण भारत की अर्थव्यवस्था भारी दबाव में है। अक्षय ऊर्जा को अपनाने में भारत सबसे आगे रहा है। भारत में बायोमास, हाइड्रोपावर, भू-तापीय, पवन और सौर ऊर्जा उत्पादन जैसी परियोजनाएं विकसित की जा रही हैं।

इसका उद्देश्य ऊर्जा के लिए कोयले, तेल और लकड़ी के उपयोग को प्रतिस्थापित करना है। हमने 157.32 गीगावाट की कुल गैर-जीवाश्म आधारित स्थापित ऊर्जा क्षमता के साथ राष्ट्रीय स्तर पर निर्धारित योगदान लक्ष्य हासिल कर लिया है, जो कुल स्थापित बिजली क्षमता 392.01 गीगावाट का 40.1 प्रतिशत है। सरकार और व्यवसायों को भारी निवेश करने और हरित, स्वच्छ और नवीकरणीय ऊर्जा प्रदान करने की सख्त आवश्यकता है।

अक्षय ऊर्जा एक उभरता हुआ क्षेत्र है। पवन चक्की संयंत्र, जल विद्युत संयंत्र, सौर पैनल या टिकाऊ खेती, अक्षय ऊर्जा में सैकड़ों हजारों अद्वितीय नौकरियां हैं। ऐसे संस्थान हैं जो अक्षय ऊर्जा पर कौशल विकास प्रशिक्षण वाले कोर्स कराते हैं। इसका उद्देश्य वैकल्पिक स्रोतों का प्रभावी ढंग से उपयोग करने के लिए प्रतिभागियों के कौशल का विकास करना है।

संभावनाएं

इस क्षेत्र में उपकरण निर्माण की मांग है, जिसके कारण कुशल जनशक्ति की आवश्यकता में वृद्धि हुई है। यह केवल विनिर्माण क्षेत्र तक ही सीमित नहीं है बल्कि स्थापना, सिस्टम डिजाइनिंग, संचालन और रखरखाव, वित्त पोषण और विपणन जैसे अन्य क्षेत्रों में भी है। जैव विविधता पर पवन चक्की संयंत्र के प्रभावों का विश्लेषण करने के लिए जीवविज्ञानी और पारिस्थितिकी विदों की आवश्यकता होती है। इमारतों को डिजाइन करने के लिए आर्किटेक्ट, फैब्रिकेटर, इंस्टॉलेशन विशेषज्ञ, कुशल प्रशासक, वित्त विशेषज्ञ और प्रबंधक संस्थान को सफलतापूर्वक चलाने के लिए आवश्यक हैं।

> ईंधन की बढ़ती कीमतों, ऊर्जा की मांग और जलवायु परिवर्तन संबंधी समस्याओं के कारण भारत की अर्थव्यवस्था भारी दबाव में है। अक्षय ऊर्जा को अपनाने में भारत सबसे आगे रहा है। भारत में बायोमास, हाइड्रोपावर, भू-तापीय, पवन और सौर ऊर्जा उत्पादन जैसी परियोजनाएं विकसित की जा रही हैं।

इंजीनियर्स

इंजीनियरों के लिए, अक्षय ऊर्जा के अंतहीन अनुप्रयोग मौजूद हैं, जो इस क्षेत्र में इंजीनियरिंग को एक बड़ी नौकरी की संभावना बनाते हैं। उदाहरण के लिए, इंजीनियर हाइड्रोइलेक्ट्रिक बांध, सौर पैनल और बैटरी, पवन टर्बाइन, पवन चक्की संयंत्र, बांध या सौर क्षेत्र से बिजली संयंत्र तक बिजली ले जाने वाली प्रणालियों को डिजाइन करते हैं। वे मकई से इथेनॉल, बायोमास से हरित ईंधन पैदा करने में मदद करते हैं। इस क्षेत्र में उत्पादन, डिजाइन और वितरण की चुनौतियों का समाधान करने के लिए उपकरण निर्माण के क्षेत्र में भी इनकी आवश्यकता होती है। इंजीनियरिंग एक त्वरित-प्रवेश अक्षय-ऊर्जा करियर नहीं है, लेकिन यह लंबे समय तक चलने वाला हो सकता है।

अन्य क्षेत्र

इस क्षेत्र में इंजीनियरों और वैज्ञानिकों का दबदबा हुआ करता था। लेकिन अब, व्यावसायिक कौशल वाले स्नातकों का भी स्वागत है। कंप्यूटर ऑपरेटरों, संचार पेशेवरों, व्यवसाय डेवलपर्स और रसद पेशेवरों के लिए भौतिकविदों, भूवैज्ञानिकों, पारिस्थितिकीविदों, जीवविज्ञानी, वास्तुशिल्प व संरचनात्मक इंजीनियरों, योजनाकारों तथा परियोजना प्रबंधकों के लिए नौकरी के अवसर हैं। शैक्षणिक योग्यता के अलावा, योग्यताओं की आवश्यकताएं नौकरी के अनुसार बदलती रहती हैं। मूल बातें अन्य नौकरियों की तरह ही हैं। सौंपे गए कार्य पर ध्यान दें, लक्ष्यों को प्राप्त करने के लिए समर्पित प्रयास, कार्य स्थितियों पर दबाव को संभालना आदि। किसी विशेष नौकरी की आवश्यकता हेतु, विशेष कार्य अनुसार योग्यताएं आवश्यक हैं।

लेखक स्माइलिंग ट्री के संस्थापक हैं

अच्छी तरह तैयारी करें इन सवालों की

कई बार एक उम्मीदवार एक साक्षात्कार के कारण एक आकर्षक अवसर को खो देता है। **डॉ. कुलनीत सूरी** कुछ ऐसे प्रश्नों की चर्चा कर रही हैं जो मदद कर सकते हैं

डॉ. कुलनीत सूरी
सीनियर डायरेक्टर
इंस्टीट्यूट ऑफ मैनेजमेंट स्टडीज, नोएडा

साक्षात्कार के प्रश्न, जो आम तौर पर नौकरी के साक्षात्कार में व्यवसाय प्रबंधन स्नातकों से पूछे जाते हैं, ज्यादातर उम्मीदवारों की क्षमता पर केंद्रित होते हैं, मसलन समूहों का नेतृत्व करना, टीम में काम करना, कार्यों को सौंपना, और अन्य प्रबंधन कौशल। हालांकि साक्षात्कार की शब्द-दर-शब्द तैयारी नहीं की जा सकती है, लेकिन कुछ प्रश्न ऐसे होते हैं जिन्हें बार बार पूछा जाता है।

अपने बारे में कुछ बताएं

यह प्रश्न आपके अंतिम चयन के लिए बहुत अधिक महत्व रखता है। यह जरूरी है कि आप इस प्रश्न का अच्छी तरह अभ्यास करें। आप इस प्रश्न का एक संक्षिप्त और स्पष्ट उत्तर तैयार करें, क्योंकि तैयार होने से यह सुनिश्चित हो जाएगा कि आप खुद को एक अजीब स्थिति में नहीं लेकर जाएंगे। साक्षात्कारकर्ता द्वारा अधिकांशतया आपके संप्रेषण कौशल को आंका जाता है। आपने जो कोर्स पूरा किया है उस पर और अपनी उपलब्धियों पर ध्यान दें और उन्हें उस नौकरी विशेष की जानकारी से जोड़ने का प्रयास करें जिसके लिए आपका साक्षात्कार लिया जा रहा है।

आपकी इस नौकरी में क्यों रुचि है?

आपको उक्त नौकरी को चाहने के कुछ ठोस कारण पेश करने की आवश्यकता है और इस प्रकार आपको यह सुनिश्चित करना चाहिए कि आपको नौकरी की अच्छी तरह से जानकारी रखते हैं ताकि आप अपने उत्तरों को तदनुसार जोड़ सकें। एक बात याद रखें, नियोक्ता निश्चित रूप से किसी ऐसे व्यक्ति को नहीं चाहेंगे जो किसी भी कंपनी में आने की उम्मीद में साक्षात्कार हेतु बेढंगे तरीके से आ रहा हो।

आपकी क्षमताएं और कमजोरियां क्या हैं?

उन क्षमताओं की सूची बनाएं जो आपमें हैं जो नौकरी और पूरे संगठन को लाभ पहुंचाएंगी। उन तीन क्षमताओं की सूची बनाएं जो आपमें हैं जो आपको दूसरों से अलग करती हैं और जिन्हें आप नौकरी से भी जोड़ सकते हैं। अपनी कमजोरियों को सूचीबद्ध करते समय, नियोक्ता को कभी भी अपने बारे में कोई नकारात्मक पक्ष न बताएं। हमेशा इस बात का ध्यान रखें कि आप अपनी कमजोरियों को किसी ऐसे पहलू से जोड़ते हैं जो वास्तव में नौकरी के लिए अच्छा हो।

आपके मित्र और शिक्षक आपका वर्णन कैसे करेंगे?

अपनी व्यक्तिगत और व्यावसायिक विशेषताओं को रेखांकित करें। आप कुछ न करें तो बेहतर होगा। आप वास्तव में क्या पसंद करते हैं इसकी एक सटीक लेकिन आकर्षक तस्वीर पेश करें।

आपके शौक क्या हैं?

साक्षात्कारकर्ता अक्सर आपके व्यक्तित्व के बारे में जानने के लिए ऐसे प्रश्न पूछते हैं और समझते हैं कि आप कार्यस्थल के माहौल में कैसे फिट होंगे। इतना सुनिश्चित कर लें कि आप अपने शौक के बारे में झूठ नहीं बोलते हैं क्योंकि साक्षात्कारकर्ता को शायद अपने क्षेत्र में वर्षों का अनुभव होता है और वह जल्द आपके झूठ को पकड़ लेगा।

आपके तात्कालिक और दूरगामी लक्ष्य क्या हैं?

इस प्रश्न का उत्तर अच्छी तरह से तैयार करें क्योंकि यह आपके विचार की स्पष्टता को दर्शाता है। आपके अल्पकालिक लक्ष्य व्यावहारिक, ठोस और प्राप्त करने योग्य होने चाहिए जबकि आपके दूरगामी लक्ष्य आपकी महत्वाकांक्षाओं, जुनून और आपके व्यक्तित्व को दर्शाते हैं।

हम आपको इस नौकरी के लिए क्यों नियुक्त करें?

अपनी तुरही बजाना और चतुराई से करना कोई आसान काम नहीं है, लेकिन इसे करना ही होगा। इसे यथासंभव चतुराई से करें और ध्यान रखें कि अन्य छात्रों का साक्षात्कार भी उसी नौकरी के लिए किया जा रहा है जिसमें आपकी योग्यता है, इसलिए सुनिश्चित करें कि आपका उत्तर एक व्यक्ति के रूप में आपके कौशल को उजागर करता है जो आपको दूसरों से अलग करता है।

क्या आपके पास हमारे लिए कोई प्रश्न हैं?

अधिकांश साक्षात्कारकर्ता यह प्रश्न साक्षात्कार के अंत में पूछेंगे। उनसे पूछने के लिए कुछ अच्छे प्रश्नों को तैयार रहें। कुछ सरल उदाहरण संगठन व उनके प्रदर्शन प्रबंधन प्रणाली में आपके विकास की संभावनाएं बनेंगे।

उपरोक्त प्रश्न सूची एक सर्व-समावेशी सूची नहीं है। आपसे विभिन्न प्रश्न पूछे जा सकते हैं। मुख्य है खुद पर विश्वास करना।

सफलता का समय

सोनिका एरोन का कहना है कि 2022 में प्रवेश करते समय, मानव संसाधन पेशेवरों की भूमिका अब पहले की तुलना में अधिक महत्वपूर्ण है। वही हैं जो अपनी कंपनी के मूल सिद्धांतों पर पुनर्विचार करेंगे

यह कहना गलत नहीं होगा कि कंपनियों ने , काफी हद तक, चाहे वह किसी भी उद्योग में हों, मौजूदा वैश्विक स्वास्थ्य संकट की स्थिति की चुनौतियों का सामना किया है या धीरे-धीरे कर रही हैं। हालांकि, जैसे-जैसे हम महामारी के बाद के युग की ओर अग्रसर हैं, कंपनियों की पुरानी रणनीतियां और नीतियां अब उभरते कार्यबल की जरूरतों को पूरा नहीं करेंगी।

पिछले दो सालों ने बहुत कुछ बदला है। न केवल हमारे काम करने का तरीका, हालांकि यह स्पष्ट हो गया है कि रिमोट व हाइब्रिड वर्किंग मॉडल भी उतने ही प्रभावी हो सकते हैं जितने कि पूर्व के प्रत्यक्ष/ साक्षात वर्किंग मॉडल। इन्हें भी प्रभावी ढंग से प्रबंधित किया जा सकता है। ये परिवर्तन और भी गहरे जाते हैं। लोगों के काम करने के तरीका, कार्य-जीवन संतुलन, नियोक्ताओं से उनकी अपेक्षाएं, अपनी प्रगति और नौकरी की संतुष्टि के बारे में सोचने का तरीका तक बदल गया है।

इसलिए, संगठनों को प्रबंधन शैलियों को ऐसे विकसित और अनुकूलित करने की आवश्यकता होगी जो लचीली, उत्तरदायी और कर्मचारी की आवाज के आसपास स्थापित हों, जिसमें अधिक कनेक्शन, सरलीकरण और स्वचालन, जनसांख्यिकीय बदलाव और बहुत कुछ शामिल हो।

2022 में कदम रखते हुए, मानव संसाधन पेशेवरों की भूमिका पहले से कहीं अधिक महत्वपूर्ण है क्योंकि वही हैं जो सही बदलाव का समर्थन करने के लिए अपनी कंपनी के मूल सिद्धांतों का पुनर्मूल्यांकन करेंगे, जो व्यवसाय की वृद्धि आवश्यकताओं, कर्मचारी अनुभव और उन्हें बहाल रखने के बीच संतुलन स्थापित करेंगे।

संगठनात्मक सफलता में मानव संसाधन की भूमिका

● **एक स्वस्थ संस्कृति स्थापित करें :** यह सबसे महत्वपूर्ण भविष्यवाणियों में से एक है कि कोई कंपनी अपने लक्ष्यों को कितने प्रभावी ढंग से प्राप्त करती है। जो कर्मचारी काम पर आकर खुश हैं, वे लंबे समय में कंपनी को आगे बढ़ाने के लिए प्रेरित होंगे। यह संभव है कि कंपनी की संस्कृति बदलाव का उपयोग कर सकती है। आज के समय में वे क्या उम्मीद करते हैं, यह समझने के लिए लोगों से जुड़ना महत्वपूर्ण है। क्या यह आज का संचार है? क्या यह पारदर्शिता है? क्या यह रीयल टाइम फीडबैक है? क्या यह उनके अपनी शिक्षाओं के लिए जिम्मेदार होने के बारे में है?

कार्यबल की अपेक्षाओं को निर्धारित करने के बाद, इस पर कार्य करना और यह सुनिश्चित करना महत्वपूर्ण है कि व्यवसाय में हर कोई एक ही पृष्ठ पर है ताकि हर कोई नई कॉर्पोरेट संस्कृति को आगे बढ़ाने में योगदान दे सके। इसके लिए एक समग्र दृष्टिकोण की आवश्यकता होगी न कि केवल नारों को फिर से छापने की। इसे बदलती प्रक्रियाओं, नीतियों, काम करने के तरीकों और दिन-प्रतिदिन के लेन-देन में प्रमुख व्यवहारों को आत्मसात करने की आवश्यकता होगी।

इसके लिए नए विचारों व विचारों के प्रति ग्रहणशील होने, चीजों को अलग तरीके से करने, नई प्रक्रियाओं और अभ्यासों को लागू करने की आवश्यकता होगी।

● **समय के साथ बदलें :** दुनिया बदल गई है और समय के साथ विकसित होती रहेगी। इस वजह से कर्मचारियों की जरूरतें भी अलग-अलग होंगी। हमें मौका हाथ में लेने और ढलने की आवश्यकता होगी - अपने कर्मचारियों की लगातार बदलती मांगों को पूरा करने के लिए नई प्रक्रियाओं व समाधानों को लागू करने में संकोच नहीं करना चाहिए। ऐसी जरूरतों को पूरा करने के लिए अनुकूलित अनुलाभों व काम करने के तरीकों की पेशकश करना एक तरीका हो सकता है।

इस पर निर्भर करते हुए कि वे जीवन में कहां हैं, कर्मचारी विभिन्न लाभों और कार्य व्यवस्थाओं की तलाश कर सकते हैं। एक कर्मचारी जो चार लोगों के परिवार के लिए जिम्मेदार है, सर्वाधिक संभावना है कि वह हाल ही में उस कॉलेज के स्नातक की तुलना में, एक अलग लाभ पैकेज और काम के माहौल की इच्छा रखता है, जो अभी अपने पेशे में शुरुआत कर रहा है। कोई भी निर्णय लेने से पहले, संगठन के जनसांख्यिकीय परिदृश्य को विस्तार से समझना और कर्मचारी जीवन चरणों और जरूरतों को समझना महत्वपूर्ण होगा।

कौशल अंतराल का मापन : व्यवसाय मॉडल और बाजार विकसित होने के कारण प्रत्येक कंपनी को विशिष्ट विशेषज्ञता की आवश्यकता होती है। कई विभागों के साथ बात करके, किसी व्यक्ति, टीम, प्रबंधकों और नेताओं को अभी किस कार्यात्मक और व्यवहारिक दक्षताओं की आवश्यकता है और भविष्य में उन्हें किसकी आवश्यकता होगी, इसका एक अच्छा विचार प्राप्त हो सकता है। फिर, उन जरूरतों को पूरा करने के लिए, क्षमता निर्माण एजेंडा, और प्रतिभा अधिग्रहण एजेंडा की योजना बनाएं।

● **लक्षित कर्मचारी बहाली :** हम सभी ने बड़ी नौकरी छोड़ दी है और हम सभी स्वैच्छिक सेवानिवृत्ति से जुड़ी मूर्त और अमूर्त लागतों से अवगत हैं। मौके पर प्रतिस्थापन ढूंढना हमेशा आसान नहीं होता है, जिससे उत्पादकता में कमी आती है, मौन ज्ञान, अनुभव, ग्राहकों का नुकसान, मौजूदा कर्मचारियों पर अतिरिक्त जिम्मेदारियां आ जाती हैं, जिसके परिणामस्वरूप अधिक काम, अधिक थकान और अधिक दुर्घटना होती है। एक ऐसी संस्कृति का निर्माण करें, जहां कर्मचारी मूल्यवान महसूस करें, उसमें भागीदार हों, जहां उनके योगदान को पहचाना और सराहा जाए, जहां वे खुश महसूस करें और मजे करें, यह महत्वपूर्ण है। कर्मचारी बहाली का समग्र दृष्टिकोण मजेदार शुक्रवार, अवकाशकालीन घंटे और जन्मदिन समारोह से परे जाता है। एक कर्मचारी हर दिन अपने प्रबंधकों और अपने साथियों के माध्यम से एक संगठन का अनुभव करता है, और मनोवैज्ञानिक रूप से सुरक्षित टीम वातावरण का निर्माण कर्मचारी को अपने साथ जोड़े रखने की कुंजी है। यह 2022 में मानव संसाधन कार्य की एक महत्वपूर्ण भूमिका होगी, यह देखते हुए कि अधिकांश व्यवसाय एक महत्वाकांक्षी विकास पथ पर होंगे, और उन्हें इस लक्ष्य से नहीं चूकना चाहिए।

● **व्यापार रणनीति को समझें :** अंततोगत्वा, लोग व्यवसाय की सबसे महत्वपूर्ण संपत्ति हैं, और मानव संसाधन कार्य इस संपत्ति का संरक्षक है। एचआर गतिविधि कंपनी की व्यवसाय योजना को जितनी गहराई से समझती है, वह उतना ही प्रभावी ढंग से सही नीतियों, प्रक्रियाओं, संरचनाओं और संस्कृति के माध्यम से संगठन में मानवीय क्षमता का लाभ उठा सकती है।

एचआर गतिविधि धमनी प्रणाली की तरह है जो समूचे संगठन में, सी-सूट नेताओं, विभागीय प्रबंधकों और कर्मचारियों के बीच सूत्र का काम करती है, जो आपकी कंपनी के उद्देश्य, मुख्य उद्देश्यों और सांस्कृतिक मूल्यों का प्रसार करती है। व्यावसायिक कार्यों और कर्मचारियों की जरूरतों, अपेक्षाओं, कौशलों, दक्षताओं व आकांक्षाओं दोनों का अच्छा ज्ञान रखने वालों के पास व्यवसायों को सफल बनाने का घातक संयोजन होता है।

एचआर की दुनिया लगातार बदल रही है, और नए रुझान सामने आएंगे। एचआर कई नई रणनीतियों और नीतियों के पीछे प्रेरक शक्ति बना रहेगा, जैसा कि हमने पिछले दो वर्षों में देखा है, जैसे कर्मचारी अनुभव में सुधार, नए संगठनात्मक मॉडल विकसित करना, अधिक लचीला कार्यबल बनाना, तथा अन्य बहुत कुछ। 2022 मानव संसाधन समारोह के लिए एक और रोमांचक वर्ष होने जा रहा है!

लेखक मार्चिंग शीप के संस्थापक और प्रबंधन भागीदार हैं

एक मास्टर अनुशासन है अर्थशास्त्र

डॉ. आदित्य कुवलेकर कहते हैं कि ऐसी दुनिया की कल्पना करना कठिन है जहां अर्थशास्त्र अप्रासंगिक हो जाए, क्योंकि बेहतर जीवन के लिए प्रयास करना मनुष्य की प्रकृति में है

वैश्विक टीकाकरण प्रयासों व नए प्रकार की लहरों से निपटते हुए, दुनिया कोविड-19 महामारी के साथ जीना सीख रही है। यह यकीनन द्वितीय विश्व युद्ध के बाद से मानवता के सामने सबसे बड़ी चुनौती रही है, और द्वितीय विश्व युद्ध की तरह, यह महामारी हमारे जीवन के पहलुओं को बुनियादी रूप से बदल देगी। स्थायी दूरस्थ कार्य की संभावना से लेकर सेवा-आधारित, व्यवसायों की ऑनलाइन प्रकृति में आमूल परिवर्तन तक, हम अपने रहने, काम करने, खाने और यात्रा करने के तरीके में अथाह और अप्रत्याशित परिवर्तनों का सामना कर रहे हैं। व्यवसाय बंद होंगे और पहले ही बंद हो चुके हैं, जबकि नए उद्योग आएंगे और पनपेंगे, पुरानी और स्थापित नौकरियां गायब हो जाएंगी। जिन नौकरियों को कभी कमतर माना जाता था, वे अचानक उल्लेखनीय वृद्धि दिखाएंगी। अगले कुछ सालों में क्या बदलाव देखने को मिलेंगे, इसका अंदाजा लगाना किसी के लिए भी मुश्किल है।

इसलिए, शायद, भविष्य के लिए योग्यताओं में निवेश करने का यह बहुत अच्छा समय है। मौजूदा माहौल को जो खास बनाता है, वे दो कारक हैं। पहला यह है कि कोविड-19 ने अर्थव्यवस्था के पुनर्गठन का नेतृत्व किया और पूर्व के लोकप्रिय उद्योगों की मांग लंबे समय तक दबी रह सकती है। दूसरा, हालांकि आर्थिक सुधार शुरू हो गया है, मगर इसके लगभग पूरा होने में कुछ समय लग सकता है। इसलिए, अब उन कौशलों में निवेश करने का एक अच्छा समय है जिनके बाजार के गर्म होने पर मांग में होने की संभावना है।

यह उन छात्रों के लिए विशेष रूप से प्रासंगिक है जो यह तय करते हैं कि विश्वविद्यालय में क्या पढ़ना है। हालांकि आप जो करने के लिए भावुक हैं, उसे करने का आदर्शवादी दृष्टिकोण सैद्धांतिक रूप से रोमांटिक लग सकता है, मगर ऐसे कई लोग हैं, जो उचित रूप से शिक्षा को एक अच्छी जीवन शैली प्राप्त करने के साधन के रूप में देखते हैं, और इसलिए एक ऐसे विषय का चयन करना चाहते हैं जिसे बाद में श्रम बाजार द्वारा पुरस्कृत किए जाने की संभावना हो।

रोजगार -अवसर

अर्थशास्त्र पहले से ही बेहद आकर्षक रोजगार अवसर प्रदान करता है। रोजगार अवसरों की श्रेणी में - परामर्श कंपनी, वित्तीय कंपनी, सरकारी संगठन, विश्व बैंक और आईएमएफ जैसे अंतर्राष्ट्रीय संगठन, विकास क्षेत्र में काम करने के इच्छुक लोगों के लिए गैर सरकारी संगठन, बड़ी तकनीक और वित्तीय पत्रकारिता जैसे उद्योग शामिल हैं।

उदाहरण के लिए, गूगल, अमेजान, फेसबुक एवं माइक्रोसाफ्ट जैसे प्रमुख प्रौद्योगिकी दिग्गज हर साल भारी वेतन के साथ अर्थशास्त्रियों की भर्ती करते हैं। ऐसे करियर पथ के बारे में सोचना कठिन है जो अर्थशास्त्र के समकक्ष विविध अवसरों की पेशकश कर सकता है।

ऐसे कई विश्वविद्यालय हैं जिन्होंने इन विकल्पों को ध्यान में रखते हुए स्नातक और स्नातकोत्तर कोर्स तैयार किए हैं। नतीजतन, एक अर्थशास्त्र का छात्र विकास अर्थशास्त्र, मैक्रोइकॉनॉमिक्स, यहां तक कि फिनटेक और बिग डेटा, द न्यू बजवर्ड्स में विशेषज्ञता प्राप्त विशेषज्ञों की एक बड़ी जमात से सीख सकता है। वास्तव में, अर्थशास्त्र की अवधारणाओं को समझने और प्रोग्रामिंग में दक्षता के बढ़ते महत्व को देखते हुए, विश्वविद्यालयों ने कंप्यूटिंग के साथ बीएससी अर्थशास्त्र की पेशकश शुरू कर दी है।

अर्थशास्त्र, एक मास्टर अनुशासन

इस तरह के पाठ्यक्रमों का अनुसरण करने से बौद्धिक व भौतिक रूप से फायदेमंद होने की संभावना है। क्योंकि व्यक्ति, एक विषय के रूप में अर्थशास्त्र दर्शन और गणित से लेकर मनोविज्ञान व इतिहास तक के विभिन्न क्षेत्रों से बहुत कुछ हासिल करता है। इसलिए, छात्र को विषयों की ऐसी विस्तृत श्रृंखला से अवगत कराया जाएगा, जो उनके पेशेवर और व्यक्तिगत विकास दोनों के लिए अच्छी होगी।

दूसरा, अर्थशास्त्र की मूल बातों की एक अच्छी समझ जटिल, वास्तविक दुनिया की समस्याओं का विश्लेषण करने में एक अत्यधिक मूल्यवान कौशल है, और इसलिए श्रम बाजार में अत्यंत मूल्यवान है। यही कारण है कि अर्थशास्त्र का अध्ययन करने से कुछ उच्चतम-भुगतान वाली नौकरियां मिल सकती हैं - यूके में अर्थशास्त्र में परास्नातक करने वाले किसी व्यक्ति के लिए शुरुआती वेतन अक्सर 60,000 - 75,000 पाउंड्स तक होता है।

साथ ही, अधिकांश छात्र सुरक्षा पहलू को लेकर चिंतित रहते हैं, और अर्थशास्त्र शायद किसी भी अन्य विषय की तुलना में अधिक सुरक्षित है। 1970 के दशक में, इंजीनियरिंग को लेकर होड़ थी, 1990 के दशक में यह होड़ प्रोग्रामिंग को लेकर रही, 2000 के दशक में होड़ का विषय वित्त था, और अब यह बड़ा डेटा और मशीन लर्निंग के रूप में है। हालांकि, अर्थशास्त्र ने हमेशा छात्रों के लिए नौकरी की विस्तृत संभावनाओं की पेशकश करते हुए अपनी स्थिर उपस्थिति बनाए रखी है।

ऐसी दुनिया की कल्पना करना कठिन है जहां अर्थशास्त्र - समृद्धि का विज्ञान - अप्रासंगिक हो जाता है, क्योंकि बेहतर जीवन के लिए प्रयास करना मनुष्य के स्वभाव में है। इसलिए, यदि आप एक छात्र हैं, या माता-पिता हैं, तो स्नातक या स्नातकोत्तर डिग्री के लिए करियर विकल्प के बारे में सोच रहे हैं, तो अर्थशास्त्र शायद किसी से पीछे नहीं है। फैसला करें।

लेखक डिपार्टमेंट ऑफ इकोनॉमिक्स यूनिवर्सिटी ऑफ एसेक्स, यूके में लेक्चरर हैं।

रफेल नडाल ने 21वां ग्रैंडस्लैम खिताब जीता

आस्ट्रेलियाई ओपन टेनिस के फाइनल में मेदवदेव को हराया, पांच सेटों तक चला मुकाबला

●रोजर फेडरर और नोवाक जोकोविच को पीछे छोड़ा

एपी। मेलबर्न

दुनिया के पूर्व नंबर एक खिलाड़ी रफेल नडाल ने रविवार को यहां दो सेट से पिछड़ने के बाद जोरदार वापसी करते हुए दानिल मेदवेदेव को हराकर आस्ट्रेलियाई ओपन टेनिस टूर्नामेंट का खिताब जीता और 21 पुरुष एकल ग्रैंडस्लैम खिताब जीतने वाले दुनिया के पहले खिलाड़ी बने।

स्पेन के 35 साल के नडाल ने इसके साथ ही पुरुष एकल में सर्वाधिक 21 ग्रैंडस्लैम खिताब के साथ रिकॉर्ड अपने नाम किया। नडाल और मेदवेदेव के बीच फाइनल मुकाबला सोमवार को शुरुआती घंटों (आस्ट्रेलिया के समय के अनुसार) में खत्म हुआ। छठे वरीय नडाल ने पहले दो सेट गंवाने के बाद रूस के दूसरे वरीय मेदवेदेव को पांच घंटे और 24 मिनट चले मुकाबले में 2-6, 6-7 (5), 6-4, 6-4, 7-5 से हराया।

पांचवें और निर्णायक सेट में नडाल 5-4 के स्कोर पर जब चैंपियनशिप जीतने के लिए सर्विस कर रहे थे तो मेदवेदेव ने उनकी सर्विस तोड़ दी। उन्होंने हालांकि अपनी अगली सर्विस पर ऐसी कोई गलती नहीं की। यह आस्ट्रेलियाई ओपन का दूसरा सबसे अधिक समय चला फाइनल है। इससे पहले 2012 में सर्बिया के नोवाक जोकोविच ने नडाल को पांच सेट चले मुकाबले में पांच घंटे और 53 मिनट में हराया था।

नडाल के नाम अब रोजर फेडरर और जोकोविच से एक अधिक ग्रैंडस्लैम खिताब दर्ज है। आस्ट्रेलियाई ओपन से पहले इन तीनों के नाम समान रिकॉर्ड 20 ग्रैंडस्लैम खिताब थे। फाइनल के दौरान दूसरे सेट में कुछ देकर खेल रुका जब एक प्रदर्शनकारी कोर्ट पर उतर आया। नडाल इसके साथ ही चारों ग्रैंडस्लैम खिताब कम से कम दो बार जीतने वाले टेनिस इतिहास के सिर्फ चौथे पुरुष खिलाड़ी बने।

नडाल ने अपना पहला आस्ट्रेलियाई ओपन खिताब 2009 में जीता था लेकिन मेलबर्न पार्क में उन्होंने चार फाइनल गंवाए। रविवार को स्पेन के इस खिलाड़ी ने अमेरिकी ओपन चैंपियन मेदवेदेव को हराकर अपना दूसरा आस्ट्रेलियाई ओपन खिताब जीता। नडाल ने 29 मेजर फाइनल में 21वीं जीत दर्ज की। फेडरर और जोकोविच ने समान 31 बार ग्रैंडस्लैम फाइनल में खेलते हुए समान 20 खिताब जीते हैं। नडाल की यह जीत इसलिए भी शानदार है क्योंकि वह 2021 के दूसरे हाफ में सिर्फ दो मैच खेलकर आस्ट्रेलिया पहुंचे थे। स्पेन का यह खिलाड़ी पैर की पुरानी चोट के कारण 2021 के दूसरे हाफ में अधिकांश समय नहीं खेल पाया। उनकी चोट का उपचार किया जा सकता है लेकिन यह पूरी तरह ठीक नहीं होगी।

मेदवेदेव पहला ग्रैंडस्लैम खिताब जीतने के बाद अगले की ग्रैंडस्लैम में खिताब जीतने वाला ओपन युग में पहला पुरुष खिलाड़ी बनने के लिए चुनौती पेश कर रहे थे।

मेदवेदेव अब एंडी मरे के बाद सिर्फ दूसरे खिलाड़ी बन गए हैं जिन्होंने अपना पहला ग्रैंडस्लैम खिताब जीतने के बाद अगला ही ग्रैंडस्लैम में फाइनल मुकाबला गंवा दिया। यह सिर्फ चौथा मौका है जब नडाल ने दो सेट से पिछड़ने के बाद वापसी करते हुए बेस्ट आफ फाइव सेट मुकाबला जीता

दानिल मेदवेदेव को हराने के बाद रफेल नडाल

बार्टी और जोकोविच ने नंबर एक रैंकिंग बरकरार रखी, कोलिन्स शीर्ष 10 में

मेलबर्न। आस्ट्रेलियाई ओपन चैंपियन एश बार्टी ने डेनियल कोलिन्स पर सीधे सेटों में जीत से अपना तीसरा ग्रैंडस्लैम खिताब जीतने के बाद महिला एकल में नंबर एक रैंकिंग पर पिछले दो साल से अधिक से समय से चला आ रहा अपना कब्जा बरकरार रखा। इससे पहले फ्रेंच ओपन और विंबलडन जीत चुकी बार्टी ने नंबर दो पर काबिज बेलारूस की आर्यना सबालेंका पर बढ़त मजबूत कर ली है। पिछले साल की फ्रेंच ओपन चैंपियन बारबोरा क्रेसीकोवा पहली बार आस्ट्रेलियाई ओपन के क्वार्टर फाइनल में पहुंचने के कारण तीसरे स्थान पर पहुंच गई है। पोलैंड की इगा स्वियातेक पांच पायदान ऊपर चौथे स्थान पर पहुंच गई हैं जबकि 28 वर्षीय कोलिन्स ने 20 पायदान की लंबी छलांग लगाई है और वह पहली बार शीर्ष 10 में पहुंचने में सफल रही हैं।विश्व की पूर्व नंबर एक खिलाड़ी गर्बाइन मुगुरुजा चार पायदान नीचे सातवें स्थान पर खिसक गई है। पुरुष रैंकिंग में शीर्ष 10 में इटली के मैटियो बेरेटिनी और रूस के आंद्रे रूबलेव की रैंकिंग में ही परिवर्तन हुआ है। आस्ट्रेलियाई ओपन के सेमीफाइनल में पहुंचने वाले बेरेटिनी अपने करियर की सर्वश्रेष्ठ छठी रैंकिंग पर पहुंच गए हैं जबकि रूबलेव सातवें स्थान पर खिसक गए हैं। नोवाक जोकोविच पुरुष वर्ग में शीर्ष पर काबिज हैं। रूस के दानिल मेदवेदेव दूसरे नंबर पर बने हुए हैं। जर्मनी के अलेक्सांद्र जेवरेव तीसरे, यूनान के स्टेफनोस सिटसिपास चौथे और स्पेन के राफेल नडाल पांचवें स्थान पर हैं।

बारबरा क्रेसिकोवा और सिनियाकोवा ने महिला युगल खिताब जीता

मेलबर्न। बारबरा क्रेसिकोवा और कैटरिना सिनियाकोवा की शीर्ष वरीय जोड़ी ने अना डेनिलिना और बीटरिज हदाद मेइया की गैरवरीय जोड़ी को कड़े मुकाबले में हराकर आस्ट्रेलियाई ओपन टेनिस टूर्नामेंट का महिला युगल का खिताब जीता। चेक गणराज्य की क्रेसिकोवा और सिनियाकोवा की जोड़ी ने डेनिलिना और मेइया को फाइनल में 6-7 (3), 6-4, 6-4 से हराया। चेक गणराज्य की जोड़ी का यह आस्ट्रेलियाई ओपन का पहला और करियर का चौथा ग्रैंडस्लैम खिताब है। यह जोड़ी इससे पहले एक बार विंबलडन और दो बार फ्रेंच ओपन का खिताब जीत चुकी है। क्रेसिकोवा और सिनियाकोवा की जोड़ी ने टोक्यो ओलंपिक का भी महिला युगल का खिताब जीता था। इस जोड़ी को पिछले साल मेलबर्न में एलिस मर्टेन्स और एरिना सबालेंका के खिलाफ फाइनल में 2-6, 3-6 से हार का सामना करना पड़ा था।

भारत 10वीं बार सेमीफाइनल में

अंडर-19 विश्व कप

●बांग्लादेश को पांच विकेट से हराकर पिछली हार का बदला चुकाया

भाषा। कूलिज (एंटीगा)

बाएं हाथ के तेज गेंदबाज रवि कुमार की घातक गेंदबाजी से भारत ने मौजूदा चैंपियन बांग्लादेश को पांच विकेट से करारी शिकस्त देकर अंडर-19 विश्व कप के सेमीफाइनल में जगह बनाने के साथ पिछली बार फाइनल में मिली हार का बदला भी चुकता किया। पिछली बार के टूर्नामेंट में भारत खिताबी मुकाबले में बांग्लादेश से हार गया था। चार बार का चैंपियन भारत सेमीफाइनल में दो फरवरी को आस्ट्रेलिया से भिड़ेगा।

उत्तर प्रदेश में जन्में और सीआरपीएफ जवान के बेटे रवि अपने राज्य के सीनियर मोहम्मद शमी के नक्शेकदमों पर चलते हुए बंगाल के लिए खेलते हैं। उन्होंने बल्लेबाजों के लिए मुश्किल पिच पर सात ओवर में 14 रन देकर तीन विकेट झटके। बांग्लादेश की टीम शनिवार को खेले गए इस मैच में 37.1 ओवर में 111 रन पर ढेर हो गई।

बांग्लादेश की टीम एक समय 56 रन पर सात विकेट गंवा चुकी थी जिसके बाद एसएम मेहरोब (30) और अशिफुर जमां (16) ने आठवें विकेट के लिए 50 रन जोड़कर स्कोर 100 रन के पार पहुंचाया। इसके जवाब में भारत ने 30.5 ओवर में पांच विकेट पर 117 रन बनाकर आसान जीत दर्ज की। सलामी बल्लेबाज अंगकृष रघुवंशी ने सर्वाधिक 44 रन बनाए। कप्तान यश धुल ने नाबाद 20 और उप कप्तान शेख रशीद ने 26 रन का योगदान दिया।

कौशल तांबे (नाबाद 11) ने विजई छक्का लगाया। भारत के लिए यह जीत इसलिए भी महत्वपूर्ण है क्योंकि अधिकतर खिलाड़ियों ने कोविड-19 से उबरने के बाद बिना अभ्यास के इसमें हिस्सा लिया था। भारतीय टीम के लिए यह जीत इसलिए भी महत्वपूर्ण है क्योंकि पिछले साल कोलकाता में चार देशों के टूर्नामेंट में उसे इसी टीम से दो बार हार का सामना करना पड़ा था। भारत ने टॉस जीता और रवि ने पिच में नमी का पूरा फायदा उठाया। उन्हें हवा से गेंद को मूव कराने में भी मदद मिली। दूसरे ओवर में रवि ने अपनी इनस्विंगर पर महफिजुल इस्लाम (02) को बोल्ड किया। उनके सलामी जोड़ीदार इफ्ताखेर हुसैन (01) ने धीमी गेंद पर स्क्वायर कट लगाने की कोशिश की और प्वाइंट पर भारतीय उप कप्तान शेख रशीद को कैच दे बैठे।

प्रांतिक नवरोज (07) क्रीज पर सहज नहीं थे और रवि की बाहर जाती गेंद पर बल्ला भिड़ाकर स्लिप में कौशल तांबे को कैच देकर पवेलियन पहुंच गए। आठवें ओवर में बांग्लादेश का स्कोर 14 रन पर तीन विकेट था जिसके बाद उसने नियमित अंतराल पर विकेट गंवाए।

बाएं हाथ के स्पिनर विक्की ओस्तवाल (नौ ओवर में एक मेडन 25 रन देकर दो विकेट) ने भी सटीक गेंदबाजी की। उन्हें खेलना प्रतिद्वंद्वी बल्लेबाजों के लिए आसान नहीं था। भारत ने हरनूर सिंह (शून्य) का विकेट दूसरे ओवर में गंवा दिया। रघुवंशी और रशीद ने दूसरे विकेट के लिए 70 रन की साझेदारी करके टीम को इसके झटके से उबारा। बाद में कप्तान धुल ने अच्छी भूमिका निभाई। बांग्लादेश की तरफ से रिपन मंडल ने 31 रन देकर चार विकेट लिए।

हमने मुश्किल समय में एकजुटता दिखाई : धुल

कूलिज (एंटीगा)। भारतीय जूनियर टीम के कप्तान यश धुल ने कहा कि टीम में कोविड-19 पॉजिटिव के कई मामले सामने आने के बाद खिलाड़ियों ने मुश्किल दौर से बाहर निकलने के लिए गजब की एकजुटता दिखाई जिससे टीम आईसीसी अंडर-19 विश्व कप के सेमीफाइनल में पहुंचने सफल रही। कप्तान सहित छह खिलाड़ियों के वायरस की चपेट में आने के कारण भारत ग्रुप चरण में आयरलैंड के खिलाफ बमुश्किल टीम उतार पाया था। भारत ने शनिवार को बांग्लादेश को पांच विकेट से हराकर सेमीफाइनल में प्रवेश किया। धुल ने मैच के बाद कहा कि हमारी टीम का संयोजन बहुत अच्छा रहा है और खिलाड़ी अच्छा प्रदर्शन कर रहे हैं। जब भी कोई निराश होता है तो हम सब मिलकर उसका हौसला बढ़ाते हैं। यह बहुत अच्छा अनुभव रहा। टीम ने विपरीत परिस्थितियों में भी जीतना जारी रखा। क्वार्टर फाइनल से पहले पांच खिलाड़ियों ने परीक्षण नेगेटिव आने के बाद वापसी की। चार बार का चैंपियन भारत सेमीफाइनल में बुधवार को आस्ट्रेलिया से भिड़ेगा। धुल ने टूर्नामेंट के दौरान मार्गदर्शन के लिए राष्ट्रीय क्रिकेट अकादमी (एनसीए) के प्रमुख वीवीएस लक्ष्मण का आभार व्यक्त किया। भारत का यह पूर्व बल्लेबाज टीम के साथ वेस्टइंडीज गया है। धुल ने कहा, टीम में प्रतिदिन सुधार हो रहा है। लक्ष्मण सर अपना अनुभव साझा कर रहे हैं। इससे हमें काफी मदद मिल रही है। सेमीफाइनल के लिए हम पिच को देखकर रणनीति बनाएंगे। मैच के सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ी चुने गए रवि ने कहा, हमारी रणनीति सरल थी सही लाइन से गेंदबाजी करना और दबाव बनाना। पिछले कुछ दिनों में हमारी तैयारी अच्छी रही। हमने एक साथ काफी समय बिताया और अच्छी तैयारी की। अब तक का अनुभव अच्छा रहा है और हमें आगे भी अच्छे प्रदर्शन की उम्मीद है।

मैच के दौरान भूकंप के झटके महसूस किए गए

पोर्ट ऑफ स्पेन। आयरलैंड और जिम्बाब्वे के बीच मैच के दौरान भूकंप के झटके महसूस किए गए जिसका प्रभाव प्रसारण किए जा रहे दृश्यों पर साफ देखा जा सकता था। खिलाड़ियों को हालांकि इसका पता नहीं चला और उन्होंने खेलना जारी रखा लेकिन कमेंट्री बॉक्स में कमेंटेटरों ने झटके महसूस किए। रिक्टर स्केल पर भूकंप की तीव्रता 5.2 आंकी गई। कमेंटेटर एंड्रयू लियोनार्ड ने भूकंप के झटकों का वर्णन करते हुए कहा कि कमेंट्री बॉक्स हिलने लगा था।

उन्होंने कहा कि मुझे लग रहा है कि अभी भूकंप आ रहा है। वास्तव में भूकंप आ रहा है। ऐसा लगा कि न केवल हमारे पीछे से एक रेलगाड़ी जा रही है, बल्कि पूरा क्वींस पार्क ओवल मीडिया सेंटर हिल गया है। भूकंप के झटके 15 से 20 सेकेंड तक महसूस किए गए। आयरलैंड के स्पिनर मैथ्यू हम्फ्रीज जिम्बाब्वे के ब्रायन बेनेट को छठे ओवर की पांचवीं गेंद कर रहे थे, तभी भूकंप के कारण कैमरा हिलने लगा। इस दौरान के दृश्य में इसका प्रभाव साफ दिखा लेकिन खेल नहीं रोका गया।

मोईन के खेल से इंग्लैंड ने वेस्टइंडीज को हराया

●पांच मैचों की सीरीज 2-2 से बराबर

एपी। ब्रिजटाउन

कार्यवाहक कप्तान मोईन अली के आलराउंड खेल के दम पर इंग्लैंड ने चौथे टी-20 अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट मैच में वेस्टइंडीज को 34 रन से हराकर पांच मैचों की श्रृंखला 2-2 से बराबर की। इयोन मोर्गन के चोटिल होने के कारण श्रृंखला से बाहर होने के कारण टीम की अगुवाई कर रहे मोईन ने 28 गेंदों पर एक चौके और सात छक्कों की मदद से 63 रन बनाए।

उनकी इस पारी की मदद से इंग्लैंड ने आखिरी तीन ओवरों में 59 रन जोड़कर छह विकेट पर 193 रन का चुनौतीपूर्ण स्कोर बनाया। सलामी बल्लेबाज जैसन रॉय ने 42 गेंदों पर 52 रन का योगदान दिया। स्पिनर मोईन ने इसके बाद गेंदबाजी में कमाल दिखाया और चार ओवर में 28 रन देकर दो विकेट लिए। वेस्टइंडीज की टीम पांच विकेट पर 159 रन ही बना सकी। उसकी तरफ से सलामी बल्लेबाज काइल मायर्स ने 23 गेंदों पर सर्वाधिक 40 रन बनाए जबकि जैसन होल्डर ने 24 गेंदों पर दो चौकों और तीन छक्कों की मदद से 36 रन की पारी खेली।

पांचवां और अंतिम मैच रविवार को ब्रिजटाउन में खेला जाएगा। इंग्लैंड ने आखिरी ओवरों में ताबड़तोड़ रन जुटाए। मोईन ने 18वें ओवर में होल्डर (44 रन देकर तीन विकेट) पर लगातार चार छक्के लगाए।

वेस्टइंडीज को अंतिम चार ओवरों में 61 रन की दरकार थी लेकिन क्रिस जोर्डन (0-30) और रीस टोपले (21 रन देकर एक) ने अच्छी गेंदबाजी करके पांच मैचों की श्रृंखला को रोमांचक बना दिया।

कैमरून और बुर्किना फासो अफ्रीकन कप के सेमीफाइनल में

डौआला (**कैमरून**)। स्ट्राइकर कार्ल टोको इकाम्बी के दो गोल की मदद से मेजबान कैमरून ने गाम्बिया को 2-0 गोल से हराकर अफ्रीकन कप फुटबॉल टूर्नामेंट के सेमीफाइनल में प्रवेश किया। टोको इकाम्बी ने दूसरे हाफ में सात मिनट के अंदर गोल किए। उन्होंने 50वें और 57वें मिनट में गोल दागकर अपनी टीम को सेमीफाइनल में पहुंचाया जहां उसका सामना मिस्र और मोरक्को के बीच होने वाले क्वार्टर फाइनल मैच के विजेता से होगा।

बुर्किना फासो भी सेमीफाइनल में पहुंच गया है। उसकी टीम ने ट्यूनीशिया को 1-0 गोल से हराया। किशोर फारवर्ड डैंगो ओटारा ने बुर्किना फासो की तरफ से पहले हाफ के इंजुरी टाइम में गोल किया। ओटारा को 82वें मिनट में लाल कार्ड मिला जिससे उन्हें बाहर बैठना पड़ा। ऐसे में बुर्किना फासो को अंतिम 10 मिनट में 10 खिलाड़ियों के साथ खेलना पड़ा।

विराट असाधारण कप्तान : इयान चैपल

भाषा। सिडनी

आस्ट्रेलिया के अपने जमाने के दिग्गज बल्लेबाज इयान चैपल ने विराट कोहली को असाधारण कप्तान करार दिया जिन्होंने भारतीय टीम को उच्च स्तर पर पहुंचाया लेकिन उन्होंने इंग्लैंड के जो रूट को अच्छा बल्लेबाज लेकिन कमजोर कप्तान बताया। दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ भारत की टेस्ट श्रृंखला में हार के बाद कोहली ने टेस्ट कप्तानी छोड़ दी थी। इससे पहले उन्होंने टी-20 टीम की कप्तानी छोड़ी थी जबकि उन्हें वनडे कप्तान पद से हटा दिया गया था।

चैपल ने कोहली और रूट की कप्तानी शैली में अंतर का जिक्र किया। उन्होंने एक कॉलम में लिखा, यह दो क्रिकेट कप्तानों की कहानी है। एक अपने काम में बहुत अच्छा तो दूसरा असफल रहा। चैपल ने कहा कि इसमें कोई संदेह नहीं है कि कोहली कप्तान के रूप में एक अपवाद थे। उन्होंने अपने उत्साह पर अंकुश नहीं लगाया, लेकिन फिर भी वह भारतीय

टीम को उच्च स्तर तक ले जाने में सक्षम थे। उप कप्तान अजिंक्य रहाणे के रूप में अच्छे सहयोगी की मदद से उन्होंने भारत को विदेशों में सफलता दिलाई और ऐसा किसी अन्य कप्तान ने नहीं किया। रूट के मामले में वह वैसे ही निष्ठुर थे जैसे कि इंग्लैंड के क्रिकेटर का आकलन करने में कोई आस्ट्रेलियाई हो सकता है।

चैपल ने रूट का आकलन करते हुए लिखा कि किसी भी अन्य कप्तान की तुलना में सर्वाधिक मैचों में अपने देश की अगुवाई करने के बावजूद कप्तानी में असफलता का नाम जो रूट है। यह मायने नहीं रखता कि रूट या इंग्लैंड का अन्य कोई धुर प्रशंसक आपसे क्या कहता है। रूट अच्छा बल्लेबाज है लेकिन कमजोर कप्तान है। चैपल ने कहा कि कोहली ने किस तरह से भारत के दो सफल कप्तानों सौरव गांगुली और महेंद्र सिंह धोनी की विरासत को आगे बढ़ाया। उन्होंने कहा कि कोहली को सौरव गांगुली और धोनी से जो विरासत मिली थी उसे उन्होंने सात वर्षों में काफी हद तक आगे बढ़ाया। कप्तान के रूप में उनकी सबसे बड़ी निराशा दक्षिण अफ्रीका से हाल में मिली हार रही जिसमें भारत 1-0 से आगे था, हालांकि उन्होंने केपटाउन में दूसरे टेस्ट में कप्तानी नहीं की थी। चैपल ने टेस्ट क्रिकेट में अच्छा प्रदर्शन करने के कोहली के जुनून का जिक्र किया। उन्होंने कहा कि कोहली की सबसे बड़ी उपलब्धि अपनी टीम में टेस्ट क्रिकेट प्रति ललक पैदा करना था। अपनी व्यापक सफलता के बावजूद कोहली का प्रमुख लक्ष्य टेस्ट क्रिकेट में जीत हासिल करना था और यहीं से उनका जुनून वास्तव में चमक उठा।

उन्नति हुड्डा ने ओड़िशा ओपन बैडमिंटन जीता

भाषा। कटक

किशोरी उन्नति हुड्डा ने रविवार को 75 हजार डॉलर इनामी ओड़िशा ओपन बैडमिंटन टूर्नामेंट में महिला एकल का जबकि गैरवरीयता प्राप्त किरण जार्ज ने पुरुष एकल का खिताब जीता। उन्नति सुपर 100 टूर्नामेंट जीतने वाली सबसे युवा भारतीय बन गई है। इस 14 वर्षीय खिलाड़ी ने बेहतरीन खेल का प्रदर्शन करके खिताब अपने नाम किया। उन्होंने फाइनल में स्मित तोश्नीवाल पर 21-18, 21-11 से जीत दर्ज की।

21 वर्षीय जॉर्ज ने पुरुष एकल के फाइनल में प्रियांशु राजावत को 58 मिनट तक चले मैच में 21-15, 14-21, 21-18 से हराया। इस बीच मिश्रित युगल फाइनल में भारत के एमआर अर्जुन और त्रीसा जॉली को सचिन डायस और थिलिनी हेंडादाहेवा की श्रीलंकाई जोड़ी से 36 मिनट तक

चले मैच में 16-21, 20-22 से हार का सामना करना पड़ा।

सेमीफाइनल में इंडियन ओपन की फाइनलिस्ट मालविका बंसोड़ को 24-22, 24-22 हराकर उलटफेर करने वाली उन्नति ने तोश्नीवाल के खिलाफ केवल 35 मिनट में जीत दर्ज की। तोश्नीवाल ने भी सेमीफाइनल में अश्मिता चालिहा को 21-19, 10-21, 21-17 से उलटफेर का शिकार बनाकर फाइनल में प्रवेश किया था। उन्नति ने पहले गेम में वापसी करके जीत दर्ज की।

जापान और चीन अंतिम चार में

महिला एशियाई कप फुटबाल

भाषा। नवी मुंबई

गत चैम्पियन जापान और चीन ने रविवार को अपने-अपने क्वार्टर फाइनल मैच जीतकर महिला एशियाई कप के सेमीफाइनल में जगह बनाने के साथ 2023 फीफा विश्व कप के लिए क्वालीफाई किया। डीवाई पाटिल स्टेडियम में जापान ने थाईलैंड को 7-0 से जबकि चीन ने वियतनाम को 3-1 गोलों से शिकस्त दी।

दोनों टीमें गुरुवार को खेले जाने वाले सेमीफाइनल में एक दूसरे का सामने करेंगी। एशियाई कप के सेमीफाइनल में पहुंचने वाली सभी टीमें 2023 विश्व कप के लिए स्वत: क्वालीफाई करेंगी।

दो बार की गत चैंपियन टीम जापान की ओर से स्ट्राइकर युइका सुगासावा ने चार गोल दागे। वर्ष 1983 का चैंपियन थाईलैंड और वियतनाम दो और चार फरवरी को होने वाले प्ले आफ के जरिए आस्ट्रेलिया और न्यूजीलैंड में होने वाले फीफा विश्व कप में जगह बनाने की दौड़ में बने हुए हैं। शुरुआती दो प्रयास के बाद माना इवाबुची को पेनल्टी पर जापान को बढ़त दिलाने का मौका मिला लेकिन गोलकीपर वारापोर्न बूनसिंग ने उनके प्रयास को नाकाम कर दिया। सुगासावा ने 27वें मिनट में गत चैंपियन टीम को बढ़त दिलाई जिसके बाद हिनाता मियाजावा ने पहले हाफ के इंजरी टाइम में स्कोर 2-0 किया। थाईलैंड की वापसी की उम्मीद दूसरे हाफ के तीसरे ही मिनट में टूट गइ जब सुमिदा ने जापान की ओर से तीसरा गोल दागा।

तीन गोल से पिछड़ने का असर खिलाड़ियों पर दिखने लगा जो थकी हुई लग रही थी। फोनफिरुन फिलावन ने 64वें मिनट में सुगासावा को गिराया जिसके बाद जापान को दूसरी पेनल्टी मिली जिसे उन्होंने खुद गोल में बदलकर स्कोर 4-0 गोल किया। रिको उइकी ने 75वें मिनट में स्कोर 5-0 गोल किया जबकि पांच मिनट बाद सुगासावा ने अपनी हैट्रिक पूरी की। सुगासावा ने 80वें मिनट में अपना चौथा और थाईलैंड की ओर से सातवां गोल करके टीम की आसान जीत सुनिश्चित की।

दूसरे मैच में वांग शुआंग, वांग शानशान और तांग जियाली के गोल से चीन ने वियतनाम के खिलाफ पिछड़ने के बाद जीत दर्ज की।

चीन बिना गोल गंवाए अपने सभी ग्रुप गेम जीतकर क्वार्टर फाइनल में पहुंचा था जबकि वियतनाम सेमीफाइनल में पहुंचकर इतिहास रचने की होड़ में था। चीन ने शुरुआत से आक्रामक रूख अपनाया लेकिन वांग शुआंग के सातवें मिनट किए गए गोल को ऑफसाइड के कारण अमान्य करार दिया गया।

इसके दो मिनट बाद टैंग जियाली का हेडर गोल पोस्ट के ऊपर से निकल गया। वियतनाम ने हालांकि 11वें मिनट में पहला गोल कर चीन को चौंका दिया।

ग्रैंडमास्टर अर्जुन एरिगैसी ने टाटा स्टील चैलेंजर्स का खिताब जीता

विज्क आन जी (**नीदरलैंड**)। भारतीय ग्रैंडमास्टर अर्जुन एरिगैसी ने 12वें दौर में चेक गणराज्य के थाई डेई वान एनगुएन से ड्रॉ खेलकर एक दौर शेष रहते टाटा स्टील चैलेंजर्स शतरंज टूर्नामेंट का खिताब जीत लिया। टूर्नामेंट के दौरान शानदान फॉर्म में चल रहे 18 साल के एरिगैसी अब तक प्रतियोगिता में अजेय हैं। उन्होंने संयुक्त रूप से दूसरे स्थान पर चल रहे एनगुएन से शनिवार देर रात सिर्फ 15 चाल में ड्रा खेला और उनके 9.5 अंक हो गए हैं। एरिगैसी ने संयुक्त रूप से दूसरे स्थान पर चल रहे एनगुएन और जोनास बुहल जेरे पर डेढ़ अंक की बढ़त बना रखी है।

एरिगैसी (ईएलओ 2632) ने अब तक सात बाजी जीत हैं जबकि पांच ड्रॉ खेली। अंतिम दौर में एरिगैसी की भिड़ंत फ्रांस के मार्क एंड्रिया मॉरिजी से होगी। मॉरिजी ने 12वें दौर में भारत के सूर्य शेखर गांगुली को हराया। गांगुली के साढ़े पांच अंक हैं और वह नौवें स्थान पर हैं।

तेज गेंदबाज स्टार्क आईपीएल नीलामी से हटे

●22 सप्ताह तक बायो बबल में नहीं रहना चाहते मिशेल

भाषा। मेलबर्न

आस्ट्रेलिया के तेज गेंदबाज मिशेल स्टार्क ने कहा है कि उन्होंने अंतिम समय में आईपीएल नीलामी से बाहर होने का विकल्प चुना क्योंकि वह बायो-बबल (जैव सुरक्षित माहौल) में और 22 सप्ताह नहीं बिताना चाहते थे। शनिवार को ऑस्ट्रेलिया के साल के सर्वश्रेष्ठ पुरुष क्रिकेटर का खिताब जीतने वाले स्टार्क ने कहा कि मैं नीलामी में शामिल होने से बस एक क्लिक दूर था, लेकिन मैं व्यक्तिगत रूप से 22 सप्ताह और बायो-बबल में नहीं बिताना चाहता था।

उन्होंने कहा कि ऐसा समय भी आएगा जब मैं आईपीएल में वापस जाना पसंद करूंगा लेकिन ऑस्ट्रेलिया के लिए जितना हो सके उतना अधिक

खेलना चाहता हूं, यह एक ऐसा निर्णय है जो मैंने कुछ समय के लिए लिया है। रॉयल चैलेंजर्स बेंगलोर (आरसीबी) के इस पूर्व खिलाड़ी ने अब तक आईपीएल के केवल दो सत्रों में ही भाग लिया है। उन्होंने इस दौरान 27 मैचों में 37 विकेट हासिल किए हैं। स्टार्क के लिए 2018 में कोलकाता नाइट राइडर्स ने 9.4 करोड़ रुपए की बोली लगाई थी लेकिन आईपीएल सत्र की शुरुआत से कुछ सप्ताह पहले दक्षिण अफ्रीका दौरे पर लगी चोट के कारण उन्हें बाहर होना पड़ा था। इस 32 साल के खिलाड़ी ने शनिवार को कहा था कि कुछ समय पहले ही वह खेल छोड़ने की कगार पर थे। स्टार्क अपने स्तर के तेज गेंदबाज के मुताबिक विकेट नहीं ले पा रहे थे और अधिक रन लुटा रहे थे। मैदान के बाहर वह अपने पिता के कैंसर से पीड़ित होने के कारण परेशान थे। भारत के खिलाफ घरेलू श्रृंखला में खराब प्रदर्शन के बाद भी स्टार्क टीम में अपनी जगह बचाने में सफल रहे थे लेकिन उन्होंने इस दौरान अपने पिता को इस खतरनाक बीमारी से खो दिया। आस्ट्रेलियाई पुरुष क्रिकेट में सर्वोच्च व्यक्तिगत पुरस्कार एलन बॉर्डर मेडल जीतने के बाद स्टार्क ने कहा, जाहिर है कि पिछला साल मैदान पर और बाहर विशेष रूप से कठिन था।

उन्होंने कहा किमैं शायद वह क्रिकेट नहीं खेल पाया जो मैं चाहता था और कुछ ऐसे भी पल आए जब मैं शायद क्रिकेट बिल्कुल भी नहीं खेलना चाहता था। उन्हें भारत के खिलाफ टेस्ट श्रृंखला के बाद काफी आलोचना का सामना करना पड़ा था। उन्होंने इस श्रृंखला में 40.72 की औसत से सिर्फ 11 विकेट चटकाए थे। उन्होंने हालांकि एशेज श्रृंखला में शानदार वापसी करते हुए 25.37 की औसत से 19 विकेट लिए थे और टीम को यादगार जीत दिलाने में अहम भूमिका निभाई थी।